सुविचार

आप बड़ी से बड़ी असफलता से बाहर निकल सकते हैं, बशर्ते आप अपनी प्रेरणा और उम्मीद को थामें रहें।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 02 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 16 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

सिटाडेल के बाद रूसों ब्रदर्स ने फिर जताया...

न किसी को कम, न किसी को ज्यादा

सबको साधा

बजट, बजट, बजट... लो हो गया बजट पेश। लेकिन ये अंतरिम ही रहा। न टैक्स बदला, न बड़ी घोषणाएं। हालांकि सीतारमण 8 हफ्ते पहले ही बोल चुकी थीं कि साल चुनावी है, तो बजट अंतरिम ही रहेगा। वित्त मंत्री करीब 58 मिनट बोलीं। इस दौरान सबसे ज्यादा 42 बार टैक्स और इतनी ही बार पीएम शब्द दोहराए। पर डायरेक्ट या इंडायरेक्ट, किसी भी तरह के टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया। हां पीएम से शुरू होने वाली योजनाएं खूब सारी गिनाई। इनकम टैक्स में कोई राहत नहीं मिली। पुरानी टैक्स रिजीम पर 2.5 लाख रुपए तक की कमाई ही टैक्स फ्री रहेगी। हालांकि सेक्शन 87ए के तहत 5 लाख तक की इनकम पर टैक्स बच सकता है। नई टैक्स रिजीम पर भी पहले की तरह 3 लाख रुपए तक की कमाई टैक्स फ्री है। इसमें 87ए के तहत सैलरीड पर्सन ₹7.5 लाख रुपए तक और बाकी ₹7 लाख तक की कमाई पर छूट ले सकते हैं। महिलाओं के लिए उम्मीद से कम घोषणाएं हैं। 3 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सर्वाइकल कैंसर रोकने के लिए 9-14 साल की बच्चियों को फ्री टीका लगाया जाएगा। सभी आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं और हेल्पर्स को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा। फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) का दायरा नहीं बढ़ाया है। वहीं, साल में 6,000 रुपए की किसान सम्मान निधि में भी इजाफा नहीं किया गया है।

बजट में कुछ भी महंगा या सस्ता नहीं हुआ

इस बार बजट में कुछ भी सस्ता या महंगा नहीं हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि 2017 में लागू किये गए जीएसटी के बाद से बजट में केवल कस्टम ड्यूटी, एक्साइज ड्यूटी को बढ़ाया या घटाया जाता है, जिसका असर गिनी-चुनी चीजों पर ही पड़ता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस अंतरिम बजट में किसान, महिलाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई सारे सेक्टर्स के लिए कई सारे ऐलान किये हैं। हालांकि, इसके बावजूद अंतरिम बजट के बाद कुछ भी महंगा या सस्ता नहीं होगा। जी हां, इस बजट में ऐसे कोई भी ऐलान नहीं हुए हैं, जिसके कारण देश में कुछ महंगा या सस्ता होगा।

पेंडिंग डायरेक्ट टैक्स के मामलों में टैक्स माफ एक करोड़ करदाताओं को फायदा होगा

1962 से वित्त वर्ष 2009-10 तक के पेंडिंग डायरेक्ट टैक्स के मामलों में टैक्स माफ कर दिया जाएगा। हालांकि ये तभी होगा जब आप पर 25,000 रुपए तक का टैक्स बन रहा हो। इसी तरह 2010-11 से 2014-15 के बीच पेंडिंग मामलों में इनकम टैक्स से जुड़े 10 हजार रुपए तक के मामलों को वापस लेने का फैसला किया गया है। इससे एक करोड़ करदाताओं को फायदा होगा।

रूफटॉप सोलर से 300 यूनिट तक फ्री बिजली मिलेगी, एक करोड़ परिवारों को फायदा : रूफटॉप सोलर के जरिए एक करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली मिलेगी। सरकार साल 2014 से 'नेशनल रूफटॉप स्कीम' चला रही है। वहीं पीएम मोदी ने हाल ही में 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का भी ऐलान किया है। इसमें 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर लगेंगे।

47.66

लाख करोड़ रुपये के व्यय का बजट पेश किया केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने, पिछले वर्ष 45.03 लाख करोड़ रुपये का बजट हुआ था पेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेश किए गए बजट की सराहना करते हुए इसे केवल एक अंतरिम बजट नहीं बल्कि एक समावेशी और अभिनव बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी देता है। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से बजट पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह समावेशी और अभिनव बजट है। इसमें निरंतरता का आत्मविश्वास है। ये बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला और किसान सभी को सशक्त करेगा।

मैंने बजट स्पीच सुना। मैंने सोचा था कि वित्त मंत्री गरीब और मीडिल क्लास के लिए कोई नई योजनाएं लाएगी। उनकी तकलीफों को कम करने के लिए कुछ घोषणाएं होंगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। हर साल की तरह मोदी सरकार का अंतरिम बजट केवल रंग-बिरंगे शब्दों का मायाजाल था! इसमें ठोस कुछ नहीं था, बड़े-बड़े और खोखले दावे करना इस सरकार की आदत है।

मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, कांग्रेस

बजट में ये है खास

- अंतरिम केंद्रीय बजट 2024-25 में उधार के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 30.80 लाख करोड़ रुपये और 47.66 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- इसमें कर प्राप्तियां 26.02 लाख करोड़ रुपये अनुमानित हैं। राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए पचास वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण की योजना इस वर्ष भी जारी रहेगी, जिसका कुल परिव्यय 1.3 लाख करोड़ रुपये होगा।
- वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। इसके साथ ही 2024-25 के दौरान दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से सकल और शुद्ध बाजार उधार क्रमशः 14.13 लाख करोड़ रुपये और 11.75 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में उधार के अलावा कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान (आरई) 27.56 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें जहां कर प्राप्तियां 23.24 लाख करोड़ रुपये हैं वहीं कुल खर्च का आरई 44.90 लाख करोड़ रुपये है।
- वित्त मंत्री को 30.03 लाख करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां बजट अनुमान से अधिक होने की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास गति और औपचारिकता को दर्शाती है। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट के लिए राजकोषीय घाटे का आरई सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी का 5.8 फीसदी है।
- वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री चार प्रमुख जातियों, यानी 'गरीब' (गरीब), 'महिलाएं' (महिला), 'युवा' (युवा) और 'अन्नदाता' (किसान) के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
- सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने में सहायता की।
- रुपये का डीबीटी से पीएम-जन धन खातों का उपयोग करने से 34 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई। सरकार को 2.7 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ।
- पीएम-स्वनिधि ने 78 लाख स्ट्रीट वेंडरों को ऋण सहायता प्रदान की। 2.3 लाख को तीसरी बार क्रेडिट मिला है।
- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के विकास में सहायता के लिए पीएम-जनमन योजना।
- पीएम-किसान सम्मान योजना ने 11.8 करोड़ किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की।
- पीएम फसल बीमा योजना के तहत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा दिया जाता है।
- इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट ने 1361 मंडियों को एकीकृत किया गया है, जो 1.8 करोड़ किसानों को 3 लाख करोड़ रुपये की व्यापार मात्रा के साथ सेवाएं प्रदान करता है।

सरकारी योजनाओं को लेकर निर्मला की 5 बातें

- सभी आशा कर्मी बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा।
- सूर्योदय योजना के तहत 1 करोड़ घरों में 300 यूनिट सोलर बिजली फ्री दी जाएगी।
- 2 करोड़ नए घर प्रधानमंत्री योजना के तहत बनाए जाएंगे।
- लखपति दीदी योजना के तहत 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएंगी
- ब्लू इकोनॉमी 2.0 के तहत नई योजना शुरू की जाएगी।

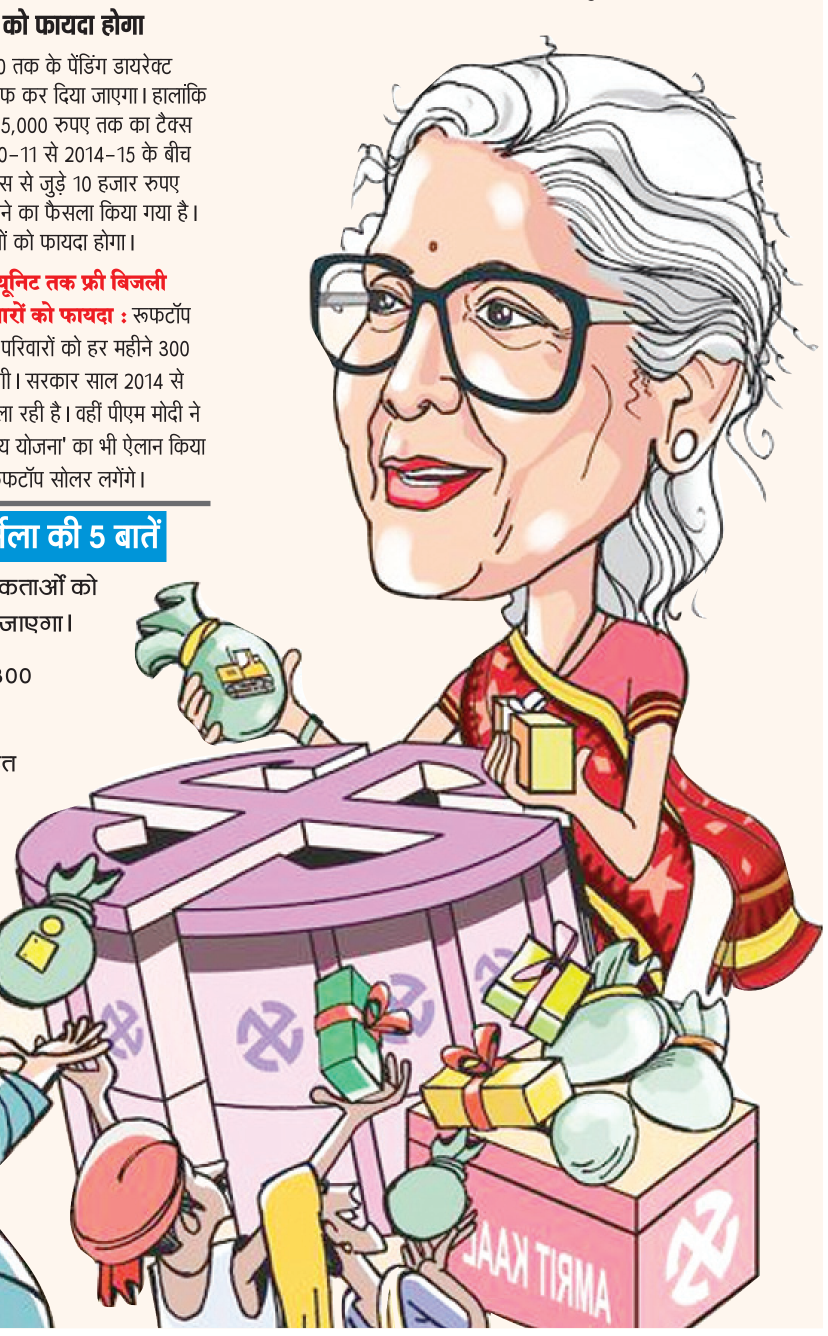

SHARE

सेंसेक्स	:	71,645.30
निफ्टी	:	21,697.45

SARAFA

सोना	:	5,975
चांदी	:	77.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ज्ञानवापी में व्यास तहखाने के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

VARANASHI : वाराणसी जिला कोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा अर्चना शुरू हो गई है। इस दौरान डीएम और पुलिस कमिश्नर भी मौजूद रहे। दीप जलाकर गणेश-लक्ष्मी की आरती उतारी गई। कोर्ट ने ये फैसला 1996 के सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर दिया है। कोर्ट ने फैसले में जिला प्रशासन को पूजा की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने बुधवार को दोपहर 3 बजे तहखाने में पूजा की अनुमति दी थी। जिसके ठीक आठ घंटे बाद 11 बजे पूजा शुरू हो गई। करीब 31 साल बाद ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा शुरू हुई है। 1993 तक व्यास परिवार यहां पूजा करता था।

कड़ी सुरक्षा के बीच ईडी की विशेष अदालत में किया गया पेश, ईडी को नहीं मिली रिमांड

होटवार जेल में कटी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की रात

CRIME REPORTER RANCHI : हेमंत सोरेन को गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच ईडी की विशेष अदालत में पेश किया गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो नेता हेमंत सोरेन को ईडी के विशेष जज दिनेश राय ने एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद उन्हें कोर्ट से ही होटवार जेल भेज दिया गया। हेमंत सोरेन की रिमांड पर फैसला शुक्रवार को होगा।

महाधिवक्ता बोले- प्रिडिकेट ऑफेंस नहीं, ईडी ने कहा- शेड्यूल ऑफेंस

पीएमएलए कोर्ट में हेमंत सोरेन का पक्ष रखते हुए झारखंड के महाधिवक्ता ने कहा कि यह प्रिडिकेट ऑफेंस नहीं है। वहीं, ईडी के वकील ने दलील दी कि आईपीसी की धारा 120बी के तहत कार्रवाई जारी है। इसलिए इन्हें कस्टडी में लेना अनिवार्य है। यह कार्रवाई शेड्यूल ऑफ ऑफेंस में आता है। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद ईडी की विशेष अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि रिमांड पर फैसला शुक्रवार को सुनाया जाएगा।

मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर हेमंत ने किया लोगों का अभिवादन

हेमंत सोरेन ने कोर्ट परिसर में हाथ हिलाकर मुस्कुराते हुए वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया। हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूमि घोटाला मामले में 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। इसके पहले झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से करीब आठ घंटे तक पूछताछ चली थी। ईडी के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।हेमंत सोरेन की पीएमएलए कोर्ट में पेशी से पहले कोर्ट परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। सिटी एसपी खुद कोर्ट परिसर में मौजूद थे। रांची के एसएसपी और उपायुक्त दोनों ने कोर्ट परिसर में जाकर वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उधर, हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने ईडी ऑफिस जाकर उनसे मुलाकात की। गिरफ्तारी से पहले हेमंत सोरेन ने कई काम किए। उन्होंने विधायकों के नाम चिट्ठी लिखी। 5 मिनट 17 सेकेंड का एक वीडियो संदेश रिकॉर्ड किया। चंपई सोरेन को गठबंधन के विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद हेमंत सोरेन राजभवन पहुंचे और राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफा सौंपने के बाद हेमंत सोरेन सीएम आवास पहुंचे। यहां से ईडी की टीम ने उन्हें अपने साथ ले गई।

जेल के अपर डिवीजन सेल के ब्लॉक बी का कमरा नंबर एक में बीती हेमंत की रात

झारखंड के पूर्व सीएम व झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की रात होटवार जेल के अपर डिवीजन सेल के ब्लॉक बी में कमरा नंबर 1 में बीती। जेल की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। आपको बता दें कि 31 जनवरी को सात घंटे से भी ज्यादा चली पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद इन्हें ईडी ऑफिस में रखा गया था। मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए किसी राजनीतिज्ञ के मनी लाउंड्रिंग के आरोप में गिरफ्तारी की देश की यह पहली घटना है। मुख्यमंत्री ने अपनी गिरफ्तारी से पहले ईडी के अधिकारियों पर रांची स्थित एससी/एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी भी दर्ज करायी थी। ईडी ने 29 जनवरी को हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास पर हुई छापेमारी के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर हुई पूछताछ में हेमंत सोरेन द्वारा संतोषप्रद जवाब नहीं दिये जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

चंपई सोरेन को सरकार बनाने का मिला न्योता, आज लेंगे शपथ

चंपई सोरेन को सरकार बनाने का न्योता देते राज्यपाल।

- खराब मौसम के कारण एमएलए नहीं जा सके हैदराबाद
- रांची एयरपोर्ट पर विधायक बोले-बनेगी हमारी सरकार

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार देर रात चंपई सोरेन को मनोनीत मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करते हुए शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। चंपई सोरेन शुक्रवार को शपथ लेंगे। जानकारी के अनुसार, राज्यपाल ने उन्हें 10 दिन के अंदर बहुमत साबित करने को कहा है। इधर, सत्तापक्ष के विधायक गुरुवार को झारखंड की राजधानी रांची से तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद रवाना होने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे। रांची एयरपोर्ट पर चार्टर प्लेन में 38 विधायक हैदराबाद जाने के लिए काफी देर बैठे रहे, लेकिन मौसम खराब होने के कारण उड़ान रद्द हो गयी। वे हैदराबाद नहीं जा सके और वापस सर्किट हाउस लौट आए।

अंतरिम बजट-2024

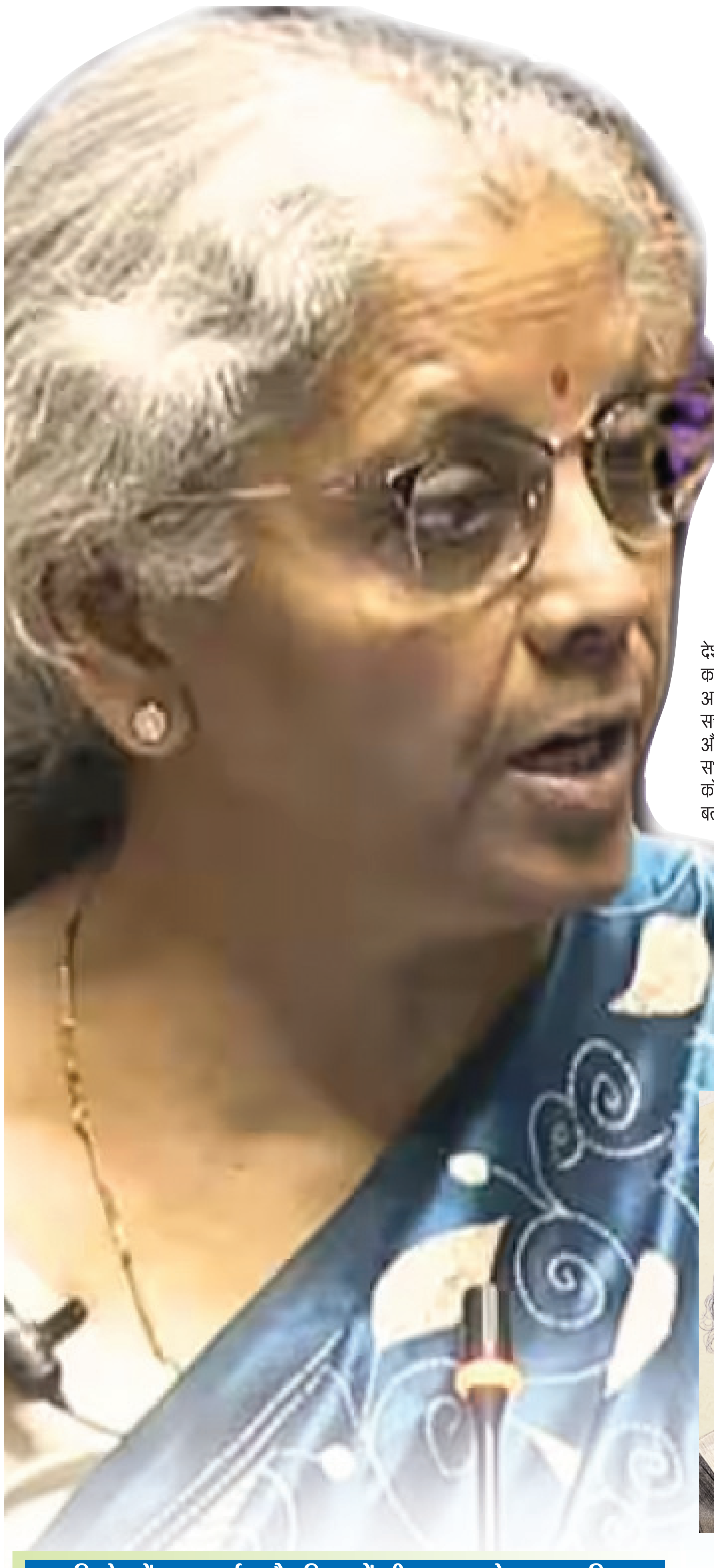

तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था, 2047 तक विकसित देश का रूप ले लेगा भारत: सीतारमण

- देश में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए
- पीएम मुद्रा योजना में 22.5 लाख करोड़ लोन
- अंतरिम बजट में टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं किया गया

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश कर दिया है। इस बार उन्होंने अपने कार्यकाल का छठा बजट पेश किया है। बजट भाषण में उन्होंने कहा हाल के दिनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जब 2014 में देश की सत्ता संभाली थी, तब सरकार के सामने कई बडी चुनौतियां थीं। जनता के हित में कई कार्यक्रम और योजनाए बनाई गईं ताकि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और लोगों को रोजगार मिल सके। सभी श्रेणियों और जनता के लिए सभी का विकास की बात की गई है। 2047 तक हम भारत को विकसित देश बनाएंगे।

बता दें कि इससे पहले अंतरिम बजट साल 2019 में पेश किया गया था। तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली की तबीयत खराब होने की वजह से तब पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था। इस बार का अंतरिम बजट कई मायनों में काफी अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बजट से बुनियादी सेक्टर को ताकत मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश में 7 आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 15 एम्स और 7 आईआईएम खोले गए हैं। पीएम मुद्रा योजना में 22.5 लाख करोड़ के लोन दिए हैं। 54 लाख लोगों री-स्किल किया गया है। 10 साल में महिला सशक्तिकरण में बड़ा रिफॉर्म हुआ है।

पीएम आवास में 70प्र. घर महिलाओं को दिए गए हैं। देश की अर्थव्यवस्था संतोषजनक गति से आगे बढ़ रही है। ॉनिवेश तेजी से बढ़ रहा है। महंगाई नियंत्रित है और अर्थव्यवस्था में सुधार देखने को मिला है। तय समय पर सभी प्रोजेक्ट पूरे किए जा रहे हैं। औसतन हाउसहोल्ड आय में 50 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकार ने 'सिटीजन फर्स्ट' पर काम किया है। इस दौरान टैक्स का दायरा बढ़ाया गया है। डिजिटल, सोशल इंफ्रा रिकॉर्ड समय पर तैयार हुआ है। गिफ्ट आईएफएससी के जरिए ग्लोबल कैपिटल इनफ्लो में सुधार हुआ है। टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। पीएम स्वनिधि से 78 लाख वेंडर्स को सहायता मिली है। जनधन के जरिए 34 लाख करोड़ रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ' के लक्ष्य से 95 करोड़ लोगों को फायदा होगा। सरकार करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है। हाउसिंग, पावर और पानी हर घर पहुंचाने की कोशिश की गई है।

हमारा लक्ष्य 2027 तक देश को विकसित बनाना है। सरकार ने एमएसपी बढ़ाकर किसानों की आय बढ़ाने की कोशिश की है। सरकार का फोकस लगातार गरीब, महिला और युवा सशक्तिकरण पर रहा है। गरीब कल्याण से देश का कल्याण होगा। इसलिए इस सरकार का फोकस गरीब वर्ग पर रहा है। पीएम स्वनिधि योजना से 78 लाख वेंडर्स को मदद मिली है। 34 लाख करोड़ जनधन के जरिए सीधे बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर किए गए हैं। 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

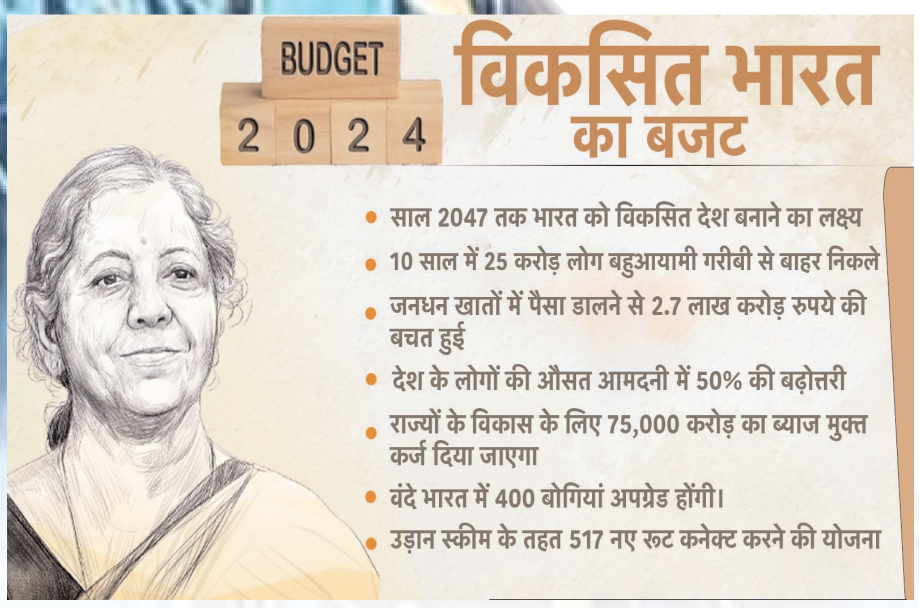

मोदी सरकार के अंतरिम बजट की 10 बड़ी बातें

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार 2.0 का आखिरी बजट पेश किया। चूंकि यह बजट अल्प समय के लिए ही है और पूर्ण बजट जुलाई 2024 में नई सरकार बनने के बाद पेश किया जाएगा। ऐसे में इसमें कोई भी बड़ी घोषणा नहीं की गई है। बजट में किसान, महिलाएं, गांव-गरीब और युवाओं की बात की गई है। आइए जानते हैं केन्द्रीय बजट की 10 बड़ी बातें....

विकसित भारत : निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारी सरकार सर्वांगीण, सर्वसमावेशी और सर्वव्यापी विकास की दिशा में काम कर रही है। 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य में किसानों, गरीबों तथा अन्य सभी वर्गों को शामिल कर उनका विकास सुनश्चित करने के लिए काम कर रही है। जुलाई के बजट में विकसित भारत का रोड मैप प्रस्तुत किया जाएगा।

टैक्स में बदलाव नहीं : हालांकि सरकार ने टैक्स पेयर्स को निराश किया। इस बार टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरानी व्यवस्था को यथावत रखा गया है। नए टैक्स रेजीम में 7 लाख रुपए तक की आमदनी पर कोई भी टैक्स नहीं है। वित्तमंत्री ने कहा- पिछले 10 साल में पर्सनल इनकम टैक्स फाइल करने के वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सीतारमण ने कहा कि टैक्स एसेसमेंट की समय सीमा 93 दिन से घटाकर अब 10 दिन कर दी गई है इससे लोगों को जल्दी रिफंड मिलने लगा है।

स्वास्थ्य : प्रधानमंत्री स्वास?थ्य सुरक्षा योजना के लिए सरकार ने 2400 करोड़ रुपए की घोषणा की है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण को बढ़ावा देने की बात कही है। यह भी कहा गया है कि 9 से 14 साल की लड़कियों के टीकाकरण पर खास ध्यान दिया जाएगा। सरकार ने नए मेडिकल कॉलेज खोलने की बात भी कही है।

महिलाओं पर खास जोर : अंतरिम बजट में महिलाओं खासकर गरीब महिलाओं के लिए ज्यादा घोषणाएं की गई हैं। सीतारमण ने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ही आंगनवाड़ी सहायकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने की बात कही है। लखपति दीदी का लक्ष्य बजट 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ कर दिया गया है। यह भी कहा गया है कि 1 करोड़ लखपति दीदी बनाई जा चुकी हैं।

जनसंख्या नियंत्रण : देश में बढ़ती जनसंख्य का मुद्दा समय-समय पर उठता रहा है। इस बजट के माध्यम से सरकार जनसंख्या पर फोकस करने जा रही है। घोषणा के मुताबिक जनसंख्या को लेकर एक कमेटी का गठन किया जाएगा। विकसित भारत के हिसाब से कमेटी काम करेगी। हो सकता है कि आने वाले समय में सरकार जनसंख?या को लेकर अपनी नीति की घोषणा कर सकती है।

पर्यटन पर जोर : मालदीव के साथ जारी विवाद के बीच सरकार ने एक बार फिर बजट में लक्षद्वीप की चर्चा की है। वित्तमंत्री ने कहा- लक्षद्वीप के विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए वहां बुनियादी ढांचा बढ़ाया जाएगा। अन्य राज्यों में भी पर्यटन केन्द्रों का व्यापक विकास किया जाएगा। पर्यटन सुविधाओं के निर्माण के लिए राज्यों को विशेष सहायता दी जाएगी।

गांव-गरीबों की बात : वित्त मंत्री ने कहा गांव-गरीबों की बात करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करवाया गया। यह भी दावा किया गया कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आय बढ़ाने के लिए काम किया गया। इससे लोगों को फायदा हुआ। वित्त मंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय हमारी सरकार का मॉडल है। अगले 5 साल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 करोड़ घर और बनाने की घोषणा की गई है।

युवाओं को सशक्त बनाने पर जोर : सरकार युवाओं यानी अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। सीतारमण ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 देश में क्रांतिकारी सुधारों की नींव रख रही है। पीएम स्कूल और पीएम श्री योजनाएं छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं। कौशल भारत अभियान के तहत एक करोड़ 40 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है, 54 लाख युवाओं के कौशल को और अधिक निखारा गया है। सरकार ने 3 हजार आईटीआई खोले हैं। उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 7 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, 16 भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, 7 भारतीय प्रबंधन संस्थान, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है।

रेल और हवाई यातायात : वित्तमंत्री ने रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 40 हजार सामान्य बोगियों को वंदे भारत कोचों में बदला जाएगा। इससे यात्रा सुविधाजनक होगी। 3 प्रमुख रेलवे कॉरिडोर बनाए जाने की बात भी कही गई। हवाई यातायात पर चर्चा करते हुए वित्तमंत्री ने कहा- 10 साल में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हुई। आज पूरे देश में 149 एयरपोर्ट काम कर रहे हैं। देश में 1000 से अधिक नए एयरक्रॉफ्ट का ऑर्डर दिया गया।

किसानों को राहत : सरकार गरीबों के साथ ही किसानों पर भी ध्यान दे रही है। यूरिया सब्सिडी के लिए 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने कहा- नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाया गया है। किसानों का उत्पादन बढ़े और उनकी आय बढ़े इस दिशा में खास प्रयास किए गए। किसान संपदा योजना के माध्यम से किसानों को फायदा पहुंचाया गया। मछली पालन के लिए अलग विभाग बनाया गया है। पीएम मत्स्य संपदा योजना को बढ़ावा दिय गया है।

कृषि क्षेत्र में मूल्य-वर्द्धन और किसानों की आय बढ़ाने का वादा किया

- पीएम किसान सम्मान योजना के अंतर्गत 11.8 करोड़ किसानों को सीधी वित्तीय सहायता
- पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा
- सभी कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी का प्रयोग

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा कि किसानों का कल्याण और ग्रामीण मांग को बढ़ाना अंतरिम बजट की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। किसानों को अपने 'अन्नदाता' बताते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा कि अन्नदाता के उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में उचित रूप से समय-समय पर वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान योजना के अंतर्गत हर वर्ष सीमांत और छोटे किसानों सहित 11.8 करोड़ किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि अनेक दूसरे कार्यक्रमों के अलावा इन उपायों से 'अन्नदाता' को देश और पूरी दुनिया के लिए अन्न पैदा करने में सहायता दी जा रही है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि 80 करोड़ लोगों के लिए निःशुल्क राशन के माध्यम से भोजन से जुड़ी चिंताओं को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट 2024-25 में कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्द्धन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाने का वादा किया गया है। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तीव्र वृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए समावेशी, आधुनिक भंडारण, पर्याप्त आपूर्ति श्रृंखला, प्राथमिक और द्वितीयक प्रसंस्करण एवं विपणन और ब्रांडिंग सहित फसल कटाई के पश्चात की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश को भविष्य में बढावा देने का वादा किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि-क्षेत्र समावेशी, संतुलित, उच्चतर संवृद्धि और उत्पादकता की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को कृषक-केंद्रित नीतियां लाकर, किसानों को उनके आय अर्जन में सहायता देकर, कीमत और बीमा के माध्यम से जोखिम कवरेज देकर, स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचारों को बढ़ावा देकर सुगम किया गया है। वित्तमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना से 2.4 लाख स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) और साठ हजार व्यक्तियों को ऋण सुविधा प्राप्त करने में सहायता मिली है। वित्तमंत्री ने कहा कि फसल कटाई के बाद होने वाली हानि को कम करने और उत्पादकता एवं आमदनी बढ़ाने के प्रयासों में अन्य योजनाओं से मदद मिल रही है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना से 38 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं और रोजगार के 10 लाख अवसरों का सृजन हुआ है।

वित्तमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट ने 1361 मंडियों को एकीकृत कर दिया है और इसमें 3 लाख करोड़ रुपये मूल्य का कारोबार हो रहा है एवं 1.8 करोड़ किसानों को सेवाएं मिल रही हैं। वित्तमंत्री ने कहा कि मूलभूत आवश्यकताओं के इन प्रावधानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक आय में वृद्धि की है। किसानों की आर्थिक आवश्यकताओं का समाधान निकाला है और इस प्रकार से यह उपाय कृषि क्षेत्र में निरंतर वृद्धि करते हुए रोजगारों का सृजन कर रहे हैं।

- आत्मनिर्भर तिलहन अभियान

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा कि सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे तिलहनों के संबंध में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने के लिए कार्यनीति तैयार की जाएगी। वित्तमंत्री ने कहा कि इसमें अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों को व्यापक पैमाने पर अपनाने, बाजार संपर्कों, खरीद, मूल्य-वर्धन और फसल बीमा को शामिल किया जाएगा।

- नैनो डीएपी

केंद्रीय वित्तमंत्री ने अपने संभाषण में कहा कि नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाए जाने के बाद सभी कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी को अपनाया जाएगा।

इन्कम टैक्स में कोई बदलाव नहीं

- पिछले एक दशक में प्रत?यक्ष कर संग्रह तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है और
- रिटर्न दाखिल करने वालों की संख?या बढ़कर 2.4 गुना हो गई है- केन्?द्रीय वित्त मंत्री
- रिटर्न की प्रोसेसिंग में लगने वाला औसत समय वर्ष 2013-14 के 93 दिनों से काफी घटकर अब केवल 10 दिन रह गया है

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा, 'पिछले एक दशक में प्रत्यक्ष कर संग्रह तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है और रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या बढ़कर 2.4 गुना हो गई है।' वित्त मंत्री ने करदाताओं को आश्वस्त किया कि उनके कर योगदान का व्यापक उपयोग देश के विकास और देशवासियों के कल्याण के लिए किया गया है। उन्होंने करदाताओं के व्यापक सहयोग के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

श्रीमती सीतारमण ने यह भी कहा कि नई कर व्यवस्था के तहत कर दरों को घटा दिया गया है और इसके साथ ही उन्हें तर्कसम्मत बना दिया गया है। 7 लाख रुपये तक की आय वाले करदाताओं पर अब कोई कर देनेदारी नहीं है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में महज 2.2 लाख रुपये ही थी। खुदरा व्यवसाय के लिए अनुमानित कराधान की आरंभिक सीमा को 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये कर दिया गया। इसी तरह अनुमानित कराधान के योग्य माने जाने वाले प्रोफेशनलों के लिए संबंधित आरंभिक सीमा को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया। इसके साथ ही मौजूदा घरेलू कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया गया और कुछ विशेष नई विनिर्माण कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले पांच वर्षों में सरकार का फोकस करदाताओं को दी जाने वाली सेवाओं को बेहतर करने पर रहा है। उन्होंने कहा, 'फेसलेस आकलन और अपील की शुरुआत करने के साथ ही अत?यंत पुरानी क्षेत्राधिकार आधारित आकलन प्रणाली अब पूरी तरह से बदल गई है जिससे इसमें दक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही काफी हद तक बढ़ गई है।'

श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि अद्यतन आयकर रिटर्न, एक नए फॉर्म 26एएस और पहले से ही भरे टैक्स रिटर्न की शुरुआत करने से टैक्स रिटर्न भरना अब और भी ज्यादा सरल एवं आसान हो गया है जिसके परिणामस्वरूप रिटर्न की प्रोसेसिंग में लगने वाला औसत समय वर्ष 2013-14 के 93 दिनों से काफी घटकर इस वर्ष महज 10 दिन रह गया है जिससे रिफंड अब और भी तेजी से करना संभव हो गया है।

सीपी राधाकृष्णन से मिलने के लिए चंपई के साथ चार विधायक पहुंचे राजभवन

चंपई सोरेन ने सरकार बनाने का ठोंका दावा, देर रात राज्यपाल ने दिया न्योता

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलने के लिए चंपई सोरेन के साथ चार अन्य विधायक राजभवन पहुंचे। पीछे के गेट से दो कार से पांच लोग राजभवन के अंदर घुसे। चंपई सोरेन के नेतृत्व में आलमगीर आलम, सत्यानंद भोक्ता, विनोद सिंह और प्रदीप यादव राजभवन गये हैं। सभी विधायक राज्यपाल से सरकार बनाने का दावा पेश किया और समय मांगा। पहले राज्यपाल ने विचार कर जल्द समय देने का आश्वासन दिया था। रात करीब 8.30 बजे राज्यपाल ने सरकार बनाने का न्योता दिया। चंपई सोरेन ने राज्यपाल से मुलाकात कर निकलने के बाद कहा कि राज्यपाल ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जल्द ही उन्हें बुलाया जाएगा। हालांकि अभी राजभवन की ओर से समय नहीं दिया गया है। बता दें कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने चंपई सोरेन को मिलने के लिए आज गुरुवार शाम 5:30 बजे का समय दिया था। इससे पहले इंडिया गठबंधन के निर्वाचित नेता चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखा था। उन्होंने अपने पत्र में कहा था कि 31 जनवरी 2024 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा आपको त्यागपत्र सौंपा गया था। रात 8.45 बजे आपके द्वारा इसे स्वीकार करने के बाद मेरे नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आपसे मिला। प्रतिनिधिमंडल में मैं तथा मेरे साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, राजद विधायक सत्यानन्द भोक्ता, सीपीआई के विधायक विनोद कुमार सिंह तथा झामुमो के विधायक प्रदीप यादव शामिल थे।

बस से रांची एयरपोर्ट पहुंचे सत्ता पक्ष के विधायक।

हाईकोर्ट में हेमंत की रिट याचिका पर हुई सुनवाई, गिरफ्तारी को दी गई है चुनौती

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ईडी के खिलाफ क्रिमिनल रिट याचिका की गुरुवार को सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन की ओर से ईडी की पूछताछ एवं गिरफ्तारी को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। हेमंत सोरेन की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार ने हस्तक्षेप याचिका (आईए) दायर करने एवं इस मामले को दोपहर 12 बजे रखने का आग्रह किया, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि मामले की अर्जेंसी प्रतीत नहीं होती है। इसलिए मामले की सुनवाई शुक्रवार को होगी। ईडी की ओर से एएसजीआई एसवी राजू ने अपना पक्ष रखा। दोनों

पक्षों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष अपनी अपनी दलीलें पेश की।

इस संबंध में हाई कोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दाखिल की गई। बीते बुधवार को इस मामले को हाई कोर्ट में मेंशन कर सुनवाई का आग्रह किया गया था। इसके बाद हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार सुबह 10:30 बजे सुनवाई की तिथि निर्धारित की थी।

उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में मुख्यमंत्री ने ईडी द्वारा उनको सेक्शन 50 के तहत दिये गये समन को चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि ईडी अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर बार-बार उन्हें समन कर रही है। दायर याचिका में ईडी की कार्यवाही को गलत बताया गया।

हेमंत सोरेन का कहना कि ईडी के अधिकारी उन पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। इस आधार पर उन्हें गिरफ्तार करना चाहते हैं। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया है कि जांच एजेंसी के अधिकारी जांच में सहयोग नहीं करने के आधार पर किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं।

हेमंत ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में कहा-

चुनावों के मद्देनजर हुई गिरफ्तारी, जिस भूमि का जिक्र, उससे कोई सरोकार नहीं

SPECIAL REPORTER RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई अपनी याचिका में कहा है कि राजनीति ने प्रेरित होकर उन्हें लैंड स्कैम से जुड़े केस में आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। ईडी ने गिरफ्तारी के लिये यह आधार बनाया है कि बड़गाईं अंचल के कर्मचारी के मोबाइल से एक भूखंड से संबंधित बातचीत और दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिन्हें एजेंसी मुझसे जोड़ कर देख रही है, जबकि मेरा उस भूखंड से कोई लेना-देना नहीं है। पूर्व में भी ईडी ने मुझे समन दिया था, लेकिन वह समन माइनिंग घोटाला का था। उस मामले में समन के बाद मैं ईडी की पूछताछ में शामिल भी हुआ। इसके साथ ही याचिका में कहा गया है कि गिरफ्तारी और उसके परिणामस्वरूप हिरासत को अनुचित, मनमाना, अवैध और

भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत और संरक्षित याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन घोषित करते हुए अदालत प्रतिवादी को याचिकाकर्ता को तुरंत मुक्त करने का निर्देश दें। बहरहाल अब मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष है और शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई होनी है। अदालत में सुनवाई के दौरान क्या होता है यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का शुक्रवार को जो भी आदेश होगा उसका सीधा और बड़ा असर झारखंड की राजनीति पर पड़ेगा।

सरकार गठन करने के चंपई सोरेन के दावे पर अविलंब निर्णय लें राज्यपाल : वाम दल

RANCHI : वामदलों-सीपीआई, सीपीआई (एम), भाकपा (माले) और मासस की संयुक्त बैठक गुरुवार को माले राज्य कार्यालय में हुई। जिसमें हेमंत सोरेन का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद महागठबंधन के नये नेता चंपई सोरेन द्वारा सरकार गठन के लिए राज्यपाल के समक्ष बहुमत के समर्थन पत्र पेश करने के बाद भी राज्यपाल द्वारा समय देने में देरी पर क्षोभ व्यक्त की गई। वाम दलों का मानना है कि उपरोक्त सरकार के गठन पर राज्यपाल वस्तुतः भाजपा की राजनीति से प्रेरित होकर काम कर रहे हैं। इस कारण निर्णय लेने में जानबूझ कर विलंब कर रहे हैं। वाम दलों ने यह भी रेखांकित किया कि बिहार में ऐसा ही राजनीतिक परिस्थिति उत्पन्न होने पर राज्यपाल ने बहुमत के नेता द्वारा सरकार के गठन के लिए पेश किए गए दावे पर त्वरित सकारात्मक फैसला लिया था। इसलिए राज्य के वाम दल राज्यपाल से उपरोक्त दावे पर यथाशीघ्र निर्णय लेने और राज्य में तुरंत सरकार गठन कर जनता के जनादेश का सम्मान करने की मांग करता है।

बिहार के बाद झारखंड षड्यंत्र का हुआ शिकार शिबू सोरेन का बेटा हूं, संघर्ष जारी रहेगा : हेमंत

गिरफ्तारी बाद हेमंत का मार्मिक वीडियो, बड़गाई जमीन मामले में निर्दोष बताया

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सोरेन को ईडी ने बुधवार को आठ घंटे की पूछताछ के बाद देर रात गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद गुरूवार सुबह पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जारी वीडियो देखकर और सुनकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उन्होंने ईडी की गिरफ्तार के बाद वीडियो रिकार्ड की है। वह अपने इस वीडियो में झारखंड की जनता को एक संदेश देते नजर आ रहे हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि आज एक लोकप्रिय सरकार अपने ताकत के बल पर जीतकर सरकार बनाकर राज्य की सेवा कर रहा था। अब लगता है कि यह वक्त मेरे लिए खत्म हो रहा है। अब अपनी ही लड़ाई हमें लड़नी होंगी। ऐसे सामंतियों के साथ और ऐसे तंत्रों के साथ जो निर्दोष, गरीब, निरीह, आदिवासी, दलित, पिछड़ों पर अत्याचार करते हैं, उनको मजबूत भी करेंगे और संघर्ष भी करेंगे। आज मुझे संभवत ये लोग अपने कब्जे में ले लेंगे, मुझे इसकी चिंता नहीं है। शिबू सोरेन का मैं बेटा हूं। संघर्ष हमारे खून में है और संघर्ष करेंगे, लड़ेंगे, जीतेंगे। जिस मंसूबे के साथ आज मुझे गिरफ्तार करने का निर्णय लिया है। आपको बता दूं मैं बड़े आश्चर्य की बात है। जिस जमीन को लेकर मुझ पर आरोप लगाया है और गिरफ्तार करने जा रहे हैं। जहां पर मेरा कहीं भी दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। जो लोग जाली कागज बनाकर और जिनके फर्जी शिकायत के आधार पर मुझे गिरफ्तार करने का षड़यंत्र रच रहे हैं। मुझे विश्वास है कि सत्य की जीत होगी।

गुरुवार को कोर्ट में पेशी के दौरान सीएम हेमंत सोरेन।

हेमंत सोरेन आप सभी के दिल में है...

हेमंत सोरेन ने कहा कि मेरे पास समय बहुत कम है। कम समय में मैं यह वीडियो बना रहा हूं। आज एक राजनीतिक षड़यंत्र का शिकार बिहार को बनाया है, आज फिर से झारखंड को इसका शिकार बना रहे हैं। लेकिन आप निश्चित रहें, हेमंत सोरेन आप सभी के दिल में है, हरेक बुर्जगों के दिल में रहेगा। बड़े-बुजुर्गों के लिए काम किया। महिला सशक्तिकरण के लिए काम किया। रोजगार सृजन के लिए काम किया। वह एक लंबा इतिहास लिखेगा। यह लंबी लकीर ये लोग खींचने नहीं देंगे, मगर आप आश्वास्त रहें, सत्य की कभी हार नहीं होती है, फिर जब मैं आऊंगा तो पूरी मजबूती के साथ आएंगे ताकि फिर कभी ऐसे षड़यंत्र का शिकार करने वाले इस तरह करने से पहले कई बार सोचें।

हम मजबूती से हेमंत के साथ हैं : लालू

PHOTON NEWS RANCHI : राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि केंद्र की भाजपा सरकार हेमंत सोरेन को प्रताड़ित कर रही है। ट्विटर (एक्स) पर लालू ने लिखा कि हेमंत सोरेन को केंद्र की तानाशाह सरकार प्रताड़ित कर रही है। भाजपा के यह घिनौने हथकंडे अल्प समय के लिए परेशान तो कर सकते हैं। पर पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और हाशियों पर रहने वाले समूहों के संकल्प और महत्वाकांक्षाओं को पराजित नहीं

कर सकते। भाजपा का डर जग-जाहिर है और जनता भी यह बात अब समझ चुकी है। हम मजबूती से हेमंत के साथ हैं।

अहंकार से चूर भाजपा की हेकड़ी अब जनता तोड़ेगी झ्र तेजस्वी : लालू यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने लिखा कि बिहार, चंडीगढ़ और अब झारखंड! भाजपा ने एक ही हफ्ते में लोकतंत्र और संघवाद को तार-तार कर दिया है। चुनावी हार के डर से जांच एजेंसियों की निष्पक्षता खत्म कर, एजेंसियों को बीजेपी का प्रकोष्ठ बनाकर, केंद्र सरकार क्या-क्या कर रही है अब यह बात किसी से छुपी नहीं है। अहंकार से चूर भाजपा की हेकड़ी अब जनता तोड़ेगी। तेजस्वी ने कहा कि राजद हेमंत सोरेन जी के साथ खड़ी है। इसकी के साथ उन्होंने #झारखंड #बिहार पोस्ट किया।

मस्जिद-ए-आइशा का पुननिर्माण व इस्लाहे मुआशरा को लेकर हुसिर में जलसा आज

KANKE : हुसिर स्थित मस्जिद-ए-आइशा का पुनर्निर्माण और इस्लाहे मुआशरा को लेकर 2 फरवरी को जलसा होने जा रहा है। जलसा की कामयाबी को लेकर आयोजन समिति के नसीम अंसारी, शकील अंसारी व नेसार अहमद ने बताया कि सभी तैयारियां अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि जलसे की सरपरस्ती डॉ. अलीमुल्लाह व हाजी इलियास करेंगे। वहीं, जलसा की सदारत इमारते शरीया रांची के मुफ्ती अनवर कासमी होंगे। तिलावते कुरान कारी जफर व मुफ्ती वशीम द्वारा पढ़ी जाएगी। जलसा में खुसुसी मेहमान मौलाना अब्दुल्लाह सालीम चतुर्वेदी, मौलाना अकरम कासमी और मौलाना नैयर इकबाल हैं। इसके अलावा शायरे इस्लाम

असअद आजमी के द्वारा पढ़ी जाएगी व नेजामत सुफियान हैदर करेंगे। जलसा के सफल आयोजन को लकेर डॉ. अलीमुल्लाह, हाजी अब्दुल वाहीद, हसमत अंसारी, खालिद अंसारी, डॉ. मुमताज अंसारी, अब्दुल कयुम अंसारी, सुल्तान अंसारी, कारी सोहराब अंसारी, अप्पू, मोकीत सहित दर्जनों लोग दिन रात मेहनत कर रहे हैं।

मोदी सरकार का बजट, खोदा पहाड़, निकली चुहिया : विजय

RANCHI : संसद में गुरुवार को मोदी सरकार ने 2024-25 का बजट पेश किया।

इसपर संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रभारी झारखंड-छत्तीसगढ़ विजय शंकर नायक ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का बजट, खोदा पहाड़, निकली चुहिया वाली कहावत शाबित हुई। उन्होंने कहा कि जुमले बाजी के दम पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वाली भाजपा सरकार से किसी जनकल्याण की उम्मीद करना बेमानी है। इस अंतरिम बजट में न आम लोग, न किसान, न महिलाओं व न ही दलित आदिवासी पिछड़ा अल्पसंख्यक युवाओं के लिए कोई प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार सिर्फ अपने पूंजीपति मित्रों का ध्यान रखने वाला बजट लेकर आई है। इस अंतरिम बजट से विकास संबंधी कोई भी उम्मीद करना बेमानी है। कुल मिलाकर आम बजट गरीब विरोधी है। नायक ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री का कहना है कि देश में महंगाई नहीं है यह बयान महंगाई की मार से करोड़ों मध्यम वर्ग के लोगों के लिए आग में घी डालने के समान है जिसे आने वाले चुनाव में इसका खामियाजा भालपा को दिखेगा। बजट में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की बात करना भी बेमानी है क्योंकि यह अंतरिम बजट है, जिसके चलते कई घोषणाओं की उम्मीदें कम ही हैं। यह बजट प्रधानमंत्री का अंतिम काला दस्तावेज शाबित होगा जो देश के करोड़ मध्यम वर्ग समाज के भविष्य को अंधकार मे ले जाएगा।

सुशांत घोष ने पिठोरिया थाना में दर्ज कराई थी प्राथमिकी

बंगाल रजिस्ट्री कार्यालय से हुए फर्जी पॉवर ऑफ अटॉर्नी मामले में सीआईडी ने दो को किया गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : बंगाल रजिस्ट्री कार्यालय से हुए फर्जी पॉवर ऑफ अटॉर्नी मामले में सीआईडी ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों का नाम समीर और अभिषेक बताया जा रहा है। जिस भूखंड को लेकर कार्रवाई हुई है, वह रांची के पिठोरिया इलाके में स्थित है, उसका कुल रकबा (क्षेत्रफल) 7.21 एकड़ है। जमीन जमुआरी मौजा के खाता नंबर 10, 11, 33, 29 और प्लॉट नंबर 138, 139, 140, 142, 160, 161 और 162 है। जमीन पर खुद का मालिकाना हक बताने वाले सुशांत घोष ने इस सभी लोगों के खिलाफ पिठोरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। पिठोरिया थाना में दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआईडी ने जांच शुरू की है।

प्रशांत घोष की जगह फर्जी व्यक्ति का इस्तेमाल कर पावर ऑफ एटॉर्नी ली : प्राथमिकी में कहा गया है कि विमल सिंघानिया ने साजिश के तहत प्रशांत घोष की जगह किसी फर्जी व्यक्ति का इस्तेमाल कर उनकी जमीन की पावर ऑफ एटॉर्नी ले ली। उसके आधार पर प्रशांत घोष की जमीन की खरीद-बिक्री की गयी। रांची में स्थित जमीन की पावर ऑफ एटॉर्नी चौबीस परगना, पश्चिम बंगाल की रजिस्ट्री कार्यालय में 19 अप्रैल 2023 को हुई है। जिसका नंबर 160400155 है।

म्यूटेशन का आवेदन कर दिया गया खारिज

रजिस्ट्री 9 मई 2023 को हुई है। आश्चर्य की बात यह है कि बंगाल में हुए पावर ऑफ एटॉर्नी में पहचान रांची के व्यक्ति ने की है। जमीन की खरीद के बाद उस पर बाउंड्री भी खड़ी कर दी गयी है। म्यूटेशन के लिए आवेदन भी दिया गया था, लेकिन प्रशांत घोष के भाई सुशांत घोष की आपत्ति के बाद म्यूटेशन का आवेदन खारिज कर दिया गया है। बता दें कि पिठोरिया थाना में दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआईडी ने जांच शुरू की थी।

BRIEF NEWS

राउरकेला में तोता की तस्करी जारी, दो गिरफ्तार

ROURKELA : राउरकेला में तोता तस्करी का रैकेट सक्रिय है। गुरुवार को फिर लाठीकटा इलाके से 40 तोता के चूजे को उद्धार गया और इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की तलाश में वन विभाग ने पहले राउरकेला नाला रोड से 82 तोते के चूजे को बचाया था। आरोपी तोते के चूजे को कोलकाता, भुवनेश्वर, कटक और छत्तीसगढ़ तस्करी का रहे थे। गौरतलब है कि वन विभाग ने जंगली तोते चूजे के तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी मुन्ना साहू (34) और मुहम्मद तमास हैं। दोनों का घर राउरकेला में है, वे एक बाइक पर 10 तोता को लेकर राउरकेला सेक्टर-2 बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने दोनों को पकड़ लिया। बाद में, वन कर्मचारियों ने उनके किराए के घर से 72 और तोते को बचाया गया। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

राउरकेला नगरपालिका कर्मचारी संघ ने एडीएम से की मुलाकात, पुष्प भेंट कर किया स्वागत

ROURKELA : राउरकेला नगरपालिका कर्मचारी संघ ने गुरुवार को नये एडीएम आशुतोष कुलकर्णी से मुलाकात की। सभी सदस्यों ने नए एडीएम का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा यूनियन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान आनंद चंद्र मोहंती, रसानंद नायक, प्रमोद पटनायक, साची एल दास और सुशांत मोहंती, आईए.खान-संगठन, धरानी बेहरा और अन्य सदस्य एडीएम से मिले।

राज्यस्तरीय हॉकी टूर्नामेंट शुरू

ROURKELA : राउरकेला में शुक्रवार को इंटरनेशनल हॉकी प्रो लीग शुरू होगी। इससे पहले राउरकेला में राज्य स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया है।बालक एवं बालिका वर्ग में प्रदेश के 30 जिलों की 59 टीमों ने भाग लिया है। टूर्नामेंट अगले 7 तारीख तक चलेगा।

लायंस आई हॉस्पिटल ने मोतियाबिंद शिविर किया आयोजित

ROURKELA : लायंस आई हॉस्पिटल, राउरकेला में शिविर लगाकर विभिन्न गांवों से लाए गए 193 से अधिक मरीजों को गुरुवार को मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी के बाद उनके गांवों में छोड़ दिया गया। लायंस आई हॉस्पिटल के अध्यक्ष सुरेश केजरीवाल ने बताया कि लायंस आई हॉस्पिटल में सुंदरगढ़, संबलपुर, झारसुगुड़ा जिले से लोग इलाज के लिए आते हैं, इसके अलावा झारखंड के मनोहरपुर और सिमडेगा से भी बड़ी संख्या में मरीज मोतियाबिंद सर्जरी के लिए आते हैं। राउरकेला वेदव्यास के अध्यक्ष शारदा, सचिन उषा संघवी, कोषाध्यक्ष शशि अग्रवाल के अलावा दानदाता सीए राजेश गर्ग, काशी कुमार अग्रवाल और पत्नी लीना अग्रवाल और कार्यकारी सदस्य राजेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल और मनोज अग्रवाल उपस्थित थे। लायंस आई हॉस्पिटल में आंखों के इलाज के अलावा, दांत और नाक, कान और गले का भी इलाज लायंस आई हॉस्पिटल में अनुभवी डॉक्टरों द्वारा किया जाता है। राज्य के नागरिकों से इस उपचार का लाभ उठाने का अनुरोध किया गया है और कहा गया है कि इससे उन्हें लाभन्नित हो सकते है।

झुग्गियों में रहने वाले नागरिकों को दी जा रही योजनाओं की जानकारी

ROURKELA : राज्य सरकार सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके झुग्गी बस्तियों को बदलने के लिए विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाएं लागू कर रही है। इसी कड़ी में विभिन्न योजनाओं के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए राउरकेला की विभिन्न बस्तियों में आमो ओडिशा नवीन ओडिशा, शहरी' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों की जन्मजात प्रतिभा को सामने लाने के लिए रंगोली, नृत्य और संगीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है और कलाकारों को पुरस्कृत किया जाता है।

चैबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों ने देखा बजट जताया संतोष

ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने गुरुवार को चैंबर भवन में केंद्रीय अंतरिम बजट सत्र सामूहिक रूप से देखा। अध्यक्ष सुनील कयाल, उपाध्यक्ष गुरमीत सिंह और नरेश आर्य, सचिव वित्त संतोष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष बिनोद शर्मा, सचिव आईटी और संबद्ध सेवाएँ प्रमोद नतुल्य, पूर्व उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल और आलोक एम. लोसलका, पूर्व सचिव राजेश गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य गुरिंदर सिंह और अभय अग्रवाल, कानूनी सलाहकार ऐश्वर्या अग्रवाल और रोहित गुप्ता इस अवसर पर उपस्थित थे। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष बिनोद शर्मा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई पर्यटन नीति से हमारी राज्य सरकार को मदद मिलेगी। अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ओडिशा में कई स्थानों को विकसित करने में टैक्स स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ और बजट चुनावी बजट जैसा लग रहा था। वीपी गुरमीत सिंह ने कहा कि कुल मिलाकर बजट अच्छा है, वहीं वीपी नरेश आर्य ने कहा कि इस बजट में पिछले 5 साल की सरकार के बारे में बात की गई है। सरकार नए जमाने की टेक्नोलॉजी पर फोकस कर रही है और कोशिश भी कर रही है कि कोई कसर बाकी न रहे। साथ ही मातृ एवं शिशु विकास योजना के पीछे भी सराहनीय योगदान रहा। बजट पर विचार-विमर्श और विस्तृत चर्चा के बाद सदन में उपस्थित पदाधिकारियों, पूर्व अध्यक्षों, कानूनी सलाहकारों,कार्यकारिणी सदस्यों सहित सभी सदस्यों की एक ही बात कहना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2024-25 वर्ष के लिए प्रस्तुत बजट संतोषजनक रहीं।

इंटरमीडिएट परीक्षा में गेट बाउंड्री वॉल कूदकर पहुंचे स्टूडेंट्स

लेट पहुंचने पर एंट्री नहीं मिली; कई शहरों में पुलिस ने लाठी से पीट-पीटकर खदेड़ा

एजेंसी

पटना । बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा जारी है। पटना समेत कई शहरों में सेंटर्स पर स्टूडेंट्स देरी से पहुंचे। कोई गेट खोलने की रिक्वेस्ट करता रहा। कोई बाउंड्री वॉल कूदकर अंदर पहुंचा। कई शहरों में हंगामा कर रहे छात्रों को पुलिस ने लाठी से पीट-पीटकर सेंटर से हटाया।पटना, गया और मुजफ्फरपुर में स्टूडेंट्स गेट बंद होने के कारण बाउंड्री वॉल कूदकर सेंटर के अंदर पहुंचे। मधुबनी में 3 मिनट लेट होने पर 2 छात्राओं को सेंटर के अंदर नहीं जाने दिया गया। दोनों बाहर बैठकर रोने लगीं। मधेपुरा में देरी से पहुंचने के कारण करीब 100 छात्रों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद परीक्षार्थियों ने कॉलेज के पास प्रदर्शन करना शुरू दिया। जहानाबाद से भी ऐसी ही तस्वीरें

सामने आई हैं।:पटना के बांकीपुर गर्ल्स स्कूल में लेट होने के बाद एंट्री नहीं मिलने पर छात्राएं बाउंड्री वॉल कूदकर अंदर पहुंचीं। अंदर जाते ही सभी को पुलिस ने रोक लिया। पुलिस ने सभी को वापस लौटा दिया। अब वो अगले साल परीक्षा दे पाएंगी। मधुबनी में एंट्री नहीं मिली तो रोने लगीं छात्राए महिला कॉलेज में 3 मिनट लेट पहुंचने पर दो छात्राओं को डयूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने बाहर निकाल दिया। इसके बाद दोनों छात्राएं रोने लगीं। छात्राएं गेट पीटकर अदंर लिए जाने की मांग करती रहीं, लेकिन किसी ने भी गेट नहीं खोला।। दोनों छात्राओं की पहचान रागनी कुमारी, अंजली

कुमारी के रूप में हुई है।मधेपुरा में परीक्षा के पहले ही दिन टीपी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर देरी से पहुंचने के कारण करीब 100 छात्रों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद परीक्षार्थियों ने कॉलेज के पास प्रदर्शन करना शुरू दिया। मौके पर पहुंचे एसडीपीओ और पुलिस जवान छात्रों को समझाने में लगे हुए हैं। छात्रों का कहना है कि कई छात्र लगभग 80 किलोमीटर दूर से आए हैं। जाम के कारण मात्र 2 मिनट लेट होने के कारण उन लोगों प्रवेश नहीं दिया गया है।जहानाबाद के गौतम बुद्ध उच्च विद्यालय में प्रवेश नहीं मिलने के कारण एक छात्रा बेहोश हो गई हैं। छात्राओं ने परीक्षा केंद्र का फाटक तोड़ा दिया है। कुछ छात्र दीवार पर चढ़कर परीक्षा केंद्र के अंदर पहुंच गए। लेट से पहुंचे छात्राओं एवं अभिभावक ने परीक्षा केंद्र पर हंगामा किया है।: मुजफ्फरपुर में इंटर परीक्षा में शामिल होने देरी से पहुंची आठ छात्रा चैपमैन गर्ल्स स्कूल की गेट को करीब 10 मिनट तक पिटती रही। लेकिन इसके बाद भी जब केंद्र का मुख्य गेट नही खुला तो अभिभावकों के सहयोग से कई छात्राओं ने केंद्र की चारदीवारी को फांदकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश किया। लेकिन ऐसे केंद्र में जबरन प्रवेश करने वाले सभी छात्रों को पुलिस ने पकड़ लिया। इन छात्रों को परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी गई।जगजीवन महाविद्यालय में गेट नहीं खुला तो करीब 10 लड़के परीक्षा केंद्र में गेट पर चढ़कर घुस गए।

संक्षिप्त डायरी

होटल और फोटो स्टेट दुकान में पुलिस ने की छापेमारी

छपरा। छपरा शहर के नगर पालिका चौक पर बुधवार के देर शाम अचानक से दर्जनों की संख्या में पुलिसकर्मी ने सभी होटलों में छापेमारी करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दिया। एक साथ भारी संख्या में पुलिसकर्मियों द्वारा छापेमारी को देखने के लिए आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सदर डीएसपी संतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मी हॉटलो के कमरे और रजिस्टर को चेक करने लगे। पुलिस के इस कार्रवाई को देख सभी लोग में चर्चा होने लगी। तब पुलिस अधिकारियों ने जांच का कारण इंटरमीडिएट परीक्षा को बताया। भ्रष्टाचार और कदाचार पर रोक लगाने के लिए पुलिस हॉटलो में तैयारी के दृष्टिकोण से संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए तलाशी ली जा रही थी। बुधवार के शाम से देर रात तक अधिकारी और पुलिस सभी हॉटलों की सघन तलाशी लेते रहे।सभी होटलों में की गई जांच प्रभारी एसडीओ गौरव शंकर ने बताया कि 1 फरवरी से शुरू होनेवाले इंटरमीडिएट के परीक्षा के मद्देनजर सभी होटलों में जांच पड़ताल की जा रही है। होटल में रुकने वाले सभी व्यक्तियों के डाटा को चेक करते हुए सघन तलाशी ली जा रही है। साथ ही सभी फोटो स्टेट दुकान पर ही जांच पड़ताल भी चलाया जाएगा। जिससे कदाचार मुक्त परीक्षा को संपादित किया जा सके। अवांछित व्यक्ति और परीक्षा संबंधित मटेरियल को लेकर छापेमारी तथा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है । जो आगामी दिन तक लगातार चलाया जाएगा।

पत्नी की दांत से नाक काट कर पति फरार

आरा । भोजपुर एक पति ने दांत से अपनी पत्नी की नाक और गाल को काट लिया उसके बाद वो घर से फरार हो गया। घायल महिला ने इसकी सूचना अपने घर वालों को दी। जिसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल लिया गया।जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला मुफस्सिल थाना के नया गांव निवासी बबलू महतो की पत्नी गायत्री देवी(31) है। बिहिया थाना क्षेत्र के घाघा गांव की रहने वाली गायत्री देवी की शादी वर्ष 2006 में हुई थी । इनके दो बेटे अंकित(16) एवं रोहित(11) और एक बेटी मोती कुमारी(12) की है। इधर,पीड़ित महिला ने बताया कि उसका पति बबलू महतो घर में खर्चे के लिए पैसा नहीं देता है। वो शराब की लती है। इसी बात को लेकर उनके बीच बराबर झगड़ा होता था। वह इधर-उधर जाकर काम कर अपने दो बेटी व एक बेटी का पालन पोषण करती है। बुधवार को जब उसकी बेटी मोती कुमारी घर में खाना बना रही थी। तभी उसका पति नशे में धुत होकर आया और बेटी को गाली देने लगा।जब उसने कहा कि तुम्हें जो कहना है मुझे कहो,मेरी बेटी को नहीं। इसी बात पर उसने नशे में धुत हालत में पहले उसकी जमकर पिटाई। उसके बाद उसने दांत से उसके नाक और गाल को बेहरमी से नोच डाला। इससे वह गंभीर रुप से जख्मी हो गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। घर वालों बबलू महतो के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

30 लाख रुपए की दो योजनाओं का शिलान्यास

कटिहार। विधान परिषद अशोक कुमार अग्रवाल के द्वारा अपने विधान परिषद कोष से सम्मिलित प्रखंड के मलेरिया पंचायत स्थित शिव टोला में रंगमंच निर्माण कार्य और बरेली यूथ पावर लोक कला मंच के आगे शेड निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। 30 लाख की राशि से विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल के विधान परिषद कोष से यह दोनों योजना का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका शिलान्यास विधान पार्षद अशोक अग्रवाल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि सह विधान पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार, मुखिया राजकुमार मंडल, मनीष ठाकुर, सुनील शर्मा, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष कुमोद मंडल, सुमन कुमार, प्रदीप केसरी एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण एवं एनडीए के कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप पर लूटपाट का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

नालंदा । के हरनौत थाना में 30 दिसंबर को पेट्रोल पंप पर बाइक सवार बदमाशों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, इस बीच 31 दिन बीत गए हैं लेकिन अब तक सीसीटीवी में कैद बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। वायरल हो रहे सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि दो बाइक पर कुल 6 बदमाश सवार होकर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। और नोजल मैन को हथियार के बल पर कब्जे में लेते हुए मैनेजर के कमरे में गए। जहां मैनेजर को भी हथियार के बल पर बंधक बना लिया और कलेक्शन के रुपए लेकर 2 मिनट के अंदर ही सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। इसी बीच पेट्रोल पंप की ओर आ रहे एक पैदल व्यक्ति को भी हथियार भिड़ा कर लूट लिया।इस मामलें में पोआरी स्थित बीडी पेट्रोल पंप पर मैनेजर के रूप में कार्यरत सुनील कुमार ने 57 हजार रुपए और 3 मोबाइल जबकि एक अन्य व्यक्ति से जो बस कंडक्टर था उससे भी हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम देने के मामलें में स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। अपराधी बेलछी पटना की ओर भागा था। घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय पुलिस को मिली सदर एसडीपीओ दल बल के साथ मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गए थे। वहीं इस मामलें में सदर एसडीपीओ नुरुल हक ने बताया कि प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है, जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। छापेमारी की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर

एजेंसी

गोपालगंज । गोपालगंज के माझागढ़ थाना क्षेत्र के कोईनी गांव के पास एनएच 27 पर एक अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। जख्मी अवस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर के देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। जख्मी युवक की पहचान माझागढ़ थाना क्षेत्र के बथुआ बाली टोला गांव निवासी सानु महतो के

बेटा संजय महतो के रूप में की गई है। हादसे को लेकर सानु महतो ने बताया कि जख्मी वह अपनी बाइक से पत्नी और बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर कोइनी गांव से अपने घर बथुआ बाली टोला लौट रहा था।इसी बीच जैसे ही वह एनएच 27 पर पहुंचा तभी एक अनियंत्रित ट्रक ने उसके बाइक में जोरदार धक्का मार दिया। टक्कर लगते ही वह मौके पर गिरकर बुरी तरह से वह जख्मी हो गया। वही मौके पर मौजूद लोगो ने उसकी पहचान कर इसकी जानकारी उसके परिजनों को दी। वही चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल उसे इलाज के लिए मांझागढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर इलाज के लिए पहुंचे। लेकिन डॉक्टर ने स्थिति को नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

पति के जीजा से था अफेयर पति की कराई हत्या

एजेंसी

मोतिहारी। मोतिहारी में पति के जीजा के प्यार में पागल पत्नी ने पति की हत्या करा दी। पुलिस ने 24 घंटे में मामले का खुलासा करते हुए बुधवार को मृतक शख्स की पत्नी और उसके जीजा को गिरफ्तार किया है।वारदात चकिया थाना क्षेत्र के शीतलपट्टी की है। घर से बुलाकर हेमराज को जीजा और उसे दोस्तों ने ईंट, हेलमेट से कूचकर मौत के घाट उतार दिया था। हेमराज की हत्या में बाद एसपी कांतेश मिश्रा ने चकिया एसडीपीओ सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठन कर मामले का खुलासा करने का निर्देश दिया, जिसके बाद

एसडीपीओ ने वैज्ञानिक तरीके से मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान लीड मिली कि हेमराज की हत्या के पीछे उसकी पत्नी और उसका जीजा है। पुलिस ने जब दोनों को हिरासत में लिया तो पूरा हत्या कांड से परदा हट गया। बुधवार को एसडीपीओ सत्येंद्र सिंह ने बताया कि जब उसका मोबाइल सीडीआर निकाला गया तो पता चला कि घटना से पहले उसकी पत्नी और जीजा ने हेमराज से बात की थी। सबूत के आधार पर जब पहले पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वारदात का खुलासा किया। हेमराज की पत्नी निभा देवी ने बताया कि मेरा उसके बहनोई राजन कुमार से 6-7 महीने से अफेयर चल रहा था। एक दिन मेरे पति ने हम दोनों को पकड़ लिया, जिसके बाद से वह हम पर कड़ी नजर रख रहे थे। इसी से नाराज होकर हेमराज ने हत्या का प्लान बनाया।

ट्रक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पर चाकू से हमला

एजेंसी

गोपालगंज । गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के बंजारी चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने सारण ट्रक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पर चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया और मौके से फरार हो गए। वही घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और जख्मी व्यक्ति को इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जख्मी व्यक्ति की पहचान नगर थाना क्षेत्र के बंजारी मुहल्ला निवासी रामाशंकर तिवारी के बेटा बबलू तिवारी के रूप में हुई है।जख्मी बबलू तिवारी ने बताया कि वो कुछ लोगों के साथ बंजारी

मोड़ के पास बैठ कर आपस में बात कर रहें थे। तभी दो बाइक पर सवार चार के संख्या में पहुंचे हमलावरों ने मुझ पर चाकू के बल पर अपहरण करने की कोशिश करने लगे। तभी उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। इस दौरान हमलावरों के साथ उनकी नोकझोक होने लगी। अपने मंसूबे में कामयाब न होते देख हमलावर चाकू से बब्लू तिवारी पर हमला कर दिया जिससे उनके हाथ में जख्म हो गए। तभी एक व्यक्ति ने डायल 112 को तत्काल फोन कर इसकी सूचना दी। सूचना पाकर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तबतक हमलावर फरार होने में सफल रहें।मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने उन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर के देखरेख में उनका इलाज किया गया। वही पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया की हमलावरों में दो लोगों को वो पहचानते है और दो लोग अज्ञात थे। धन संपत्ति को लेकर उनपर हमला किया गया है।पहुंचने से पहले फरार हुए अपराधी डायल 112 के पुलिसकर्मी ने बताया की सूचना मिली थी की बंजारी बाइपास के पास कोई अज्ञात व्यक्ति ने एक व्यक्ति को चाकू मार दिया है।

चोरी की कार के साथ दो चोर गिरफ्तार

गोपालगंज । गोपालगंज के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेकपोस्ट के पास 27 पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने चोरी की कार के साथ दो युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान हरियाणा के रेवाड़ी निवासी प्रदीप कुमार उर्फ विष्णु और सनी कुमार के रूप में की गई। कुचायकोट थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कीबलथरी चेकपोस्ट पुलिस द्वारा नियमित वाहन जांच की जा रही थी। इसी बीच कार सवार दो लोग उत्तर प्रदेश की तरफ से गोपालगंज चेकपोस्ट पार कर बिहार में प्रवेश करना चाहते थे तभी उन्हें रोक कर जब उनकी तलाशी ली जांच पड़ताल किया गया।कागजात

नहीं दिखाने पर धराए दोनों वही कागजात मांगी गई तो उन कार सवार लोगो ने कागजात उपलब्ध नहीं कराए साथ ही उचित बात भी नहीं बताई जा रही थी जिसके आधार पर गाड़ी की जांच की गई। जांच में यह पता चला की जिस कार पर ये सवार है वह कार चोरी का है। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया और गिरफ्तार दोनों लोगों से पूछताछ करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दी।

टीका लगाकर और हाथ में कलम देकर छात्रों का स्वागत

आरा । बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटर की परीक्षा एक फरवरी गुरुवार से शुरू हो गई। आदर्श केंद्र डॉक्टर नेमी चंद्र शास्त्री कन्या उच्च विद्यालय में सभी लड़कियों को केंद्राधीक्षक और अन्य शिक्षक के द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान सभी छात्राओं

को टीका लगाकर, फूल डालकर और कलम देकर सभी परीक्षार्थियों का स्वागत किया गया। वहीं केंद्र पर रेड कार्पेट बिछाया गया था। वहीं पेऊर के रहने वाली बारहवीं की छात्रा नजरीन ने बताया कि मुझे अच्छा लग रहा है कि मैं बारहवीं की परीक्षा दे रही हूं। परीक्षा की तैयारी सेल्फ स्टडी से की है। लगभग छह से सात घंटे पढ़ती थी। वहीं एक और छात्रा ने बताया कि सुबह में तीन बजे उठकर छह बजे तक पढ़ती थी। परीक्षा में सवाल कैसा आयेगा इसका डर बना हुआ है।आदर्श केंद्र डॉक्टर नेमी चंद्र शास्त्री कन्या उच्च विद्यालय की केंद्राधीक्षक उमा कुमारी ने बताया कि सभी छात्राएं भय मुक्त वातावरण में परीक्षा दें पाए। किसी तरह की कोई घरबड़ाहट फील नहीं हो। इसके लिए इनका स्वागत भी किया जा रहा है और इनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की जा रही है।

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से गुस्से में आरजेडी

एजेंसी

पटना । बिहार में तेजस्वी यादव, झारखंड में हेमंत सोरेन और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ईडी के निशाने पर हैं। हेमंत सोरेन से बुधवार को पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन होंगे।बिहार में कुछ ही दिन पहले नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव अलग हो गए हैं। नीतीश कुमार ने एक साथ आरजेडी, कांग्रेस और लेफ्ट को छोड़ दिया। मंगलवार को तेजस्वी यादव से पटना ईडी ऑफिस में घंटों पूछताछ चली है। ये पूछताछ आगे भी हो सकती है।बुधवार को भी ईडी के अफसर राबड़ी आवास पहुंचे थे बुधवार को भी ईडी के तीन अफसर राबड़ी देवी के पटना आवास पर आए थे। झारखंड में जहां आदिवासी मूलवासी संगठन का झारखंड बंद गुरुवार को है वहीं बिहार में लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के समर्थकों में काफी गुस्सा है। नीतीश कुमार द्वारा सत्ता से अलग किए जाने और ईडी की दबिश दोनों वजहों से यह गुस्सा है। तेजस्वी यादव ने कह दिया है कि खेला तो अब शुरू होगा... हम लालू यादव के बेटे हैं जब वे नहीं झुके तो तेजस्वी भी नहीं झुकेगा। राजनीतिक हित साधने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग- एजाज अहमद, आरजेडी के प्रवक्ता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है कि विपक्षी दलों को निशाने पर रखकर राजनीतिक हित साधने का अभियान बीजेपी कर रही है। हेमंत सोरेन के साथ जिस तरह का माहौल बनाया गया। इससे स्पष्ट है

कि बीजेपी अपने राजनीतिक विरोधियों को जो भाजपा की नीतियों का विरोध कर रहे हैं। जांच एजेंसियों के डर से भाजपा का दामन नहीं थाम रहे हैं। उनको प्रताड़ित कर रही है। इन एजेंसियों का जिस तरह से उपयोग किया जा रहा है। उससे साफ है कि आने वाले समय में देश की जनता सब कुछ देख रही है। इसका परिणाम बीजेपी को चुनाव में भुगतना होगा।भाजपा नेता ने क्या कहा भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल का चाल, चरित्र और चेहरा यही है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का विरोध और भ्रष्टाचारियों का सहयोग, भ्रष्टाचारियों का समर्थन। जो भी भ्रष्टाचार कर रहा है तो वह जेल जा रहे हैं। चाहे अंजाम कुछ भी हो। भारतीय जनता पार्टी सरकार और नरेंद्र मोदी का भ्रष्टाचार पर प्रहार रुकेगा नहीं। हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं। राष्ट्रीय जनता दल 2024 की बात कर रही है, हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं।लालू प्रसाद और लालू प्रसाद का परिवार भ्रष्टाचार का प्रतीक है। लालू प्रसाद यादव भ्रष्टाचार के मामले में सजायफ्ता हैं। सिर्फ हेमंत सोरेन ही नहीं। बल्कि जिस जिसने भ्रष्टाचार किया है, गरीब का पैसा खाया है। हर कोई जेल के पीछे होगा। यह नरेंद्र मोदी सरकार की गारंटी है। भ्रष्टाचार पर लगातार प्रहार होगा।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से नये कुलपति को शॉल, स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गयी है। देश के विख्यात वैज्ञानिक/ एप्लाइड स्टेटिस्टिकस के प्रोफेसर जी.बी. पंत कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर के पूर्व कुलपति डॉ. अनिल कुमार शुक्ला की श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्ति हुई है। विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने उम्मीद जताई है कि देश के इतने बड़े शिक्षाविद का वेंक्टेश्वरा के कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करना विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। वहीं दूसरी ओर नवनियुक्त कुलपति प्रो. ऐ.के. शुक्ला ने कहा कि वह प्रबंधन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने अनुभव एवं सभी के सहयोग, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचारों (इन्नोवेशन) के बल पर आगामी पाँच वर्षों में वेंक्टेश्वरा को देश के शीर्ष दस विश्वविद्यालयों/ संस्थानों की सूची में शुमार करायेंगे।- श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के डॉ. सी.वी. रमन सभागार में नवनियुक्त कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला के स्वागत एवं स्म्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारम्भ समूह के प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस. अरोड़ा, प्रतिकुलाधिपति एवं समूह चेयरमैन के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ. राजीव त्यागी, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, प्रतिकुलपति प्रो. राकेश यादव, कुलसचिव पीयूष पाण्डे आदि ने उनको बुके, शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया। इस अवसर पर प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने प्रबंधन की ओर से नवनियुक्त कुलपति को पूरी टीम के साथ पूरे सहयोग से विश्वविद्यालय को शिखर की ओर ले जाने के लिए उनके प्रयासों का समर्थन कर अन्तोदयतक उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित कराने का आह्वान किया। नवनियुक्त कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला को बधाई देने वालों में सलाहकार आर.एस.शर्मा, सी.एफ.ओ. विकास भाटिया, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. एस.एन. साहू, डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ. दिनेश कुमार गौतम, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राम निवास शर्मा, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. एल. एस. रावत, डॉ. मोहित शर्मा, आई.टी. हेड विशाल शर्मा अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन, एस. एस. बघेल, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, आदि लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

यू.पी बोर्ड पी.सी.एस की परीक्षा के लिए आई एम इंटर कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरे

संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में यू.पी बोर्ड की परीक्षाओं में नकल विहीन परीक्षा करने को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के अधिकारियों को कारण निर्देश दिए हैं। जिसको लेकर जनपद अमरोहा में सभी यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिसमें छात्र-छात्राओं के बोर्ड परीक्षाओं की गतिविधि सीसीटीवी कैमरे में कैद की जाएगी। और जिसका कंट्रोल जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में स्थित बनाया गया। जहां कंट्रोल से सभी अधिकारी यू.पी बोर्ड के केंद्रों कड़ी निगरानी रखी जाएगी. वही आज अमरोहा शहर के आई एम इंटर कॉलेज में यू.पी बोर्ड, यू.पी.पी.सी.एस, प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिसको लेकर कॉलेज स्टाफ पूरी तरह से तैयारी में जुट गया है। वही आई एम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य जमशेद कमाल ने बताया है कि आई एम इंटर कॉलेज में यू.पी बोर्ड यूपीपीसीएस प्रयोगात्मक परीक्षाएं की जानी है। जिसमें 11 फरवरी को यूपीपीसीएस की परीक्षा, 22 फरवरी को यूपी बोर्ड की परीक्षा 5 फरवरी को प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित होंगी। जिसको लेकर आज कॉलेज में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे को ठीक किया जा रहे हैं। जिसमें सीसीटीवी कैमरे के द्वारा परीक्षा दे रहे हर छात्र छात्रा की पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। जिसको लेकर कॉलेज में पूरा लैब आदि सजाया जा रहा है। इसी के साथ उन्होंने बताया है की परीक्षा में मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूर्ण रूप से वर्जित है। इसी के साथ उन्होंने छात्र-छात्राओं को संदेश दिया है कि छात्र-छात्राएं के लिए 20 दिन बचे हैं। जिसमें अपने पूरे कोर्स का रिवीजन करें। इसी के साथ उन्होंने कहा परीक्षा से पूर्व वाली रात को सभी छात्र-छात्राएं 6 घंटे की नींद ले ताकि तनाव मुक्त होकर परीक्षा में शामिल हो सके।

सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है राकेश कुमार जायसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से छात्र छात्राओं को अच्छी शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा देने के लिए स्मार्टफोन वितरित किया जा रहा हैं। क्षेत्र के अंजुम महिला महाविद्यालय सोहसा पट्टी गौसी में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुशीनगर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन इस लिए दिया जा रहा है कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवीन योजनाएं बना रही है। महाविद्यालय के प्रबंधक बेलाल खान ने कहा कि सरकार ने स्मार्टफोन वितरण करके एक अच्छी पहल की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शमसाद खान व संचालन कृष्णा नन्द पांडेय ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अमरनाथ मदेशिया प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंहमुजफ्फर खान, रियाज खान, इमरान अली, दीनानाथ सिंह, रविन्द्र शर्मा, मुलायम यादव निकहत जिया, प्रज्ञा शाही, कनकलता, नशीमा, मीनाक्षी, मजमीन, चांदनी, सादाब, साजिद आदि मौजूद रहे।

न्यायिक समस्याओं को लेकर तहसील बार के अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अधिवक्ता एसोसिएशन कसया कुशीनगर के पदधिकारी व सदस्यों ने उपजिलाधिकारी कसया के पेशकार पर मनमाना रवैया अपनाने का आरोप लगाया तथा तहसील परिसर में प्रदर्शन किया और अपनी बातों को लेकर जिलाधकारी से मिलने का निर्णय लिया।गुरुवार को तहसील कार्यालय परिसर में तहसील बार के अध्यक्ष गंधर्व मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में अधिवक्ताओं ने बैठक की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि उपजिलाधिकारी के पेशकार द्वारा मनमाना पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। जिससे वादकारियों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंप समस्या समाधान की मांग की। इस दौरान महामन्त्री सुरेश यादव, पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेंद्र लाल श्रीवास्तव, उपेंद्र तिवारी, नागेंद्र पाण्डेय, राकेश कुमार सिंह, जितेंद्र साहनी, सिकंदर वर्मा, दीपक कुशवाहा, रामायण प्रसाद,संजय वर्मा, संजय आनंद, तुषार कांत मणि, विनोद प्रसाद, पुरुषोत्तम शुक्ल, विरेन्द्र शुक्ला, धर्मेंद्र तिवारी आदि मौजुद रहे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार से चयनित शिक्षकों को जिलाधिकारी ने बुके भेंटकर मोमेंटो देकर शाल ओढाकर किया सम्मानित

अमरोहा। जनपद अमरोहा के जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के दो अध्यापकों जिसमे प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज धनोरा एवं संबंध जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय अमरोहा पवन कुमार त्यागी तथा राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रवक्ता ऋषिपाल सिंह को राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयन किए जाने की दृष्टिगत जिला अधिकारी द्वारा अपने कार्यालय में दोनों शिक्षकों को मोमेंटो पुष्प गुच्छ व साल ओढाकर सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। कहा कि आप लोग अवश्य ही ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन किया है आप सम्मान के योग्य हैं। इसी तरह सभी शिक्षकों को भी अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी के साथ करना चाहिए ताकि जनपद का नाम शिक्षा के क्षेत्र में रोशन हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्य एवं राजस्व सुरेंद्र सिंह जी जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

रूबी किन्नर करायेंगी पांच निर्धन कन्याओ का विवाह

संवाददाता

कुशीनगर। सर्व सद्भावना कन्यादान सेवा समिति की बैठक में सामूहिक विवाह समारोह के लिए 5कन्याओं का नाम पंजीकृत किया गया व 15 मार्च को सामूहिक विवाह व 16 मार्च को विराट दंगल कराने का बैठक में निर्णय हुआ ।फाजिलनगर क्षेत्र के रहसु जनोवी पट्टी में रूबी चम्पा भवन स्थित सर्व सदभावना कन्यादान सेवा समिति कार्यालय पर बृहस्पतिवार को कोर कमेटी की बैठक रुबीना उर्फ रूबी किन्नर के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें सामूहिक विवाह के लिए 5 कन्या व वर क्रमशः सर्वदा संग सोनू, कुमकुम संग पंकज, मनीष संग चंदन, चाँदनी संग धीरेन्द्र व अनीता संग राज प्रसाद (जोड़ों)का पंजीकरण किया गया 14 मार्च को हल्दी रस्म,15 मार्च सुबह 10 बजे सामूहिक बारातियों का स्वागत, शाम 4 बजे दुल्हन विदाई होना तय किया गया` समिति के संरक्षक चन्द्रशेखर यादव लड्डू ने बताया कि सामूहिक विवाह के बाद त्रिमुहानी घाट,रहसु जनोवी पट्टी में 16 मार्च को विराट दंगल का आयोजन होगा जिसमें महिला पुरुष पहलवान भाग लेगे`समाजसेवी तारकेश्वर सिंह ने कहा कि निर्धन कन्याओ का विवाह कराना पुनीत कार्य है` सामूहिक विवाह व दंगल की तैयारी पूरी कर ली गयी है दोनों समारोह एतिहासिक व यादगार होगा। इस दौरान सुनील कुमार गुप्ता परवाना, पायल किन्नर, अविनाश गोंड़, उमेश यादव, रियाजुल अन्सारी, छोटेलाल यादव, ऋषि केश कुशवाहा, सम्भू यादव, दुर्गेश खरवार, मारकण्डेय शर्मा, मोनू, सोनू कुमार, उमाशंकर यादव आदि लोग उपस्थिति रहे`

प्रो0 गुलाब सिंह सिंह के निधन पर शोक

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के गांव सखवनिया निवासी व काशी के यूपी कालेज में प्रोफेसर रहे 88 वर्षीय प्रो0 गुलाब सिंह का गत बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। मिली जानकारी के मुताबी लखनऊ के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान श्री सिंह ने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में हुई। जहां उनके पुत्र प्रदीप सिंह ने पिता को मुखाग्नि दी। स्व0 सिंह सखनिया इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य राज सिंह के छोटे भाई थे। एक शोक सभा प्रधानाचार्य चंद्रभूषण सिंह के अध्यक्षता में आयोजित कर स्व0 सिंह की आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस अवसर पर अमर बहादुर सिंह, दिवाकर राव, बलवंत सिंह, राज नारायण सिंह, गोरख यादव, दुर्गेश पाल सिंह उपस्थित रहे।

बजट देश के भविष्य के निर्माण का बजटः दुर्गेश राय

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट विकसित भारत के 4 स्तंभ- युवा, गरीब, महिला और किसान, सभी को सशक्त करेगा। उक्त बातें जिलाध्यक्ष भाजपा कुशीनगर दुर्गेश राय ने कही। आगे कहा कि वर्ष 2024-25 का यह बजट देश के भविष्य के निर्माण का बजट है। निश्चित ही यह सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बजट, देश के सभी वर्गों की उम्मीदों व आकांक्षाओं को पूरा करते हुए देश के विकास को नई गति प्रदान करेगा। इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण औऱ उनकी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पूर्व छात्र संघ महामंत्रन अशोक सिंह ने जन्मदिन पर कटा केक हुआ पौधरोपण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्वच्छ पर्यावरण और सुखी जीवन के लिए पौधरोपण पुनीत कार्य है। पर्यावरण प्रदूषण से बचाव के लिए सघन पौधरोपण को लेकर जन जन को जागरूक करना होगा।

उक्त बातें सामजसेवी व पूर्व छात्र संघ महामन्त्री बुद्ध पीजी कालेज कुशीनगर अशोक कुमार सिंह ने अपने जन्मदिन पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर स्थित श्रीराधा कृष्ण मठ परिसर में पौध रोपण करते हुए कही। श्री सिंह ने कहा कि स्व्च्छता की पहल खुद से शुरू करनी होगी और स्वच्छ वातावरण, स्वच्छ जलवायु और स्वच्छ परिवेश के लिए इमारती, औषधीय, फलदार, पुष्प के पौधों को लगावें और दूसरों को भी प्रेरित करे। इसी क्रम में बुद्ध स्थली पर सभासद विजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ भगत सिंह, सभासद गिरिजेश सिंह, सभासद अजेंद्र कुमार सिंह, सभासद प्रभुनाथ सिंह सहित युवाओं ने केक काटकर श्री सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरानसनौवर अंसारी, अजय कुमार सिंह, दुर्गेश सिंह, पिंटू सिंह, मुन्ना शर्मा, रौनक कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, सत्य प्रकाश त्यागी आदि मौजूद रहे।

कॉलेज में शिक्षा को बेहतर बनाना किए जा रहे : कड़े प्रयास सतीश कुमार

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के राजकीय इंटर कॉलेज धनोरा उर्फ मुरादनगर में शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए बड़े प्रयास किया जा रहे हैं। जब से प्रधानाचार्य सतीश कुमार ने चार्ज संभाला है तब से विद्यालय की व्यवस्थाएं संभालती नजर आ रही हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश कुमार ने 18 अक्टूबर सन 2024 को कॉलेज का चार्ज ग्रहण किया है। हालांकि उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए बताया है कि कॉलेज में शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए करें प्रयास किया जा रहे हैं। जिससे कि विद्यालय में शैक्षिक वातावरण अच्छा हो सके। कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लेकर तरह-तरह की प्रतियोगिताओं में आयोजित कराकर उनकी प्रतिभा को निखारना जा सके। कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी बेहतर तरीके से कराई जाएगी। जिससे खेलों में छात्र-छात्राओं के मस्तिष्क का विकास हो सके। इसी के साथ कॉलेज में सभी छात्र-छात्राओं को अनुशासन आत्मक शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ उन्होंने छात्र-छात्रा को संदेश देते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्रा में के साथ पढ़ाई लिखाई करें। जिससे कि वह समाज में अपने परिवार का नाम जनपद भी रोशन कर सके।

महिलाओं ने पुलिस की आंख में लाल मिर्च झोंकी

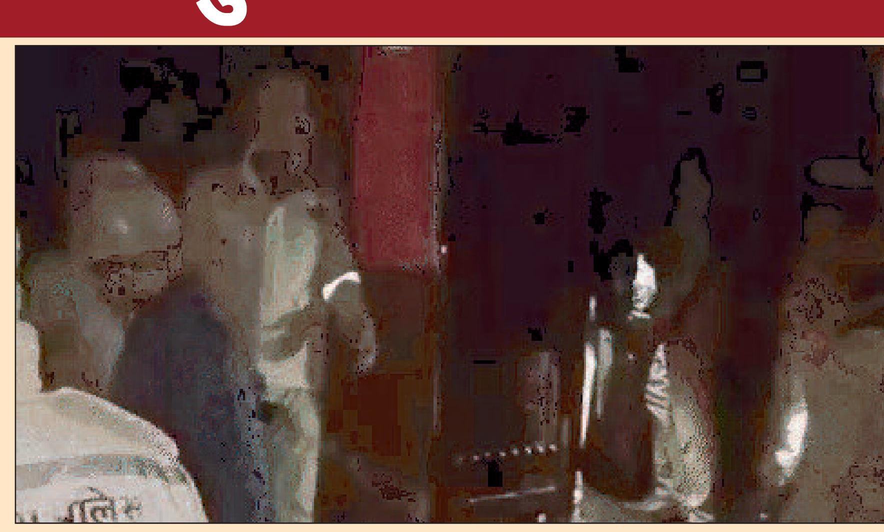

मेरठ । मेरठ में बुधवार देर रात गोकशों ने पुलिस पर हमला कर दिया। हमले में 5 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिसकर्मी देर रात गोकशी की सूचना पर गो-तस्करों को पकड़ने गई थी। वहां आरोपियों ने पुलिस कर्मियों से मारपीट शुरू करते हुए पथराव कर दिया। इसके बाद आंख में लाल मिर्च का पाउडर छिड़ककर भागने की कोशिश की। वहीं पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में गोवंश बरामद किया। पुलिस तीन महिलाओं को अरेस्ट किया है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।बुधवार देर रात करीब पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मी सुमित के फोन पर एक मुखबिर ने बताया कि समर गार्डन में मस्जिद के पास रहने वाला अफजल अपने मकान में गोकशी कर रहा है। गोकशी की सूचना मिलते ही सुमित अपने साथी सिपाही मुनेंद्र व अन्य पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे।पुलिसकर्मी मकान में घुसकर मकान की तलाशी लेने लगे तभी मकान में मौजूद महिलाओं और पुरुषों ने पुलिसकर्मियों के साथ जमकर अभद्रता की। इसके बाद पीआरवी पर तैनात सुमित ने घटना की जानकारी समर गार्डन चौकी पुलिस को दी सूचना पाकर चौकी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल सुभाष और कॉन्स्टेबल पवन भी घटनास्थल पर पहुंच गए।कर्मियों ने जब मकान में मौजूद मांस को कब्जे में लेने की बात कही तो आरोपियों ने पुलिस कर्मियों के साथ जमकर मारपीट कर दी। किसी तरह पुलिस कर्मियों ने खुद को बचाया। मकान से बाहर निकले। तभी घर के अंदर मौजूद महिला, पुरुष मकान की छत पर चढ़ गए। वहीं से पुलिस कर्मियों पर पथराव करने लगे।पथराव में 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के संबंध में अधिकारियों को जानकारी दी गई। सूचना पर एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह और सीओ कोतवाली आशुतोष कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तो आरोपियों ने घर के दरवाजे बंद कर पुलिस से बचने का प्रयास किया।जब पुलिस आरोपियों को किसी तरह पकड़ने लगी तो महिलाओं ने पुलिस कर्मियों की आंखों में लाल मिर्च का पाउडर झोंक दिया और गिरफ्त से छूटकर भागने लगी। लेकिन तभी अन्य पुलिस कर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। हालांकि, कुछ पुरुष मौके से भाग गए। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।युवती ने काटी कलाईजब पुलिसकर्मी मौके से महिलाओं को पकड़ने लगे तभी एक युवती अपने हाथ में छुरी लेकर निकली। पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया तो युवती ने छुरी से अपने दाहिने हाथ की कलाई काट ली। चिल्लाने लगी कि पुलिस ने जानलेवा हमला किया है। तभी महिला पुलिसकर्मी ने उस युवती की कलाई पर अपना रुमाल बांधकर खून बहने से रोका।पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया। पूछताछ में महिलाओं ने कहा की उन्होंने

समारोह और सारतत्व

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को न्योते के पीछे की परिस्थितियों को देखते हुए, यह तय था कि पिछले हफ्ते की उनकी भारत यात्रा को ठोस उद्देश्य से ज्यादा समारोह और प्रतीकात्मकता पर ही केंद्रित रहना है। गणतंत्र दिवस उत्सव की शोभा बढ़ाने वाले छठे फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने, अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन के निमंत्रण अस्वीकार करने पर उनकी जगह ली। इसके अलावा, भारत और फ्रांस ने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, 2023 में पहले ही कई समझौतों पर मोहर लगा दी थी झ ये वो साल था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों कई बार मिले। दोनों देशों ने न सिर्फ रिश्तों के काफी महत्वाकांक्षी रोडमैप होराइजन 2047 की घोषणा की थी, बल्कि सैन्य साजो-सामानों के संयुक्त उत्पादन, नवीनतम तकनीकों के हस्तांतरण और फ्रांसीसी विमान, इंजनों व पनडुब्बियों के नये खरीद सौदों की भी जानकारी दी थी। गणतंत्र दिवस यात्रा की तैयारी के लिए दोनों पक्षों के पास बहुत कम समय था, और बहुत से समझौते पहले ही घोषित हो चुके थे, जिसे देखते हुए राजनयिकों का काम बहुत कठिन हो गया था। कई लोगों ने यह अटकलबाजी भी की कि क्या भारत ने कई बार आमंत्रित फ्रांस को बुलाकर, अन्य सहयोगियों को, जिसमें दक्षिण एशियाई पड़ोस या ग्लोबल साउथ के सहयोगी भी शामिल हैं, निमंत्रण पेश करने का मौका गंवाया है। नतीजतन, यह समझना मुश्किल नहीं है कि जयपुर में मोदी-मैक्रों की बैठक, और दोनों के एक साथ गणतंत्र दिवस परेड देखने के बाद घोषित समझौतों में कई ऐसे थे जो वास्तव में उपरोक्त रोड मैप पर आधारित थे। इनमें रक्षा औद्योगिक रोड मैप भी शामिल था, जिसका मकसद हवा, जमीन और समुद्र से जुड़े रक्षा साजो-सामान के सह-डिजाइनिंग, सह-विकास और सह-उत्पादन में, साथ ही अंतरिक्ष-रक्षा साझेदारी में दोनों देशों की योजनाओं को विस्तार प्रदान करना है। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने कृषि, डिजिटल स्वास्थ्य, और विज्ञान एवं तकनीकी सहयोग को लेकर एमओयू दस्तावेजों पर दस्तखत किये। सिविलियन हेलीकॉप्टरों के असेंबली-लाइन विनिर्माण का समझौता पहली बार हुआ, लेकिन यह निजी बी2बी समझौता (एयरबस-टाटा के बीच) था। दोनों पक्षों ने नयी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर साझा बयान भी जारी किये। भारत इन मुद्दों पर अमेरिका व रूस समेत अन्य साझेदारों के साथ इस तरह की साझा राय बना पाने में अक्षम था, लेकिन इजराइल में आतंकी हमलों की निंदा, गाजा व यूक्रेन में मानवीय सहायता की जरूरत, और लाल सागर में हमलों पर चिंता को लेकर फ्रांस के साथ साझा दृष्टिकोण रख पाने में सक्षम था। हालांकि उन्होंने सहयोग के अन्य क्षेत्रों (जिसमें रक्षा साजो-सामान के बड़े सौदों पर जारी बातचीत, जैतापुर में काफी विलंब हो चुकी बिजली परियोजना और छोटे मॉडुलर रिएक्टरों के लिए नाभिकीय सहयोग शामिल हैं) में प्रगति को सामने नहीं रखा, लेकिन यह स्पष्ट है कि प्रत्येक पर काम चल रहा है, जो रणनीतिक स्वायत्तता के लिए परस्पर सम्मान पर आधारित साझेदारी में निरंतरता को प्रदर्शित करता है।

बदलते साझेदार

वैचारिक बेवफाई कैरियर-राजनीतिज्ञों (ऐसे राजनीतिज्ञ जो रिटायर होने तक राजनीति करते हैं) के बीच कोई विरल बीमारी नहीं है। राजनीति करनेवाले अक्सर सत्ता, दौलत और बहुत-सी बुराइयों से प्रेरित होते हैं, जिससे भारतीय मतदाता अपरिचित नहीं हैं। निचलेपन के इन मानकों के हिसाब से भी, बिहार के मुख्यमंत्री अपनी बार-बार की गुलाटियों से और भी निचले स्तर तक पहुंचते हुए जान पड़ते हैं। उन्होंने कई बार सहयोगी बदले हैं, जिसका सत्ता की भूख शांत करने के अलावा और कोई कारण नजर नहीं आता। नीतीश कुमार ने 2017 में पलटी मारकर 2015 के जनादेश से विश्वासघात किया और 2022 में, उन्होंने 2020 के जनादेश से विश्वासघात किया। वर्ष 2020 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में चुनाव जीता था, लेकिन दो साल बाद उससे अलग होकर उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के साथ गठबंधन बनाया। यह जनादेश का सरासर अपमान था। उन्होंने अब एक बार फिर पलटी मारी है, इस बार वह भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास लौटे हैं। एक दिन के अंदर ही, उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री इस्तीफा दिया, नये सहयोगियों के साथ पद के लिए दोबारा दावा पेश किया और बतौर मुख्यमंत्री फिर से शपथ भी ले ली। कुछ हफ्ते पहले ही, नीतीश कुमार खुद को भाजपा-विरोधी विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में गढ़ रहे थे। यह सही हो सकता है कि राजनीति अजीब साथी बनवाती है, लेकिन नीतीश कुमार ने अपनी बेवफाई को एक जानी-पहचानी पटकथा में बदल दिया है। इस बीच, उनका सुशासन का चैंपियन होने का दावा अब बहुत पुरानी बात, और पूरी तरह अनजाना जान पड़ता है। इस बदलाव के आखिरी क्षण तक, भाजपा पुरजोर तरीके से दावा कर रही थी कि वह नीतीश कुमार और जद-यू के साथ कभी गठबंधन नहीं करेगी। दोनों में से किसी ने अचानक इस हृदय परिवर्तन का कारण नहीं बताया है। राजद और कांग्रेस से गठबंधन कर, नीतीश कुमार ने जाति के सवाल पर भाजपा को घेरने की कोशिश की थी। बिहार में जातियों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण वैसा परिवर्तनकारी लम्हा साबित नहीं हुआ जैसी नीतीश कुमार को शायद उम्मीद थी। इस सर्वेक्षण का आदेश उनकी पिछली सरकार ने दिया था।

दिल्ली की 'सुनहरी' पर बवाल क्यों?

ANALYSIS

अदिति सिंह

हाल ही में हमने नये संसद भवन के उद्घाटन, पवित्र सेंगोल और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा जैसे प्रकरणों में कई कुतर्कों और दुर्भावनाओं के विष वमन को झेला है। यही संकीर्ण मानसिक प्रवृत्ति अन्य छोटे-बड़े विकास कार्यों को भी सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करती रहती है। दिल्ली में एक सुनहरी मस्जिद है। यह लुटियन जोन में सड़क के बीचों-बीच गोल चक्कर में स्थित है। कभी इस गोल चक्कर को ह्यहकीम जी का बागह्व भी कहा जाता था। इस छोटे से बाग में सुनहरी मस्जिद खड़ी है। इसके चारों तरफ दिन-रात ट्रैफिक चलता है। नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुनहरी मस्जिद को हटाना चाहती है। एनडीएमसी के चीफ आर्किटेक्ट ने हाल ही में दिए एक विज्ञापन में जनता से इस मस्जिद को हटाने के संबंध में अपने सुझाव और आपत्तियां मांगी थी। जैसे ही ये विज्ञापन आया मानो कोई भूचाल आ गया हो। राजनेताओं से लेकर मौलानाओं ने इस मस्जिद को हटाने का विरोध किया।

भारत में विकास के कार्यों में कानूनी पेचीदगियां, धार्मिक एवं राजनीतिक हस्तक्षेप कोई नई बात नहीं है। वैसे भी विपक्ष और कुछ वर्ग विशेष के नुमाइंदों ने सरकार के प्रत्येक विकास के कार्य को सांप्रदायिक और सियासी मुद्दा बनाने की कुत्सित मानसिकता बना ली है। हाल ही में हमने नये संसद भवन के उद्घाटन, पवित्र सेंगोल और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा जैसे प्रकरणों में कई कुतर्कों और दुर्भावनाओं के विष वमन को झेला है। यही संकीर्ण मानसिक प्रवृत्ति अन्य छोटे-बड़े विकास कार्यों को भी सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करती रहती है। दिल्ली में एक सुनहरी मस्जिद है। यह लुटियन जोन में सड़क के बीचों-बीच गोल चक्कर में स्थित है। कभी इस गोल चक्कर को ह्यहकीम जी का बागह्व भी कहा जाता था। इस छोटे से बाग में सुनहरी मस्जिद खड़ी है। इसके चारों तरफ दिन-रात ट्रैफिक चलता है। नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुनहरी मस्जिद को हटाना चाहती है। एनडीएमसी के चीफ आर्किटेक्ट ने हाल ही में दिए एक विज्ञापन में जनता से इस मस्जिद को हटाने के संबंध में अपने सुझाव और आपत्तियां मांगी थी। जैसे ही ये विज्ञापन आया मानो कोई भूचाल आ गया हो। राजनेताओं से लेकर मौलानाओं ने इस मस्जिद को हटाने का विरोध किया। इसके विरोध में दिल्ली उच्च न्यायालय में दो याचिका भी दायर हुईं। एक याचिका में तो इसे दिल्ली वक्फ बोर्ड की जमीन पर बने होने का दावा भी किया है, जबकि एनडीएमसी ने हलफनामा देकर कहा है कि ये एनडीएमसी की जमीन है। सोशल मीडिया पर भी इसका हर तरह से विरोध किया जा रहा है। हैरत की बात है कि हर कोई जानता है कि इस मस्जिद की वजह से अकसर वहां ट्रैफिक की समस्या बनी रहती है और जुमे के दिन यहां नमाजियों की अच्छी खासी भीड़ रहती है। लेकिन इसे एक सांप्रदायिक मुद्दा बनाया जा रहा है और यह आरोप लगाया जा रहा है कि ये सब किसी एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए किया जा रहा है। जबकि सच तो यह है की पिछले पांच साल में इसी वर्तमान सरकार ने विकास कार्यों के लिए अनगिनत मंदिरों को तोड़ कर सड़कें चौड़ी करवाईं और निर्माण कार्य करवाए जिससे ट्रैफिक की समस्या में लाभ भी हुआ। लेकिन ये सब न इतनी प्रमुखता से मीडिया में आता और न ही यह सब कभी विस्तृत चर्चा का विषय बनता है । शायद मंदिरों को तोड़ कर ट्रैफिक की समस्या का हल निकालने को सकारात्मक रूप से देखा जाता है और जबकि यह बात दूसरी ओर लागू नहीं होती। इस मस्जिद को दिल्ली सरकार की 2009 की अधिसूचना के अनुसार ग्रेड-क्क्क विरासत भवन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। आपको यह जान कर अचरज होगा की 2009 की अधिसूचना के तहत, विरासत संरक्षण समिति की सलाह पर नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने 141 विरासत स्थलों को शामिल किया था। अचरज वाली बात यह है कि 141 स्थलों में से 51 मस्जिदें और मकबरे हैं और केवल दो मंदिर हैं, जिन्हें विरासत स्थलों में शामिल किया है। अगर आप दिल्ली एकीकृत भवन निर्माण उपविधि 2016, के अनुलग्नक - '' में क्लॉज 1.5 को पढ़ें तो साफ समझ आता है की इन स्थलों को विरासत स्थलों की सूची में सुझाव देने से लेकर स्थान देने तक का जिम्मा सरकार का है। इस सूची को तैयार करके जून 2005 में सार्वजनिक किया गया था, जब यहां कांग्रेस की तथाकथित पंथनिरपेक्ष सरकार थी। उसके बाद अक्टूबर 2009 में ये सब स्थल इस सूची में शामिल किए गए। अब प्रश्न यह है की 2009 में जब ये सूची तैयार की गई तब केवल एक समुदाय के स्थलों के प्रति इतना झुकाव क्यों? माना दिल्ली में 12वीं शताब्दी से मुसलमान शासकों का राज रहा है। पहले दिल्ली सल्तनत और फिर उसके बाद मुगल परंतु दिल्ली का इतिहास इससे भी पुराना है। दिल्ली पांडवों, मौर्यों, तोमरों और चौहानों के अधीन रही है। क्या इसकी सांस्कृतिक विरासत में केवल मस्जिद और मकबरे ही आते हैं? और न के बराबर मंदिर? क्या इसके अलावा इसका कोई इतिहास नहीं ? या उसको खोजने से या इन सूचियों में स्थान देने से आप ये न भूल जाएं कि दिल्ली के इतिहास का अर्थ है केवल मुसलमान शासकों का शासन। दिल्ली का नाम सुनते ही आपके दिमाग में जो छवि बनती है वो यही तो बनती है। इसका कारण यह है हमें इतिहास में पढ़ाया ही यही गया है। इसे मनोविज्ञान में इंडॉक्ट्रिनेशन (ल्लड्डि३१ल्लां३ङ्ग्ल्ल) कहा जाता है जब किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण को बहुत ही सूक्ष्म तरीके से बदला जाता है। रोमिला थापर जैसे इतिहासकार इसी इंडॉक्ट्रिनेशन के सहारे भारत के लोगों के दिमाग को भरमाते है। हम लोग बिना इस बात का विश्लेषण किए कि हमें ऐसा इतिहास या कहानी क्यूं सुनाई जा रही हैं , इसी को सच मान लेते है। ये भूल जाते हैं कि इस कहानी के पीछे की क्या राजनीति है। इन्हीं कहानियों ने देश के युवा को भरमाया है । उसे अपनी संस्कृति और धर्म से दूर किया है। यह सर्वविदित है कि पूर्व की तथाकथित पंथनिरपेक्ष सरकारों ने एक विशेष वर्ग के वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए , कई कानूनी दांव-पेंच खेले हैं और यह उनके कई कार्यों में दिखाई देता है, जैसे कि सांस्कृतिक विरासत की सूची, कम्युनल वायलेंस बिल, वक्फ बोर्ड को दिये कई अधिकार इत्यादि। जिस तरह से एनडीएमसी द्वारा सुझावों को आमंत्रित किया गया है, वो भी एक विडंबना है। क्या एनडीएमसी के पास ऐसे संसाधन हैं, जिनसे वो एक निश्चित समय में बहुत ही बारीकी से सुझावों, उनकी गुणवत्ता और स्त्रोतों की विश्वसनीयता को सत्यापित कर सके? इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में नकली ई-मेल और ट्विटर अकाउंट बनाना क्या इतना मुश्किल है? यह भी सत्य है कि 80-90 फीसदी मामले बातचीत और आपसी सहमति से सुलझाने की कोशिश होती है और कई कोशिशें नाकामयाब हो जाती हैं। वर्ष 2015 में जयपुर में कुल 13 प्राचीन मंदिरों को मेट्रो रेल परियोजना के लिए तोड़ा गया था। इसमें रोजगारेश्वर महादेव और कष्ट हरण महादेव जैसे प्राचीन मंदिर भी थे। ये निर्णय मंदिर समिति की सहमति से लिए गए थे और वैकल्पिक व्यवस्था की भी बात हुई थी। गुजरात में भी बस रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (बीआरटीएस) के निर्माण के दौरान कई मंदिरों को तोड़ा या विस्थापित किया गया। ऐसे ही कोलकाता में हवाईअड्डे के विस्तार के समय में एक मस्जिद, जिसकी ऊंचाई 25 मीटर थी उसे हटाने के लिए हवाईअड्डा प्राधिकरण 1986 से प्रयासरत था। मस्जिद दूसरे रन-वे के उत्तरी छोर से 200 मीटर की दूरी पर थी। अंत में जब मस्जिद समिति नहीं मानी तो कई गुना लागत के साथ हवाईपट्टी को दूसरे छोर से विस्तृत किया गया। इन अड़चनों को वजह से इस हवाईअड्डे के विस्तार का काम 2013 में पूरा हो पाया। इसके विपरीत अगर गुजरात के बीआरटीएस परियोजना की बात करें तो उस समय के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही ये परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो पाई। एक पुराने साक्षात्कार में एम. रामचन्द्रन (जो उस समय नगर विकास मंत्रालय में सचिव थे) कहा था कि नगर आयुक्त को केवल मुख्यमंत्री के कार्यालय में सूची भेजनी होती थी और बाकी का काम हो जाता था। सुनहरी मस्जिद संसद के पास एक अत्यंत संवेदनशील स्थान पर है जहां बार बार ट्रैफिक जाम लगना सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत भयावह है। भारत की सरकार को भी ये समझना होगा कि बातचीत और सुझावों का अपना महत्व है, अपितु राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर इस तरह से निर्णय लेना सरकार की कमजोरी को ही उजागर करता है। विकास के कार्यों में यदि ऐसी बाधाएं आती हैं तो उनका निराकरण प्रशासनिक सख्ती से करना ही उचित है। पूर्व की सरकारों द्वारा पोषित संकीर्ण स्वार्थों और स्तरहीन कुतर्कों को कुचल कर ही स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला रखी जा सकती है। सरकार से देशहित में कड़ी रवैया अपेक्षित है। उम्मीद है कि वर्तमान सरकार आम नागरिकों की विकास संबंधी अपेक्षाओं पर एक निर्णायक कदम उचित समयावधि में लेगी ताकि ये या ऐसी कोई और समस्या भविष्य में गतिरोध उत्पन्न न कर सके।

लेखिका, सुप्रीम कोर्ट की वकील हैं।

खड़गे का बयान और कांग्रेस की हताशा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 29 जनवरी को भुवनेश्वर में थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा- 2024 लोकसभा चुनाव लोकतंत्र को बचाने का आखिरी मौका होगा। अगर इस चुनाव में भाजपा जीती तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस देश में दोबारा चुनाव नहीं होने देंगे। वे एक तानाशाह की तरह इस पर रोक लगाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से देश की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी की हताशा, निराशा और पराजय स्पष्ट झलकती है। कांग्रेस अध्यक्ष जब यह कहते हैं कि मोदी दोबारा सत्ता में आए तो कोई चुनाव नहीं होगा। आपके पास मतदान का आखिरी मौका है। ऐसा बयान देते समय शायद खड़गे अपनी ही पार्टी का चरित्र, आचरण, कृत्य और इतिहास भूल जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में लगभग छह दशक कांग्रेस ने देश की सत्ता को संभाला। इस कालावधि में उसने लोकतंत्र को कमजोर और कलंकित करने के एक नहीं कई काम किये। कांग्रेस सरकार की तानाशाही रवैये और व्यवहार के किस्सों की भी कोई कमी नहीं है। कांग्रेस ने 25 जून, 1975 को देश को इमरजेंसी के दलदल में धकेल दिया। इस दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। रातों रात लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए। कांग्रेस ने न सिर्फ विपक्षी दलों के नेताओं बल्कि सच के साथ खड़े पत्रकारों का भी दमन किया। विरोध की आवाज को दबाने के लिए पूरे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया। बड़े मीडिया संस्थानों तक के संपादकों को गिरफ्तार किया जा रहा था, उन पर पाबंदियां लगाई जा रही थीं। अलोकतांत्रिक रूप से बाबा साहब के संविधान में संशोधन किया गया। कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं को भी कमजोर किया। खड़गे को याद करना चाहिए कि, मीसा कानून कौन लेकर आया था? मीसा में आपातकाल के दौरान कई संशोधन किए गए और इंदिरा गांधी की निरंकुश सरकार ने इसके जरिए अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने का काम किया। इंदिरा सरकार की अमानवीयता का आलम यह था कि दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में नसबंदी से इनकार करने वाले लोगों पर अत्याचार किया गया। पुलिस की गोलीबारी में कई लोग मारे गए। महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने की बातें करने वाली कांग्रेस को उनके विचारों से भी डर लगने लगा था। उस समय इंदिरा गांधी ने किशोर कुमार के गानों को बैन कर दिया था। आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस के काले कारनामों के बारे में जानकर हर कोई सन्न रह जाता है। केंद्र में विपक्ष में बैठी कांग्रेस लोकतंत्र की दुहाई देती है। लेकिन उसके शासित राज्यों में जिस तरह विपक्ष और मीडिया का दमन किया जाता है, उससे कहा जाता है कि समय बदल गया है, लेकिन कांग्रेस की आपातकालीन मानसिकता नहीं बदली है, वो आज भी जारी है। लोकतंत्र की दुहाई देने वाले कांग्रेस के नेता शायद भूल गए कि राजीव गांधी के जमाने में एक अखबार ने कुछ खिलाफ लिखा, तो उनके विरुद्ध ही मामला दर्ज कर दिया गया और संस्थान की बिजली तक काट दी गई थी। टेलीग्राफ एक्ट कौन लेकर आया था...? राजीव गांधी के जमाने में ही टेलीग्राफ एक्ट आया था, जिसके तहत सरकार आम लोगों के पत्र पढ़ सकती थी और कार्रवाई कर सकती थी। पीवी नरसिंहाराव ने पैसे देकर सरकार बनाई, कोर्ट में साबित हो गया था। लोकसभा का कार्यकाल इंदिरा गांधी ने बढ़ाया था। जब कांग्रेस नेता ह्यइंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इस इंडियाह्व का नारा लगाते थे तो क्या उन्हें इस नारे में तानाशाही की बू नहीं आती थी? अनुच्छेद 356 का कांग्रेस ने किस तरीके से उपयोग किया है, ये काफी दिलचस्प है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान अनुच्छेद 356 का प्रयोग करते हुए 91 बार गैर कांग्रेसी सरकारों को हटाने का काम किया। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने एक बार भी अनुच्छेद 356 का प्रयोग नहीं किया। बीते पांच छह सालों में कांग्रेस शासित राज्यों में तानाशाही की वारदात और करतूतें देशवासियों को याद हैं। राहुल गांधी की आलोचना करने पर कॉलेज के प्रोफेसर को बर्खास्त किया गया। राजीव गांधी के बारे में लिखने पर युवा भाजपा नेता तेजिंदर सिंह बग्गा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। राहुल गांधी ने न्यायपालिका और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। सोनिया गांधी का बचपन का नाम लेने पर पत्रकार अर्णब गोस्वामी को गिरफ्तार कर उत्पीड़न किया गया। राहुल गांधी ने वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया। सोनिया और राहुल गांधी पर विज्ञापन देने वाली कांपनी के दफ्तर में कांग्रेस कार्यकताओं ने तोड़फोड़ की। लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस अपने इन कर्मों को किस श्रेणी में रखेगी? इंडी गठबंधन जिसमें कांग्रेस प्रमुख घटक दल है, ने 2023 में एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए उन 14 टीवी एंकरों की एक सूची जारी की है, जिनके प्रोग्राम में उनका प्रतिनिधि नहीं जाएगा। ये जगजाहिर है कि टीवी एंकरों का बहिष्कार करने के पीछे पूरी रणनीति कांग्रेस की थी। गैर भाजपाशासित राज्यों में विपक्ष के राजनीतिक दलों के नेताओं-कार्यकताओं, पत्रकारों और आम जनता के साथ सरकारी तंत्र जिस तानाशाही रवैये से पेश आ रहा है, वो किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस के अलावा कई अन्य दल भी मोदी सरकार पर तानाशाही के आरोप जड़ते हैं। लेकिन उनके पास एक भी ऐसा उदाहरण नहीं जिससे वो साबित कर सकें कि मोदी सरकार ने कौन सा ऐसा काम किया है, जो तानाशाही की श्रेणी में आता है। या जिससे लोकतंत्र का गला घुटा हो। मोदी सरकार के हर निर्णय पर विपक्ष को ऐसा लगता है कि लोकतंत्र की हत्या हो गई है, लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है, या फिर लोकतंत्र खतरे में है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना से अभी तक 30 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का काम किया है। आज बजट में आयुष्मान योजना से आशा व आँगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को जोड़ने का महत्त्वपूर्ण फैसला लिया गया, जिससे ये लोग भी मुफ्त इलाज का लाभ ले पायेंगे। साथ ही, इस बजट में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 9 से 14 साल की बच्चियों के टीकाकरण को बढ़ावा देने का अहम फैसला भी लिया गया है।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

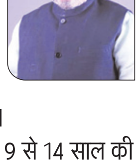

हमारे पास कुल 47 विधायकों का समर्थन हैं, आदरणीय चंपई सोरेन जी के नेतृत्व में सभी 47 विधायकों के साथ हमारे पास बहुमत का आंकड़ा हैं, गठबंधन बहुमत में हैं!

(मंत्री बन्ना गुप्ता का 'एक्स' पर पोस्ट)

28 जनवरी को सम्पन्न हुई जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कई अनियमितताएं बरती गई हैं। इस बाबत मुख्य सचिव को पत्र लिखकर झारखंड के युवाओं का भविष्य खराब करने वाले जेएसएससी अध्यक्ष एवं अन्य संलिप्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अमीरों का क्लब है वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम

कुछ दिन पहले दुनिया के एक महत्वपूर्ण मंच- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का सालाना सम्मेलन दावोस (स्विट्जरलैंड) में संपन्न हुआ। वर्ष 1971 में अस्तित्व में आया यह फोरम वैश्विक आर्थिक संरचना पर चर्चा करने वाली एक अहम संस्था के नाते उभरा है। व्यापार, भू-राजनीति, सुरक्षा, सहकार, ऊर्जा, पर्यावरण, प्रकृति आदि कई मुद्दों पर इस मंच पर चर्चा होती रही है। हर साल की तरह इस बार भी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी हस्तियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। इनमें साठ देशों के शासनाध्यक्ष भी थे। एक हजार बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा पोषित यह मंच अपने सम्मेलनों में भाग लेने वालों से मोटी रकम शुल्क के रूप में लेता है, यानी किसी भी तरह से यह सर्वसमावेशी मंच तो नहीं कहा जा सकता। समाज में कम भाग्यशाली लोगों की ओर से बोलने वालों में से शायद कोई यहां नहीं पहुंच पाता। इसमें दुनिया के सामान्य जन के हित साधने जैसी कोई बात नहीं होती। इस बार भी जिन मुद्दों पर चर्चा हुई, उनका सामान्य जन से कोई खास सरोकार नहीं दिखता। उदाहरण के लिए, एक सत्र में यह चर्चा हुई कि दुनिया में व्यापार और निवेश कथित रूप से कुशल साझेदारी के स्थान पर मित्रता के आधार पर हो रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इस्राइल-हमास युद्ध आदि स्थितियां इन कंपनियों के लिए शुभ नहीं हैं क्योंकि इनके कारण उनके निवेश प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए उनमें चिंता व्याप्त है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सम्मेलन में जिन 60 शासनाध्यक्षों ने भाग लिया, वे सभी वैश्विक भू-राजनीति में उथल-पुथल, देशों के बीच बढ़ती वैमनस्यता और युद्ध की स्थिति से चिंता व्यक्त करते हुए देखे गये। चाहे उनकी चिंता वाजिब है, लेकिन आर्थिक चर्चा करते समय उनका ध्यान मुल्कों के बीच असमानताओं और दुनिया में गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी की तरफ नहीं था। एक विषय, जिससे पूरे दुनिया का सरोकार है यानी पर्यावरण और मौसम परिवर्तन, पर बात तो हुई, लेकिन समाधान के लिए कोई विशेष इच्छाशक्ति नहीं दिखी। पिछले कई पर्यावरण सम्मेलनों से यह स्पष्ट हो रहा है कि आज पर्यावरण पर चर्चा से ज्यादा समाधान की जरूरत है। काफी साल पहले विकसित देशों ने यह वादा किया था कि वे हर वर्ष 100 अरब डॉलर की सहायता पर्यावरण समस्या से निपटने के लिए करेंगे। लेकिन वह सहायता दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही। खरबों डॉलर की संपत्ति वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी विभिन्न मंचों पर इस समस्या पर चर्चा करती होंगी, लेकिन वे भी अपनी प्रौद्योगिकी को बिना भारी शुल्क लिये साझा करने के लिए तैयार नहीं है। यह स्थिति उनके दोहरे चरित्र की ओर इंगित करती है। दावोस में बिगड़ते पर्यावरण और बदलते मौसम पर चर्चा करने वालों में अधिकतर अपने-अपने निजी विमान से वहां आये थे। उससे कार्बन का कितना उत्सर्जन हुआ और पर्यावरण का कितना ह्रास हुआ, उस ओर वे उदासीन दिखे। यदि वास्तव में फोरम के कर्ता-धर्ता मुद्दों के प्रति संवेदनशील होते, तो इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारी शुल्क की अनिवार्यता नहीं होती। इस सम्मेलन में हाशिये पर खड़े समुदायों, पिछड़े समाजों के लिए काम करने वाले कार्यकताओं और सामान्य लोगों को भी इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए था। शासनाध्यक्षों और बड़े मंत्रियों और बड़ी कंपनियों के चहेते बुद्धिजीवियों की उपस्थिति इन कंपनियों के एजेंडे को वैधता प्रदान करती है। चाहे ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां मानवता और विश्व कल्याण की कितनी भी बातें करें, इनका इस सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान व्यवहार दानवों को भी लज्जित करने वाला था। फाइजर नामक कंपनी ने तो अप्रभावी वैक्सीन ही जान-बूझ कर दुनियाभर में बेच दी। यह कंपनी अमेरिकी सरकार के माध्यम से भारत सरकार पर भी दबाव बना रही थी। यही नहीं, अमेरिकी दबाव में भारत की विपक्षी पार्टियां भी सरकार पर इसकी वैक्सीन खरीदने हेतु दबाव बना रही थीं।

प्रतिशोध के मामलों की छानबीन

राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ जांच एजेंसियों के इस्तेमाल के पीछे बदले की धारणा को खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रणाली का सुझाव दिया है। यह सिद्धांत रूप में तो दुरुस्त है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह समस्या के सभी पहलुओं का समाधान भी कर सके। औपचारिक जांच के अधीन किसी मामले को उसके कानूनी औचित्य या राजनीतिक मंशा के लिए जांचा-परखा तो जा सकता है, लेकिन ऐसी प्रणाली उन गुनाहों और आरोपों के बारे में कुछ नहीं कर सकती जिन पर राजनीतिक कारणों से पर्दा डाला जाता है। तमिलनाडु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी के खिलाफ घूसखोरी के मामले पर हालिया सुनवाई के दौरान, ईडी ने इसकी जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की। उसने यह आरोप भी लगाया कि राज्य पुलिस उन प्रथम सूचना रिपोर्टों (एफआईआर) का ब्योरा साझा नहीं कर रही है जो उसने मंत्रियों, अधिकारियों व अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार और अवैध खनन के मामलों में दर्ज की हैं। ईडी, संभावना के आधार पर, इन अपराधों के धन शोधन के पहलुओं की जांच-पड़ताल करना चाहती है, जबकि राज्य सरकार का मानना है कि इन ब्योरों का इस्तेमाल उसके मंत्रियों व अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है, क्योंकि राज्य को जो पार्टी चला रही है वह केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की विरोधी है। पीठ का यह विचार वाजिब लगता है कि ऐसे मामलों को परखने के लिए एक स्वतंत्र अखिल-भारतीय स्तर की प्रणाली हो। हालांकि, भाजपा के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की ज्यादातर आलोचना इस विचार से उपजती है कि देशभर में उसके पार्टी सदस्यों व सहयोगियों पर समान आरोपों की शायद ही कभी जांच की जाती है। कई राज्यों में केंद्र के मित्र माने जाने वाले प्रमुख राजनीतिक व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की भरमार है, लेकिन विपक्षी दलों का मानना है कि शायद ही वहां सीबीआई, ईडी या आयकर विभाग की कोई सक्रियता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS

संक्षिप्त समाचार

देश में डिजिटल पेमेंट का बढ़ा दायरा, एक साल में 10.94 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। देश में डिजिटल भुगतान में सितंबर 2023 से पहले के एक साल में 10.94 प्रतिशत की वृद्धि रही है। ऑनलाइन लेनदेन मापने वाले आरबीआई सूचकांक से यह जानकारी सामने आई है।

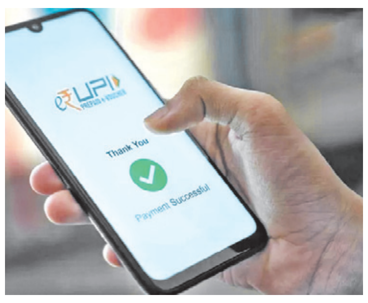

आरबीआई का डिजिटल भुगतान सूचकांक सितंबर 2023 के अंत में 418.77 पर था, जबकि सितंबर 2022 में यह 377.46 था। वहीं, मार्च 2023 में यह सूचकांक 395.57 पर था। आरबीआई ने कहा कि सूचकांक सभी मापदंडों में बढ़ा है।

डिजिटल भुगतान का बढ़ा दायरा- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को अपने बयान में कहा, आरबीआई-डीपीआई इंडेक्स सभी मापदंडों में बढ़ा है। आरबीआई ने बताया कि विशेष रूप से देश भर में भुगतान में वृद्धि दर्ज की गई है।

बता दें कि केंद्रीय बैंक ने पूरे देश में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को आंकने के लिए आधार के रूप में मार्च 2018 में एक समग्र सूचकांक के गठन की घोषणा की थी। इसके तहत पांच व्यापक मापक शामिल किए गए हैं, जो अलग-अलग समय में देश में डिजिटल भुगतान के बारे में पता लगाता है। ये रिपोर्ट मार्च 2021 के बाद से प्रकाशित किए जाते हैं। ये चार महीने देर से मार्च 2021 से अर्ध-वार्षिक आधार पर जारी किया जाता है।

एलपीजी सिलेंडर के बढ़े दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर के रेट बढ़ गए हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज एक फरवरी को एलपीजी से लेकर एटीएफ तक के रेट अपडेट की हैं। आज यानी गुरुवार को एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 14 रुपये महंगा हुआ है। यह बढ़ोतरी दिल्ली, जयपुर, इंदौर, लखनऊ, अहमदाबाद, मेरठ, आगरा, मुंबई

समेत पूरे देश में हुई है।हालांकि कि रेट केवल 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के बदले हैं। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं।

आगरा में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर आज से 1817.5 रुपये का हो गया है। 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर अब जयपुर में 2046 रुपये , लखनऊ में 1883 रुपये और अहमदाबाद में 1866.5 रुपये का हो गया है। नागपुर में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1947.5 रुपये में आज से मिलेगा तो इंदौर में 1876 रुपये में बिकेगा। अभी भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट की कीमत दिल्ली में 903 रुपये है तो कोलकाता में 929 रुपये। आज एक फरवरी को मुंबई में 902.50 रुपये और चेन्नई में 918.50 रुपये है। बता दें आखिरी बार घरेलू सिलेंडर के दाम 30 अगस्त 2023 को बदले थे। एक मार्च 2023 को एलपीजी के रेट दिल्ली में 1103 रुपये प्रति सिलेंडर थे। इसके बाद एक ही बार में 200 रुपये सस्ता कर दिया गया। आज कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1755.50 रुपये की जगह 1769.50 रुपये में मिलेगा। कोलकाता में यह एलपीजी सिलेंडर 1869 की जगह आज से 1887 रुपये में मिलेगा।

निर्मला के नवरत्न, जिन्होंने तैयार किया साल 2024 का अंतरिम बजट

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज यानी 1 फरवरी को अपना छठा बजट पेश करने जा रही है। हालांकि, आपको बता दें कि यह अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बार छठी बार अपनी खास टीम के साथ मिलकर यह अंतरिम बजट बनाया है। इस साल इनकी टीम में नौ लोग शामिल हैं, जिन्हें नवरत्न कहा जा रहा है। यह सभी लोग अपने-अपने क्षेत्रों के दिग्गज हैं।

बजट बनाने में शामिल प्रमुख सदस्य राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा; आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ; निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव तुहिन कांता पांडे; वित्तीय सेवा विभाग के सचिव विवेक जोशी; वित्त सचिव टीवी सोमनाथन; मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हैं। इस खबर में हम आपको निर्मला सीतारमण के उन नवरत्नों के बारे में बताएंगे, जिन्होंने अपने-अपने कौशल को इस बजट में पूरी तरह से इस्तेमाल किया है।

निर्मला सीतारमण- आपको बता दें, निर्मला सीतारमण साल 2019 से ही बजट पेश कर रही हैं। इस साल वह छठा बजट पेश कर रही हैं। मालूम हो कि आज निर्मला सीतारमण छठा बजट पेश करने वाली दूसरी वित्त मंत्री बन जाएंगी। इससे पहले मोरारजी देसाई ने भी 5 पूर्ण और 1 अंतरिम बजट पेश किया था। वह विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श का नेतृत्व करती है, कर और खर्च की प्राथमिकताएं तय करती है और अंत में संसद में बजट का अनावरण करती है।

बता दें कि उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से इकोनॉमिक्स की पढ़ाई की है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में वाणिज्य और रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाला था। वह कर्नाटक से राज्यसभा सांसद भी हैं। भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री भी हैं। इससे पहले वह पहली पूर्णकालिक महिला रक्षा मंत्री भी रह चुकी हैं।

टीवी सोमनाथ (वित्त सचिव)- तमिलनाडु के आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन इस समय केंद्रीय वित्त मंत्रालय सबसे सीनियर सेक्रेटरी हैं, जिन्हें फाइनेंस सेक्रेटरी की जिम्मेदारी दी गई। वह विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों की एक टीम का नेतृत्व करते हैं, आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं और बजट दस्तावेज का एक मसौदा तैयार करते हैं। बता दें कि इस बजट को तैयार करने में वह वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और पीएमओ अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी सोमनाथन ने अप्रैल, 2015 से अगस्त, 2017 तक प्रधानमंत्री कार्यालय में काम किया था। वित्त मंत्रालय में शामिल होने से पहले वह प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव थे। साल 2020 में वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय में एक्सपेंडिचर सेक्रेटरी बने थे, जिसके बाद से वह बजट निर्माण की प्रक्रिया से भी नजदीक से लगातार जुड़े रहे हैं।

अजय सेठ (आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव)- कर्नाटक कैडर में 1987 बैच के आईएएस अधिकारी अजय सेठ इस वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव हैं। इनका अधिकांश अनुभव सार्वजनिक वित्त, सामाजिक क्षेत्र प्रशासन, सार्वजनिक व्यय, कर नीति और प्रशासन, बजट, परियोजना मूल्यांकन, शहरी परिवहन और बुनियादी ढांचे समेत कई संबंधित मामलों से निपटना के क्षेत्र में रहा है।

वह साल साल 2021 में वित्त मंत्रालय आए थे और मंत्रालय के अति महत्वपूर्ण बजट डिवीजन को लीड किया। मालूम हो कि पिछले साल भारत की अध्यक्षता में हुई जी20 (जी20) बैठक के दौरान वह चर्चा में आए थे। वह त20 ब्लॉक के वित्त ट्रैक के प्रभारी अधिकारी थे।

163 साल पुरानी है बजट की विरासत, भारत के पहले बजट से लेकर इस बजट में पेश हुआ था सबसे लंबा भाषण

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल आने वाले वित्त वर्ष की प्लानिंग के लिए सरकार बजट पेश करती है। इस बजट में सरकार अपने खर्च के साथ रेवेन्यू को लेकर अनुमान लगाती है। आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वोट ऑन अकाउंट पेश किया जाएगा। बजट पेश करने को बजट भाषण भी कहा जाता है।

इन भाषण को रिकॉर्ड किया जाता है। ऐसे में हर साल बजट की समयसीमा अलग होती है। चलिए जानते हैं कि अभी तक का सबसे लंबा बजट भाषण कौन-सा है

किसने पेश किया भारत का पहला बजट- भारत में पहला बजट 7 अप्रैल 1860 को पेश किया गया था। यह बजट ईस्ट इंडिया कंपनी ने पेश किया था। यह बजट उस समय के स्कॉटिश अर्थशास्त्री जेम्स विल्सन ने पेश किया था। इसके बाद से बजट का सिलसिला जारी रहा। इसका मतलब है कि भारत में बजट पेश करने की परंपरा 163 साल पुरानी है। हालांकि, इसमें समय-समय पर बदलाव देखने को मिला है।

आजादी के बाद पहला बजट 26 नवंबर 1947 को तत्कालीन वित्त मंत्री आरके शन्मुखम चेट्टी द्वारा पेश किया गया था। अभी तक देश में 75 यूनियन बजट, 14 अंतरिम बजट और 4 स्पेशल बजट पेश हो गए हैं। इस साल 1 फरवरी 2024 को भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अंतरिम बजट पेश किया जाएगा। बजट के साथ बजट भाषण भी पेश किया जाता है।

यह है लंबा बजट भाषण- अभी तक का सबसे लंबा बजट भाषण 1 फरवरी 2020 को पेश हुआ था। यह भाषण वर्तमान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा दिया गया था। इन्होंने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया था। इस बजट का समय 2 घंटे 52 मिनट था। इस भाषण में उन्होंने जुलाई 2019 का अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

जुलाई 2019 में उन्होंने 2 घंटे 17 मिनट बोला था। वर्ष 2019 में उन्होंने पहली बार बजट पेश किया था। वहीं, सबसे छोटा बजट हीरूभाई मूलजीभाई पटेल ने पेश किया था। उन्होंने अपने बजट भाषण में केवल 800 शब्द बोले थे। आपको बता दें कि वर्ष 1977 से 1979 में मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली सरकार थी।

विप्रो में सैकड़ों कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप कंपनी स्विगी के बाद अब देश की दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो में नौकरियों की संकट को लेकर बुरी खबर सामने आई है। विप्रो भी अब अपने कर्मचारियों को झटका देते हुए छंटनी करने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विप्रो अपने मार्जिन में सुधार करने के लिए छंटनी का रास्ता अपना रहा है। कंपनी के इस कदम से सैकड़ों मिड-रेंज यानी मध्य स्तर के कर्मचारियों की नौकरी जाएगी। खबरों के अनुसार कंपनी मिड लेवल के 100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करेगी।

प्रॉफिट मार्जिन में सुधार के लिए छंटनी- विप्रो मिड लेवल के कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के प्रोसेस में है, क्योंकि कंपनी अपने प्रॉफिट मार्जिन में सुधार करना चाहती है। इससे पता चलता है कि आईटी कंपनियों के लिए मार्जिन में सुधार और लागत बचाने के लिए कर्मचारियों की छंटनी करना एक चलन बन गया है।

कम प्रॉफिट मार्जिन बना चुनौती - विप्रो इस समय भारत में सूचीबद्ध चार सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनियों में सबसे कम प्रॉफिट मार्जिन की चुनौती का सामना कर रही है। दिसंबर तिमाही में इसका मार्जिन 16 फीसदी रहा, जो टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (25 फीसदी), इंफोसिस (20.5 फीसदी) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज (19.8 फीसदी) से काफी कम है। कंपनी अब अपने कारोबार को बेहतर बनाने के लिए कुछ नौकरियों में कटौती करने की तैयारी कर रही है।

बजट में ज्यादा उपाय नहीं किए गए : केवी सुब्रमण्यम

नईदिल्ली, एजेंसी। आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यम ने भी अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह अंतरिम बजट है। पूर्ण बजट चुनाव के बाद जून या जुलाई में पेश किया जाएगा, इसलिए इस बजट में ज्यादा उपाय नहीं किए गए होंगे। मुझे लगता है कि इस बजट में सरकार पिछले वर्षों की अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाएगी। शायद कुछ नया देखने को भी मिल सकता है। हो सकता है महिलाओं से जुड़ा कुछ नया हो सकता है। मैं देख रहा हूं पिछले वर्षों के अच्छे कदमों को फिर से दोहराया जा सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी स्थिति में है।

महामारी के दौरान नई नीतियों को हमने अपनाया था-केंद्रीय अंतरिम बजट के पेश होने से पहले पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यम ने कहा कि मैं कहा था कि विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक रहेगी और वास्तव में आंकड़ें यही हैं। कोविड महामारी के दौरान हमने कई नीतियों को अपनाया था, जिसका लाभ हमें देखने को मिला है। पूंजीगत व्यय में लगभग 3.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। जब आप विकास दर को देखते हैं, तो आपको याद होगा कि महामारी के दौरान लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया था। भारतीय अर्थव्यवस्था काफी मजबूत है। आईएमएफ भी इसे स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

दुनिया के मुकाबले भारत में महंगाई काबू में- सुब्रमणयम- केंद्रीय अंतरिम बजट से पहले आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यम ने कहा कि वैश्विक बाजार अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ है क्योंकि महामारी के दौरान खर्च के कारण महंगाई हुई। इसे नीचे लाने के लिए ब्याज दरों को बढ़ा दिया है, इसलिए ब्याज दरें अभी तक कम नहीं हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि वहीं भारत की स्थिति पूरी तरह से अलग है। भारत में महंगाई काबू में हैं। आने वाले समय में नीतिगत दरें भी कम हो सकती हैं। लेकिन आप अगर समग्र रूप से चीजों को देखते हैं तो राजकोषीय घाटा कम किया जा सकता है। चालू खाता घाटा अच्छी स्थिति में हैं। भारत में महंगाई भी नियंत्रण में है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि महामारी के प्रभावों पर पूरी तरह भारत ने काबू पा लिया है।

डॉर्बी के डायरेक्टर और सीईओ मेहुल अग्रवाल ने बताया क्यों है ये सबसे अलग

नईदिल्ली, एजेंसी। डॉर्बी एक्सपीरियंस सेंटर सिर्फ लैमिनेट्स दिखाने के लिये नहीं है। इसका लक्ष्य तरह-तरह के उत्पादों को पेश करना है, जिनमें प्लायवुड और सजावटी चीजें शामिल हैं। यह सरफेस डेकोर ब्राण्ड अपने सेंटर को ए एण्ड डी कम्युनिटी के लिये अनुकूल एक रचनात्मक कार्यस्थल भी बनाना चाहता है, जिनमें आर्किटेक्ट्स, डिजाइनर्स और फ्रीलांसर्स शामिल हैं।

डॉर्बी के डायरेक्टर और सीईओ मेहुल अग्रवाल ने बातचीत के दौरान बताया कि डॉबी की शुरुआत हमने 2017 से की थी सबसे पहले वेस्टर्न जोन से स्टार्ट किया था धीरे- धीरे ये चारों तरफ फैल गया। सभी डीलर्स के पास हमारी कलेक्शन मिलेगी लेकिन हर कस्टमर वेराईटी चाहता है और सारी वैराइटी डीलर्स रख नहीं सकते। इसलिए हमने सोचा अपना स्टोर खोलना चाहिए। जिससे हमारी सारी कलेक्शन कस्टमर एक जगह पर देख सकें।

मेहुल अग्रवाल आगे कहते हैं कि इंडिया बहुत बड़ा है, यहा मार्केटिंग करना बहुत मुश्किल है। मैं ये जरूर कह सकता हूं कि पांच साल में हमने इतना कर लिया कि ऐसी कोई जगह नहीं कि डॉर्बी आपको न मिले।

मेहुल अग्रवाल ने ये भी कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ माल बेचना नहीं है, हम चाहते हैं यह अपनी अलग पहचान बनाए लोग इसे इसके डिजाइन्स के लिए जानें। दूसरा प्राइजिंग भी हमारी सबसे अलग है। हमारे पास 800 से 8000 तक की प्राइजिंग है। साथ ही डॉर्बी मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में आगामी एक्सपीरियंस सेंटर्स के साथ अपनी मौजूदगी बढ़ाने की योजना में है। मेहुल अग्रवाल बताते हैं कि कीर्ति नगर, दिल्ली में अपने अत्याधुनिक 'डॉर्बी एक्सपीरियंस सेंटर' भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया है यह एक नहींकई उद्देश्यों के लिये होगा और उद्योग से जुड़े अनगिनत साझेदारी के काम आएगा। दिल्ली हमारे उत्पादों के पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में मार्केटिंग के लिये एपिसेंटर का काम करेगी। यह रणनीतिक फैसला डॉर्बी को उस बाजार में फलने-फूलने का मौका देता है, जहाँ ग्राहक अच्छी गुणवत्ता के ब्राण्ड्स की तारीफ करते हैं और उनमें निवेश करने की इच्छा रखते हैं। इस एक्सपीरियंस सेंटर के लॉन्च से हम उत्साहित हैं और अपने ग्राहकों को अपने कलेक्शंस का समृद्ध अनुभव देने की आशा करते हैं।''

बजाज फिनसर्व हेल्थ ने किया विडाल हेल्थकेयर सर्विसेज का अधिग्रहण

नईदिल्ली, एजेंसी। बजाज फिनसर्व लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बजाज फिनसर्व हेल्थ लिमिटेड ने विडाल हेल्थकेयर सर्विसेज लिमिटेड में पूरी 100 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। बजाज फिनसर्व हेल्थ ने यह अधिग्रहण 325 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर हुआ है। पुणे स्थित बजाज फिनसर्व हेल्थ पहली डिजिटल हेल्थ टेक कंपनी है। कंपनी का बड़ा नेटवर्क है। कंपनी के पास एक लाख से ज्यादा चिकित्सक, 5,500 लैब और 2,100 अस्पतालों का नेटवर्क है। यह आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ भागीदार है। कंपनियों की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, 325 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर यह अधिग्रहण मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। सौदा पूरा होने पर विडाल और उसकी सब्सिडियरी कंपनी बजाज हेल्थ की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनियां बन जाएंगी। बयान में कहा गया कि इस अधिग्रहण से लोगों की अस्पताल में भर्ती होने संबंधी जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने में बजाज हेल्थ की क्षमताओं का विस्तार करने में मदद मिलने की संभावना है। बजाज फिनसर्व हेल्थ के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर देवांग मोदी के मुताबिक, यह अधिग्रहण बजाज हेल्थ को लोगों को ओपीडी, देखभाल के साथ-साथ अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों में लगेंगे छह लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर, निजी कंपनी को दी गई जिम्मेदारी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शहर में जल्द छह लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर और लगाए जाएंगे। ये मीटर औद्योगिक और आवासीय दोनों ही क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। इस बार अधिक किलोवाट क्षमता के औद्योगिक मीटर भी शामिल हैं। इस काम के लिए निजी कंपनी को जिम्मेदारी दे दी गई है।

इसका एक कार्यालय केस्को और दूसरा दक्षिणांचल विद्युत निगम में बनाया जाएगा। अब तक शहर में करीब एक लाख 56 हजार स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग चुके हैं।प्रीपेड स्मार्ट मीटर को मोबाइल फोन की तरह रिचार्ज किया जा सकेगा। अभी घरेलू जरूरतों के लिए सबसे कम एक किलोवाट के मीटर लगाए गए हैं। वहीं, औद्योगिक उपयोग के लिए 25 किलोवाट क्षमता के मीटर लगाए गए हैं। नए स्मार्ट मीटर का सबसे अधिक फायदा उद्योगों को होगा। केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन के मुताबिक नए स्मार्ट मीटर एक किलोवाट से लेकर 25, 50 और 100 किलोवाट के रहेंगे। इनकी बुकिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी। सबसे पहले कार्यालयों, औद्योगिक क्षेत्रों में मीटर लगाए जाएंगे।

स्मार्ट मीटरों से सिक्योरिटी सिस्टम होगा बेहतर- केस्को में एकीकृत राजस्व प्रबंधन प्रणाली लागू हो गई है, जिससे किसी भी बिजली निगम में उपभोक्ता बिल जमा कर सकेंगे। इससे मॉनीटरिंग करना आसान हो जाएगा। केस्को के अधिकारी रेवेन्यू पर नजर रख सकेंगे। इसमें सिक्योरिटी सिस्टम बेहतर रहेगा। किसी भी तरह की सेंधमारी नहीं हो सकेगी। साइबर अपराधी हैक नहीं कर पाएंगे।

केबल, ट्रांसफार्मर, सबस्टेशन के अपग्रेडेशन पर केस्को खर्च करेगा 40 करोड़- केस्को की ओर से बिजनेस प्लान 2024-25 के लिए बुधवार को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक की गई। इसमें 40 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पेश किए गए हैं, जिस पर सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। केस्को बिजली तंत्र की सुधार की दिशा में इस बजट को खर्च करेगा। बोर्ड के अधिकारियों ने प्रस्ताव की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

बैठक में केस्को ने रखे प्रस्ताव, बोर्ड ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट- केस्को को बिजनेस प्लान के तहत 40 करोड़ का बजट मिला है। इस राशि को खर्च करने के लिए विभाग की ओर से 258 प्लान तैयार किए गए। इसमें ट्रांसफार्मर का रखरखाव, केबल को बदलना, सबस्टेशन का अपग्रेडेशन आदि शामिल है। केस्को के पीआरओ श्रीकांत रंगीला के मुताबिक प्रस्ताव के अनुसार विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया है।

ये प्रस्ताव रखे गए- बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई। अधिकारियों के मुताबिक इसमें पेश किए गए प्रस्ताव के अनुसार 6.27 करोड़ रुपये से 33 केवी लाइन की अंडरग्राउंड केबल का काम, 11 केवी वीसीबी, 33 केवी कंट्रोल पैनल, लाइन आइसोलेटर, बैटरी चार्जर आदि के 18 काम होने हैं।

डिफेंस कॉरिडोर में पहले बनेंगे तोप के गोले, अदाणी समूह ने 1500 करोड़ का किया है निवेश

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में साढ़ के डिफेंस कॉरिडोर में सबसे पहले मार्च से तोप के गोले बनने शुरू हो जाएंगे। अलग-अलग कैलिबर वाली तोपों के गोलों के निर्माण के लिए मशीनरी का सेटअप लगने लगा है। अदाणी समूह ने यहां पर 1500 करोड़ का निवेश किया है। चार शेड में तोप, मशीनगन, मोर्टार, हैंड ग्रेनेड समेत अन्य हथियार बनाए जाएंगे।

अदाणी समूह साढ़ में एम्यूनेशन कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर रहा है। इसके लिए अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को कानपुर नोड में जमीनों का आवंटन कराकर रजिस्ट्री भी करा दी गई है। बाउंड्रीवाल और जमीन के समतलीकरण का काम पहले ही पूरा हो चुका है। यहां पर चार अलग-अलग शेड बनाए जाने हैं। एक शेड बनकर तैयार हो गया और दूसरे का काम शुरू हो गया है। अदाणी समूह ने मेसर्स आग्नेय सिस्टम लिमिटेड कंपनी बनाई है। इस कंपनी ने बुल्गारिया की डिफेंस कंपनी अरमैको जेएससी के साथ करार किया है। जो इस्राइल की तकनीक के जरिये नए-नए हथियार और गोला-बारूद बनाएगी।

इनका होगा निर्माण- अलग-अलग कैलिबर के और सभी प्रकार के तोप, मशीनगन, पिस्टल, रिवाल्वर, ग्रेनेड, रॉकेट, मोर्टार बनाए जाएंगे। इसमें 40 एमएमआरपी ग्रेनेड राउंड्स, 40 एमएम लो वेलोसिटी एचई ग्रेनेड, सभी प्रकार के 68, 70,73 एमएम के रॉकेट, सभी प्रकार के 81, 84, 120 एमएम मोर्टार बनेंगे।

मार्च से तोप के गोले बनने शुरू हो जाएंगे- सभी उत्पादों की प्रतिवर्ष भार के अनुसार न्यूनतम 50 हजार से 15 लाख पीस उत्पाद तैयार होंगे। उपायुक्त उद्योग सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर में मार्च से तोप के गोले बनने शुरू हो जाएंगे। करीब डेढ़ से दो लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि पहले शेड में अलग-अलग तोप के शेल गोले बनाए जाएंगे।

चुकंदर के गुण

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक सब्जी है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और कम मात्रा में प्रोटीन और वसा पाया जाता है। इसका जूस सब्जियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। यह प्राकृतिक शुगर का सबसे अच्छा स्त्रोत है। इसमें सोडियम, पोटेशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, आयोडीन, आयरन, विटामिन बी1, बी2, और सी पाया जाता है। इसमें कैलोरी काफी कम होती है। इसका जूस कई बीमारियों के उपचार में लाभदायक होता है।

एनीमिया – चुकंदर का जूस मानव शरीर में खून बनाने की प्रक्त्रिया में उपयोगी होता है। आयरन की प्रचुरता के कारण यह लाल रक्त कोशिकाओं को सक्त्रिय और उनकी पुर्नरचना करता है। यह एनीमिया के उपचार में विशेष रूप से उपयोगी होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

पाचन – चुकंदर का जूस पीलिया, हेपेटाइटिस, मतली और उल्टी के उपचार में लाभप्रद होता है। चुकंदर के जूस में एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर इन बीमारियों में तरल भोजन के रूप में दिया जा सकता है। गैसट्रीक अल्सर के उपचार के दौरान सुबह नाश्ते से पहले एक गिलास चुकंदर के जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर पीएं।

कब्ज और बवासीर – चुकंदर के नियमित सेवन से कब्ज से बचा जा सकता है। यह बवासीर के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। रात में सोने से पहले एक गिलास या आधा गिलास जूस दवा के तौर पर पीना फायदेमंद होता है।

कई अन्य बीमारियों के लिए उपयोगी – चुकंदर का जूस अकार्बनिक कैल्शियम को संग्रहित करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। इस कारण यह उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियों और पाव की नसों के लिए उपयोगी होता है। किडनी और पित्ताशय विकार में चुकंदर के रस में गाजर और खीरे के जूस को मिलाकर पीना उपयोगी होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद – सफेद चुकंदर को पानी में उबाल कर छान लें। यह पानी फोड़े, जलन और मुहासों के लिए काफी उपयोगी होता है। खसरा और बुखार में भी त्वचा को साफ करने में इसका उपयोग किया जा सकता है।

रूसी – चुकंदर के काढ़े में थोड़ा सा सिरका मिलाकर सिर में लगाएं। या सिर पर चुकंदर के पानी में अदरक के टुकड़े को भिगोकर रात में मसाज करें। सुबह बालों को धो ले।

अपेंडिसाइटिस में सीटी स्कैन से सुरक्षित है अल्ट्रासाउंड

अपेंडिसाइटिस में सर्जरी की जरूरत का पता लगाने के लिए अल्ट्रासाउंड तकनीक ज्यादा कारगर और सुरक्षित है। एक सर्वे में पता चला है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक सीटी स्कैन के मुकाबले अधिक सुरक्षित है। सीटी स्कैन में अलग-अलग कोणों से एक्सरे तस्वीरें ली जाती हैं, जबकि अल्ट्रासाउंड ध्वनि तरंगों पर निर्भर तकनीक है।

वाशिगटन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने 423 बच्चों पर अध्ययन करके पाया कि अपेंडिसाइटिस की आशका में ज्यादातर को सीटी स्कैन से गुजरना पड़ता है। माना जाता है कि किसी भी स्कैनिंग तकनीक से अपेंडिसाइटिस को न सिर्फ जल्दी पहचाना जा सकता है, बल्कि सर्जरी को भी टाला जा सकता है। लेकिन हाल में आए कुछ अध्ययन बताते हैं कि सीटी स्कैन के दौरान विकिरणों के संपर्क में आने से बच्चों में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

शोधकर्ता जैकलीन सैटो के मुताबिक, अपेंडिसाइटिस का पता लगाना मुश्किल होता है, क्योंकि इसके लक्षण वायरल संक्त्रमण और दूसरी समस्याओं से मिलते-जुलते होते हैं। अगर सही समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए, तो यह स्वास्थ्य लाभ को धीमा और पेचीदा बना सकता है। बड़ी आत की शुरुआत में एक छोटी थैली होती है, जिसे अपेंडिक्स कहते हैं। अपेंडिक्स में सूजन, रुकावट या संक्त्रमण की स्थिति को अपेंडिसाइटिस कहा जाता है। इसमें तेज पेट दर्द, उल्टी और बुखार जैसी शिकायतें होती हैं।

देख सकेंगे नेत्रहीन

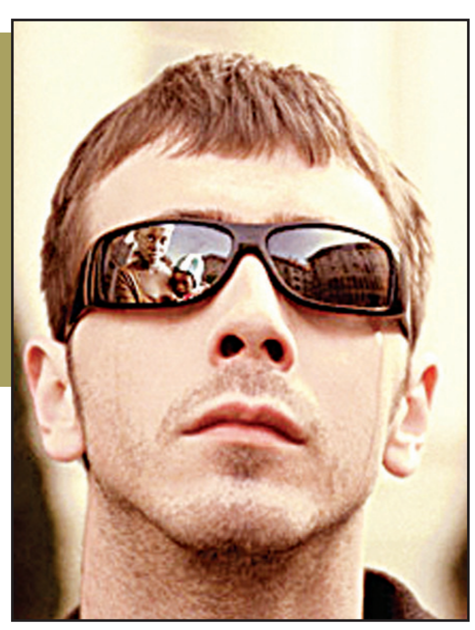

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा इंजेक्शन विकसित करने का दावा किया है जिसके जरिये लाइट-सेंसिंग सेल्स इंजेक्ट करके आखों की रोशनी को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है।

यदि सबकुछ सही चलता रहा तो दुनिया देखने की ख्वाहिश रखने वाले नेत्रहीनों के लिए यह नया इंजेक्शन किसी वरदान से कम नहीं साबित होगा। जी हा, यह इंजेक्शन उन्हें अब दुनिया देखने की शक्ति प्रदान करेगा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा इंजेक्शन विकसित करने का दावा किया है जिसके जरिये लाइट-सेंसिंग सेल्स इंजेक्ट करके आखों की रोशनी को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि पूरी तरह दृष्टिहीन चूहे पर इसका प्रयोग सफल रहा है। अभी मनुष्यों पर इसे आजमाना बाकी है। मालूम हो कि रेटिनीटिस पिग्मेंटोसा के मरीजों में रेटिना की लाइट-सेंसिंग सेल्स धीरे-धीरे खत्म हो जाती हैं। अंत में व्यक्ति की आखों की रोशनी बिल्कुल चली जाती है और वह दृष्टिहीन हो जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह इंजेक्शन दो सप्ताह बाद अपना असर दिखाना शुरू कर देता है। इंजेक्शन देने के दो हफ्ते बाद से खत्म हो रही रेटिना की कोशिकाएं फिर से बननी शुरू हो जाती हैं। शोध से जुड़े प्रोफेसर रॉबर्ट मैकलैरेन के मुताबिक यह पहला मौका है जबकि पूरी तरह से नेत्रहीन चूहे पर इस तरह का प्रयोग किया गया है। इससे पूर्व आशिक दृष्टिहीन चूहों पर ही प्रयोग किए गए। यह अध्ययन प्रोसीडिंग ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस जनरल में प्रकाशित किया गया।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्मोकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है।

चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्मोकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

इसके लिए चूहों को दो ग्रुप में बाटा गया। पहले ग्रुप में स्वस्थ चूहे, जबकि दूसरे में किडनी के रोगी चूहे रखे गए। स्वस्थ चूहों को लगातार एलोवेरा का डोज दिया गया, जिसके बाद उनमें किडनी रोग का संक्त्रमण नहीं लगा। जिन चूहों की किडनी फेल की गई थी, उन्हें एक माह तक एलोवेरा की खुराक ने पूरी तरह ठीक कर दिया। एलोवेरा की खुराक से चूहों के लीवर की क्षमता भी बढ़ी मिली।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

व्यायाम को बढ़ावा देता है प्रोटीन

नियमित व्यायाम करने का प्रयास तो कई लोग करते हैं लेकिन ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जो इस संकल्प पर टिकें। अब शोधकर्ताओंको ऐसे प्रोटीन के बारे में पता चला है कि जो न केवल व्यायाम को बढ़ावा देता है, बल्कि लोगों के काम करने के स्तर को बरकरार रखता है।

शोधकर्ताओं को व्यायाम के दौरान प्रमुख रोल अदा करने वाला प्रोटीन सीबी1 केनाबिनॉयड मिला है। व्यायाम करने के दौरान मजा नहीं आता। यही वजह है कि लोग इससे दूर भागते हैं। ऐसे में साफ होता है कि दिमाग का व्यायाम में अहम हिस्सा है।

मुख्य शोधकर्ता ने बताया कि दिमाग व्यायाम के लिए लोगों को मानसिक रूप से तैयार करता है। सीबी1 दिमाग को व्यायाम के लिए तैयार करता है। बायोलॉजिकल साइकिआट्री जर्नल में छपे लेख में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों में यह प्रोटीन ज्यादा होता है, वे व्यायाम की उबाऊ प्रक्रिया के दौरान भी उत्साहित रहते हैं।

आध्यात्म से बढ़ जाता है मानसिक बीमारी का खतरा

आध्यात्मिक व्यक्तियों के मानसिक तौर पर बीमार होने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। हालिया हुए एक अध्ययन के मुताबिक आध्यात्म व्यक्ति को मानसिक बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बना देता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि खुद को धार्मिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक मानने वाले मानसिक तौर पर ज्यादा बीमार होते हैं। इसके साथ ही उनमें खाने-पीने में अनियमितता, चिंता, न्यूरोसिस और कई तरह के विकार घर कर जाते हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे लोग आम लोगों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दवाइयों का प्रयोग भी कहीं अधिक करते हैं।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रोफेसर माइकल किंग के मुताबिक जो लोग जिंदगी को आध्यात्म के नजरिए से देखते हैं वे मानसिक तौर पर ज्यादा परेशान रहते हैं, अपेक्षाकृत उन लोगों के जो न तो धार्मिक होते हैं और न ही आध्यात्मिक। यह अध्ययन लंदन की करीब 7403 महिलाओं और पुरुषों से आध्यात्म और धर्म के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित है। पाया गया कि आध्यात्मिक लोगों में अन्य की तुलना में मानसिक बीमारिया होने की आशंका 50 फीसद अधिक होती है। ऐसे लोगों के दवाइयों के आदी हो जाने की आशंका 77 फीसद अधिक होती है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि इस अध्ययन के संदर्भ में व्यापक परीक्षण करने की जरूरत है।

दूसरे टेस्ट में जीत के साथ वापसी करना चाहेगी भारतीय टीम

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय टीम शुक्रवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले ही टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। जिससे वह सीरीज में ।-0 से पीछे है। इस मैच में भारतीय टीम को ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और केएल राहुल के बिना उतरना होगा। ऐसे में युवा सरफराज खान और रजत पाटीदार को खेलने का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम पहले मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस मैच में भारतीय बल्लेबाज मेहमान टीम के स्पिनरों के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। इसी कारण टीम ने जमकर अभ्यास भी किया था। भारतीय बल्लेबाजों को नेट्स में परंपरागत शॉट्स के साथ स्वीप शॉट और रिवर्स स्वीप शॉट भी अभ्यास करते देखा गया था। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस मैच में भी नहीं खेलेंगे, वहीं जडेजा और राहुल बाहर हो गये हैं। इस प्रकार कुल तीन अहम खिलाड़ियों की कमी युवा खिलाड़ियों को पूरी करनी होगी। इससे भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में बदलाव देखा जाएगा। इन हालातों में पाटीदार, सरफराज और र वाशिंगटन सुंदर के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है।

इस मैच में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल को भी रन बनाने होंगे, पिछले कुछ समय से ये दोनो ही लय में नहीं हैं। इसके अलावा कप्तान रोहित को अपनी पारी को मैच जिताने वाली पारी में बदलना होगा। रोहित शर्मा चार हजार टेस्ट रन पूरे करने से 200 रन दूर हैं और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस मैच में ये उपलब्धि हासिल कर लेंगे।

भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले भी दो टेस्ट खेले हैं और यहां उसका रिकॉर्ड

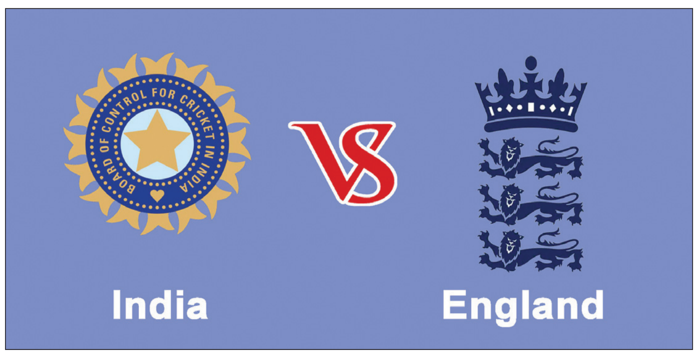

शानदार रहा है। ऐसे में उसका पलड़ा भारी नजर आ रहा है। दूसरी ओर पहला टेस्ट जीतकर इंग्लैंड की टीम का मनोबल भी बढ़ा हुआ है और वह इस मैच में भी पूरे उत्साह से उतरेगी हालांकि प्रमुख स्पिनर जैक लीच के नहीं होने से उसे झटका लगा है। ऐसे में टीम युवा स्पिनर शोएब बशीर को उतार सकती है। तेज गेंदबाज के तौर पर उसके पास मार्क वुड और जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त करने वाले स्पिनर टॉम हार्टले इस मैच में भी वही प्रदर्शन दोहराना चाहेंगे। जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम के पास जो रुट जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। पहले टेस्ट में नाबाद शतक लगाकर मैच को अपनी टीम की ओर मोड़ने वाले ऑली पोप इस मैच में भी जबरदस्त प्रदर्शन करना चाहेंगे। ऑली की पारी से ही इंग्लैंड टीम को पहले मैच में जीत मिली थी।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, के एस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा और मोहम्मद सिराज

इंग्लैंड= बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फॉक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, शोएब बशीर, मार्क वुड और जेम्स एंडरसन।

चेन्नई ओपन में भारतीय पुरुष एकल चुनौती की अगुआई करेंगे सुमित नागल

मुम्बई (एजेंसी)। हाल में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में वरीय खिलाड़ी को पराजित करने वाले पहले भारतीय बने सुमित नागल रविवार से शुरू होने वाले चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर 100 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। नागल (26 वर्ष) ने पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीय और विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज एलेक्जेंडर बुलब्लिक को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। अभी उनकी विश्व रैंकिंग 121 है। रामकुमार रामनाथन और मुकुंद शशिकुमार पुरुष एकल में अन्य भारतीय खिलाड़ी होंगे जिन्हें मुख्य ड्रा में वाइल्डकार्ड दिया गया है। इटली के लुका नार्डी शीर्ष वरीय खिलाड़ी होंगे। टूर्नामेंट में 14 देशों के खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं लेकिन पिछले साल के विजेता आस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल इस दफा हिस्सा नहीं ले रहे हैं क्योंकि वह अन्य एटीपी प्रतियोगिता में खेल रहे हैं। युगल वर्ग में भारत के अर्जुन काधे और जीवन नेदुनचेझियान शीर्ष वरीय हैं। देश में खेले जाने वाली चार चैलेंजर सीरीज में यह पहला टूर्नामेंट हैं जबकि अन्य बेंगलुरु, पुणे और दिल्ली में खेले जायेंगे। एकल मुख्य ड्रा में 32 खिलाड़ी और युगल में 16 जोड़ियां हार्डकोर्ट पर उतरेंगी जिसकी कुल पुरस्कार राशि 1,33,250 डॉलर होगी। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी और तमिलनाडु टेनिस संघ के अध्यक्ष विजय अमृतराज ने कहा, ''एटीपी चैलेंजर जैसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करना सबूत है कि ये भारतीय खिलाड़ियों को विश्व मंच पर शानदार प्रदर्शन करने के लिए फायदेमंद हैं।' उन्होंने रोहन बोपन्ना को आस्ट्रेलियाई ओपन युगल खिताब जीतने और एटीपी युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए बधाई देते हुए कहा, ''मैं रोहन बोपन्ना को दुनिया का नंबर एक युगल खिलाड़ी बनने और आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने के लिए बधाई देकर खुश हूं। यह रोहन के शानदार उपलब्धि है और 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब मिलना और ज्यादा शानदार है।

अंडर 19 विश्व कप: आखिरी सुपर सिक्स मैच में नेपाल से होगा भारत का सामना

ब्लोमफोन्टेन (एजेंसी)। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शुक्रवार को यहां आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के ग्रुप वन के आखिरी सुपर सिक्स मैच में उतरेगी तो नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरने का लक्ष्य होगा। सुपर सिक्स से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।

पाकिस्तान (प्लस 1.06) और भारत (प्लस 3.32) दोनों के छह अंक हैं लेकिन नेट रनरेट बेहतर होने से भारत शीर्ष पर है। उदय सहारन की कप्तानी वाली भारतीय टीम अभी तक हारी नहीं है और नेपाल जैसी कमजोर टीम से किसी उलटफेर की उम्मीद भी नहीं है। भारत ने ग्रुप वन में सारे मैच जीते हैं जबकि नेपाल ने एक भी मैच नहीं जीता।

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज के छोटे भाई मुशीर खान ने 81 से ऊपर की औसत से दो शतक समेत 325 रन बनाए हैं। मुशीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 जनवरी को 126 गेंद में 131 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने 214 रन से जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर स्वामी कुमार पांडे ने अभी तक 12 विकेट ले लिए हैं। इन दोनों के अलावा कप्तान सहारन, विकेटकीपर बल्लेबाज अरावल्ली अवनीश, आक्रामक हरफनमौला अर्शिन कुलकर्णी ने भी समय समय पर उम्दा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह लगातार अच्छा नहीं खेल सके हैं लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक से उनका आत्मविश्वास बढा होगा । बायें हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है। नेपाल ने प्रारंभिक चरण में अफगानिस्तान को हराया था जिसमें कप्तान देव खानाल ने 58 रन बनाये जबकि मध्यम तेज गेंदबाज आकाश चंद ने पांच विकेट लिए थे।

सरफराज या पाटीदार में से किसी एक का चयन करना कठिन : राठौड़

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि यहां शुक्रवार से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सरफराज खान या रजत पाटीदार में से किसे अंतिम ग्यारह में अवसर मिलेगा बता पाना कठिन है क्योंकि दोनो का ही प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। केएल राहुल और रविन्द्र जडेजा के चोटिल होने के कारण टीम में हुए बदलाव के तहत ही रजत और सरफराज को टीम में जगह मिली है।

राठौड़ ने हाल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर का भी बचाव किया। राठौड़ ने सरफराज और पाटीदार में से किसी अवसर मिलेगा। इसको लेकर कहा कि यह एक कठिन विकल्प होगा। हाल में रजत का प्रदर्शन काफी अच्छा

रहा है। उन्होंने इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की है। उन्होंने अपने पूरे जीवन में रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के लिए नंबर 4 और नंबर 5 पर बल्लेबाजी की है और 46 की औसत से 4000 रन बनाए हैं। दूसरी ओर सरफराज ने भी पिछले तीन मैचों में मुंबई और भारत ए की ओर से नंबर 5 पर बल्लेबाजी की है।दूसरे टेस्ट से पहले पुरुष चयन समिति ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को भी भारतीय टीम में शामिल किया है।

सरफराज भी इस मैच में अंतिम ग्यारह में जगह हासिल कर सकते हैं। केएल राहुल अभी दाहिने जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह सरफराज को अवसर मिल सकता है। इसके अलावा सौरभ कुमार, वॉशिंगटन सुंदर और रजत पाटीदार भी जगह बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतिम ग्यारह का फैसला कोच और कप्तान लेंगे और इसपर वह कुछ नहीं कह सकते।

इंग्लैंड के स्पिनर लीच दूसरे टेस्ट से बाहर हुए , बशीर को मिल सकता है अवसर

विशाखापत्तनम ।इंग्लैंड के स्टार स्पिनर जैक लीच चोटिल होने के कारण शुक्रवार से यहां भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं ।जैक का बाहर होना मेहमान टीम के लिए एक करारा झटका है ।इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि लीच घुटने में चोट के कारण दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे ।लीच को ये चोट हैदराबाद में हुए पहले क्रिके टेस्ट मैच में लगी थी ।लीच ने पहले मैच में चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी ।अब उनके नहीं खेलने से टीम को गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा ।लीच इंग्लैंड की वर्तमान टीम के सबसे अनुभवी और सफल स्पिनर हैं ।ऐसे में अब उनके बाहर होने पर नये गेंदबाज शोएब बशीर को अवसर मिल सकता है ।बशीर हाल ही में टीम ने जुड़े हैं ।20 साल के बशीर ऑफ स्पिनर हैं ।विशाखापत्तनम की पिच स्पिनरों की सहायक हो सकती है ।इसी कारण उन्हें लीच का सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है ।इस स्पिनर ने हालांकि अब तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है ।लीच के बाहर होने के बाद भी मेहमान टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नहीं कहा जा सकता है क्योंकि उसके पास टॉम हार्टली जैसा स्पिनर भी है ।हार्टली ने पहले टेस्ट में शानदार गेंदबाजी कर सबसे ज्यादा विकेट लिए थे ।

कुश्ती महासंघ के निलंबित अध्यक्ष संजय बोले, सरकार से बात कर निलंबन समाप्त कराने का प्रयास करेंगे

नई दिल्ली ।भारतीय कुश्ती महासंघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह का कहना है कि वह अगले दस दिनों में सरकार से बात कर अपना निलंबन समाप्त कराने और कामकाज शुरु करने का प्रयास करेंगे ।संजय को कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद के चुनावों में जीत मिली थी लेकिन यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व अध्यक्ष बुजभूषण शरण सिंह का करीबी होने के कारण पहलवानों ने उनका विरोध किया था जिसके बाद खेल मंत्रालय ने संजय को अध्यक्ष पद से निलंबित कर दिया था ।सिंह ने कहा कि वह पहलवान विनेश फोगट और साक्षी मलिक से मिलेंगे और ये पक्का करेंगे कि उनकी शिकायतों का निवारण अदालतों में हो। संजय ने कहा कि अभी 2 ओलिम्पिक क्वालीफाइंग इवैंट शेष हैं। ऐसे में पुणे नेशनल्स के विजेताओं को शिविर में बुलाकर हम परीक्षण करेंगे और उन्हें क्वालीफायर में भेजेंगे। साथ ही कहा कि मुझे विश्वास है कि 4 से 5 और पहलवान ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे। अंतिम पंघाल पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। संजय ने कहा कि खेल मंत्रालय ने जो तदर्थ समिति गठित की है वह नियमों के खिलाफ है। साथ ही कहा कि एक बार जब हमें जिम्मेदारी मिल जाएगी तो हम अच्छे पहलवानों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे जिससे ओलंपिक के लिए योग्य पहलवानों को अवसर मिलेगा।

ऋषभ पंत कार हादसे को यादकर बोले– 'एक्सीडेंट के बाद पैर खोने का डर था'

नई दिल्ली।भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि 13 महीने पहले हुए भयावह कार हादसे के बाद उन्हें अपना दाहिना पैर गंवाने का डर था।पंत दिसंबर 2022 में दिल्ली से अपने परिवार के पास अपने शहर रूड़की जा रहे थे जब उनकी कार सड़क के बीच डिवाइडर से टकरा गई।वह उस समय मीरपुर टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाकर बांग्लादेश से लौटे ही थे।उन्होंने स्टार स्पोटर्स की सीरिज 'बिलीव - टू डैथ एंड बैक' में कहा,'' अगर कोई नस क्षतिग्रस्त होती तो पैर गंवाने का डर था।मैं उस समय डर गया था।'' पंत ने कहा,'' मैंने एसयूवी ली थी लेकिन वह बाद में सेडान लग रही थी।'' हादसे को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनके दाहिने घुटने की हड्डी खिसक गई थी और उन्हें काफी दर्द हो रहा था।उन्होंने कहा,'' वहां आसपास कोई था तो मैंने पूछा कि पैर को वापिस जगह पर लाने में मदद कर सकता है।उसने मेरे घुटने को सही जगह पर पहुंचाने में मदद की।'' दो व्यक्तियों रजत कुमार और निशु कुमार ने पंत को उनकी एसयूवी से निकाला जो बाद में आग की लपटों में थी। पंत ने कहा,'' जीवन में पहली बार ऐसा महसूस हुआ।हादसे के समय चोट के बारे में तो पता था लेकिन मैं खुशकिस्मत था क्योंकि यह और गंभीर हो सकती थी।'' पंत का शुरूआती इलाज देहरादून में हुआ जिसके बाद उन्हें हवाई जहाज से मुंबई ले जाया गया जहां बीसीसीआई ने विशेषज्ञ से उनका इलाज कराया। दाहिने घुटने के सभी तीनों लिगामेंट के आपरेशन के बाद पंत ने बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन शुरू किया। पंत मार्च में आईपीएल के जरिये वापसी कर सकते हैं।

तीसरे टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं विराट कोहली, बीसीसीआई ने वापसी पर साधी चुप्पी

मुम्बई (एजेंसी)। 2 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच विशाखापट्टनम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज नहीं दिखेंगे। दरअसल, 5 मैचों की सीरीज शुरू होने से पहले ही शुरू के दो टेस्ट मैचों से निजी कारणों का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन अब तीसरे टेस्ट में भी उनके खेलने की संभावनाएं कम ही हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने कोहली की वापसी पर चुप्पी साध रखी है।

भारत को उस समय बड़ा झटका लगा था जब कोहली पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए थे। बीसीसीआई ने उस दौरान मीडिया से कहा कि कोहली कुछ खेलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

लेकिन 2 फरवरी से होने वाले मुकाबले के साथ कोहली की उपलब्धता पर ध्यान देना बाकी है। स्टार बल्लेबाज कोहली की गौरमौजूदगी में हैदराबाद में दूसरी पारी में भारत के बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। जिस कारण भारत को 28 रनों से हार झेलनी पड़ी।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली फिलहाल भारत में नहीं हैं। स्टार बल्लेबाज विदेश में हैं और ऐसे में कोहली की टीम इंडिया में वापसी पर सवाल खड़े हो गए हैं। ये देखना होगा कि भारत के पूर्व कप्तान कब टीम में वापसी करते हैं।

चोट के कारण मेस्सी का सामना नहीं कर सकेंगे रोनाल्डो

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो चोट के कारण लियोनेल मेस्सी के खिलाफ बहुचर्चित नुमाइशी फुटबॉल मैच नहीं खेल सकेंगे।रोनाल्डो के क्लब अल नासर और मेस्सी के इंटर मियामी के बीच बृहस्पतिवार को यहां मुकाबला होना है।अल नासर के कोच लुईस कास्ट्रो ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'क्रिस्टियानो अभी पूरी तरह से फिट नहीं है। उम्मीद है कि वह अगले कुछ दिन में फिट हो जाएगा। वह इंटर मियामी के खिलाफ नहीं खेल सकेगा।' मेस्सी और रोनाल्डो की प्रतिद्वंद्विता स्पेन में बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड के लिए खेलने के दिनों से चली आ रही है।दोनों मिलकर पिछले 15 में से 13 बलोन डिओर पुरस्कार जीत चुके हैं।

टेस्ट खेलने को लेकर उत्साहित हैं रजत पाटीदार

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। बल्लेबाज रजत पाटीदार इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिलने से बेहद उत्साहित हैं। रजत ने कहा कि टेस्ट टीम में जगह मिलना सबसे सुखद अनुभव है। कहा कि वह टेस्ट खेलने के लिए उत्साहित हैं। केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के चोटिल होने के कारण और विराट कोहली के निजी कारणों से इस मैच से बाहर होने के कारण ही पाटीदार को अवसर मिल पाया है। बीसीसीआई के एक वीडियो में पाटीदार ने कहा, जब भी कोई खिलाड़ी घायल हो जाता है, तो उसके लिए यह बेहद कठिन हो जाता है। मैंने स्वयं से कहा कि मैं अपना रिकवरी समय नहीं बदल सकता, अपने को वर्तमान में रखा और इसे स्वीकार किया। चोट से वापसी करते हुए अपना पहला टेस्ट कॉल-अप पाना मेरे लिए सबसे खुशी की बात है क्योंकि भारत के लिए टेस्ट खेलना मेरा सपना रहा था। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और नेट्स में कप्तान रोहित के साथ बल्लेबाजी पर सलाह हासिल करते रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरी बल्लेबाजी शैली आक्रामक है और मैं अपने घरेलू क्रिकेट के दिनों से ही इसी तरह खेलता आया हूं। यह मेरी आदत है, यह अच्छी तैयारी से ही हुई है। विरोधी खिलाड़ी कैसे गेंदबाजी करते हैं, वहीं रोहित जैसे खिलाड़ी कैसे इसका सामना करते हैं, मैं इसे अपने खेल में लाने का प्रया करता हूं।

इस बल्लेबाज ने माना कि उन्हें विराट को बल्लेबाजी करते हुए देखना पसंद है विशेष रुप से उनके फुटवर्क और बॉडी मूवमेंट का ध्यान रखना। पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेला है। वहीं विराट आरसीबी के कप्तान रहे हैं। पाटीदार ने कहा, मैं हमेशा नेट्स के पीछे से विराट की बल्लेबाजी को देखता आया हूं।

उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखने में मुझे बहुत मजा आता है। मैं इसे अपने खेल में जोड़ने की कोशिश करता हूं। वहीं इंग्लैंड लायंस के खिलाफ जारी तीन अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में पाटीदार ने 111 रन बनाए जबकि दूसरे में 151 बनाये थे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में महाराष्ट्र पहले, तमिलनाडु दूसरे स्थान पर रहा

चेन्नई ।यहां हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में महाराष्ट्र के खिलाड़ी छाये रहे हैं।उसके खिलाड़ियों ने सबसे अधिक पदक जीतकर अपने पास ओवरऑल चैंपियनशिप बरकरार रखी। महाराष्ट्र के तैराक ऋषभ दास ने पहले लड़कों की 50 मीटर फ़्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता और फिर चार गुणा चार सौ मीटर फ़्रीस्टाइल फाइनल में स्वर्ण पदक तालिका में नंबर एक स्थान हासिल किया।महाराष्ट्र ने कुल 57 स्वर्ण, 48 रजत और 53 कांस्य सहित कुल 156 पदकों के साथ पहला स्थान हासिल किया।मेजबान तमिलनाडु को अंतिम दिन तीन स्वर्ण मिले पर इसके बाद भी वह 38 स्वर्ण, 21 रजत और 39 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर रहा।वहीं हरियाणा 35 स्वर्ण, 22 रजत और 46 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर रहा।दिल्ली की टीम चौथे जबकि राजस्थान की टीम पांचवे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के अंतिम दिन तेलंगाना की वृत्ति अग्रवाल ने कुल पांच स्वर्ण पदक जीते।वृत्ति ने पांच स्वर्ण पदक जीतकर एक रिकॉर्ड बनाया।उन्होंने बुधवार को पहली बार 2-22.89 सेकंड समय निकालकर 200 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीता, और दूसरे स्थान पर रहीं कर्नाटक की रितिका महेश बैंगलोर से लगभग चार सेकंड आगे रहीं।17 वर्षीय वृत्ति ने 2022 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, फिर 17-59.51 सेकंड के समय के साथ 1500 मीटर फ़्रीस्टाइल का ताज हासिल करने के लिए वापस आईं।कर्नाटक की अदिति मुले (18-12.77 सेकेंड) और श्री चरणी तुमु (18-17.85 सेकेंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।राजस्थान के युग चेलानी के पास भी पांच स्वर्ण पदक के साथ समापन करने का मौका था, लेकिन वह लड़कों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में कर्नाटक के एस.धनुष के बाद दूसरे स्थान पर रहे और चार स्वर्ण व एक रजत पदक जीते।

दूसरे टेस्ट से पहले केएस भरत ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा- इंग्लैंड की आक्रामकता से निपटने के लिए योजना है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेटकीपर केएस भरत ने गुरुवार को कहा कि चोटों से प्रभावित भारतीय खेमे में कोई हड़बड़ाहट नहीं है और घरेलू टीम ने यहां दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए नयी योजना बनायी है जिसमें जरूरत पड़ने पर स्वीप शॉट लगाना भी शामिल है। भरत अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलेंगे।

उन्होंने कहा कि टीम ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में रही अपनी खामियों पर काम किया है जिसमें इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए 28 रन से जीत दर्ज की थी। ओली पोप की अगुआई में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने स्वीप और रिवर्स स्वीप शॉट खेलकर भारतीय स्पिनरों का आराम से सामना किया। शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले टेस्ट में उनके इसी जज्बे से खेलना जारी रखने की उम्मीद है।

भरत ने मैच पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''वे काफी अच्छा खेले। श्रेय उनको दिया जाना चाहिए। ओली पोप ने वास्तव में काफी अच्छे शॉट खेले।'' भारतीय टीम अपने स्टार आल राउंडर रविंद्र जडेजा और शीर्ष बल्लेबाज केएल राहुल के बगैर खेलेगी जो चोटिल हो गये हैं। भरत ने कहा, ''हमारी टीम बैठकों में हमने उन चीजों के बारे में बात की जिन्हें हम बेहतर तरीके से कर सकते थे और हां, हमारी निश्चित रूप से कुछ योजनायें हैं। हम निश्चित रूप से देख रहे हैं कि उन्होंने पहले मैच में कैसा खेल दिखाया, कुछ रिवर्स शॉट खेले। इस पर हमने निश्चित रूप से काम किया है।''

भारतीय बल्लेबाज ज्यादा स्वीप शॉट्स नहीं खेलते हैं लेकिन दूसरे टेस्ट से पहले दो ट्रेनिंग सत्र में इन शॉट का अभ्यास करते हुए दिखायी दिये। क्या इसका मतलब है कि घरेलू टीम ज्यादा 'स्क्वायर ऑफ द विकेट' खेलेगी? उन्होंने कहा, ''भारत में हम इस तरह के ट्रैक पर काफी क्रिकेट खेले हैं। ऐसा नहीं है कि हम स्वीप, रिवर्स स्वीप या पेडल शॉट खेलना नहीं जानते, लेकिन टीम की हालात को देखते हुए उस विशेष दिन हम बल्लेबाज फैसला करते हैं।''

भरत ने कहा, ''हमारे लिए बहुत स्पष्ट है कि स्वतंत्रता से खेलें। हमने पहले मैच से पहले भी रिवर्स स्वीप शॉट का अभ्यास किया था। लेकिन क्रीज पर खेलते हुए यह बल्लेबाजी की व्यक्तिगत योजना होती है।'' हैदराबाद में दूसरी

पारी में इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन फिर टॉम हार्टले की खूबसूरत गेंद पर आउट हो गये। उन्होंने कहा, ''अगर टीम एक निश्चित तरीक से खेलने की मांग करती है तो हमें ऐसा ही करना होता है।

जय शाह का कार्यकाल एक साल और बढ़ा

मुंबई ।एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ गया है।इस प्रकार वह लगातार तीसरे साल भी एसीसी अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। एसीसी की आम बैठक में सर्वसम्मति से उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया है। वार्षिक आम बैठक में शाह के कार्यकाल विस्तार का प्रस्ताव श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने दूसरी बार किया और इसे एसीसी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपना समर्थन दिया।शाह जनवरी 2021 में एसीसी अध्यक्ष बने थे।शाह के नेतृत्व में एसीसी ने पूरे एशियाई क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने और विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है।एसीसी ने साल 2022 में टी20 प्रारूप में और 2023 में एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप का सफल आयोजन किया।शम्मी सिल्वा ने कहा कि एसीसी को पूरे एशियाई क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने और विकसित करने और प्रगति की दिशा में ले जाने में जय शाह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मोदी सरकार के अंतरिम बजट को केंद्रीय मंत्री ने उत्साहजनक करार दिया

–विरोधी दलों ने बजट को भाजपा की विदाई वाला बजट बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण ने संसद में केंद्रीय अंतरिम बजट 2024-25 पेश कर दिया है। सरकार के अंतरिम बजट पर नेताओं ने प्रतिक्रिया देकर उत्साहजनक बजट करार दिया। है। वहीं कांग्रेस ने बजट को निराशाजनक बताया है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिम बजट को एक उत्साहजनक बजट बताया है। हमें पूरा विश्वास है कि हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल करने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का कहना है कि सबकुछ विकसित भारत के लिए होगा। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बजट में हर चीज पर चर्चा की गई है।

हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने अंतरिम बजट पर सवाल उठाए। सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह एक वोट-ऑन-अकाउंट है, जिसका एकमात्र उद्देश्य मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए सरकार को वित्तीय स्थिति में बनाए रखना है। चिंता की बात यह है कि 18 लाख करोड़ रुपये का बजट घाटा है। इसका मतलब है कि मोदी सरकार अपने खर्च के लिए उधार ले रही है। यह संख्या देश में अगले साल और बढ़ने वाली है। हम विकसित भारत के लिए गरीब, महिला, किसान, युवा को सशक्त बना रहे हैं।

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मोदी सरकार के अंतरिम बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि बजट भाषण छोटा और निराशाजनक दोनों था। इसमें बहुत कम सार था, बड़ी चूक हुई और कई मुद्दों को छुआ तक नहीं गया। विपक्षी गठबंधन इंडिया में सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वास्तविक बजट जुलाई में आएगा। हमें उम्मीद है कि लोगों को फायदा होगा, पर्यटन बढ़ेगा, देश प्रगति करेगा

शिरोमणी अकाली दल (शिअद) सांसद हरसिमरत कौर बादल ने कहा, मुझे इस बजट में एक अहंकार दिख रहा था कि हम जुलाई में बजट पेश करने वाले हैं। आप किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं ले सकते। आज आपके पास मौका था कि पिछले 10 सालों में किए गए वादों को पूरा करें न कि जनता को और सपने दिखाएं।

वहीं बजट को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश ने अंतरिम बजट को भाजपा की विदाई का बजट करार देकर कहा कि भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया है। भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकार्ड बनाया है, जो फिर कभी नहीं टूटेगा क्योंकि अब सकारात्मक सरकार आने का समय हो गया है। ये भाजपा का 'विदाई बजट' है।

10 फरवरी तक होगा नीतिश सरकार मंत्रिमंडल का विस्तार और विभागों का आवंटन

पटना। बिहार में सत्ता परिवर्तन के साथ ही कैबिनेट विस्तार की चर्चा शुरु हो गई हैं। नीतिश सरकार से जुड़े लोगों ने बताया कि 10 फरवरी को बिहार विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से पूर्वमुख्यमंत्री नीतीश अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर विभागों का आवंटन करने वाले है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में लौटने के बाद कुमार ने पिछले रविवार को फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) या जेडी (यू) और भाजपा के तीन-तीन मंत्रियों, एक स्वतंत्र और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के एक मंत्री ने कुमार के साथ शपथ ली। भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों का आवंटन और फिर उन्हें दुबारा आवंटित करने का कोई मतलब नहीं है। प्रक्रिया जारी है। यह फरवरी के पहले सप्ताह में होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है और विभागों को लेकर किसी भी तरह की अड़चन से इंकार किया। कुमार द्वारा 2022 में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वाम दलों के साथ सरकार बनाने से पहले शिक्षा सहित विभागों को लेकर जद (यू) और भाजपा के बीच मतभेदों ने पिछली एनडीए सरकार को नुकसान पहुंचाया था। विभागों का वितरण 2020 के फॉर्मूले के अनुसार किया जाएगा जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में दो भाजपा उपमुख्यमंत्रियों के साथ एनडीए सरकार बनी थी। उम्मीद की जा रही थी कि कुमार के पास गृह विभाग होगा जबकि भाजपा को वित्त, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिल सकता है। जद (यू) ने 2005 के बाद पहली बार शिक्षा विभाग छोड़ा जब इस 2022 में राजद को दिया गया था। यह विभाग दोनों दलों के बीच विवाद का विषय बना हुआ है।

ज्ञानवापी तहखाने में हिन्दू पक्ष को मिले पूजा के अधिकार के खिलाफ इंतजामियां कमेटी पहुंची हाईकोर्ट

प्रयागराज। वाराणसी जिला जज द्वारा ज्ञानवापी तहखाने में हिंदू पक्ष को मिले पूजा के अधिकार के खिलाफ अंजुमने इंतजामियां कमेटी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इंतजामिया कमेटी ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल करते हुए जिला जज के 31 जनवरी के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। इंतजामियां कमेटी के अधिवक्ताओं ने केस पर तुरंत सुनवाई करने की मांग की। उन्होंने मामले को कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष प्रस्तुत करते हुए तुरंत सुनवाई का अनुरोध किया। लेकिन, कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से इंकार कर दिया और मामले को प्रक्रिया के तहत सूचीबद्ध करने के लिए रजिस्ट्री विभाग से संपर्क करने को कहा है। उधर, इसी मामले में हिन्दू पक्ष वादी शैलेन्द्र कुमार पाठक की ओर से कैविएट दाखिल किया है। कैविएट में मांग की गई है कि अगर इंतजामिया कमेटी कोई याचिका दाखिल करती है तो मामले में कोई भी आदेश करने से पहले उनका पक्ष सुना जाय।

शिष्या से दुष्कर्म के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद को एमपीएमएलए कोर्ट ने किया बरी

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में शिष्या से दुष्कर्म के 12 साल पुराने मुकदमे में पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद को एमपीएमएलए कोर्ट ने दोषमुक्त करार देते हुए बाइज्जत बरी कर दिया। बृहस्पतिवार को कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि स्वामी चिन्मयानंद पर साजिशन झूठे आरोप लगाए गए थे। सुनवाई के दौरान सारे आरोप झूठे पाए गए हैं। गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और मुमुक्षु आश्रम के अधिष्ठाता चिन्मयानंद के खिलाफ उनकी शिष्या ने 2011 में शाहजहांपुर चौक कोतवाली में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि स्वामी चिन्मयानंद ने अपने कर्मचारियों की मदद से मुमुक्ष आश्रम में उसे बंधक बनाकर कई बार दुष्कर्म किया था। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमा वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने एतराज जताया। पीड़िता के आपत्ति जताने पर अदालत ने केस वापसी का प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था। बाद में उनका केस एमपीएमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। अभियोजन पक्ष ने कुल छह गवाह पेश किए थे। बचाव पक्ष की ओर से स्वामी चिन्मयानंद के अधिवक्ता फिरोज हसन खां और अधिवक्ता मनेंद्र सिंह ने अपने तर्क किए और बहस की। चिन्मयानंद पर लगाए गए सारे आरोप झूठे पाए गए। इस मुकदमे में अभियोजन व बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें व बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना निर्णय सुनाते हुए स्वामी चिन्मयानंद को दोषमुक्त करार दिया।

यूपी में गौहत्या के मामले में गिरफ्तार हो रहे हिंदू संगठन के नेता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में हिंदू संगठन के लोग ही गाय कटवाने के आरोप में गिरफ्तार हो रहे हैं। पिछले साल आगरा में रामनवमी के दिन गाय कटवाकर दंगा भड़काने की साजिश रची गई थी। पुलिस ने मामले में हिंदू महासभा राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट और जितेंद्र कुशवाह को गिरफ्तार किया था। बरेली में करणी सेना के जिलाध्यक्ष के गौहत्या कराने के मामले के खुलासे के बाद बजरंग दल के जिला प्रमुख गौहत्या में फंसे हैं। मुरादाबाद में बजरंग दल जिला प्रमुख सहित चार आरोपियों को गाय कटवाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में बजरंग दल के जिलाप्रमुख सुमित उर्फ मोनू विश्नोई गौकशी का मुख्य आरोपी निकला है। मुरादाबाद पुलिस ने गौवंश कटान में बजरंग दल के जिला प्रमुख सुमित उर्फ मोनू विश्नोई बजरंगी सहित रमन चौधरी, राजीव चौधरी और शहाबुद्दीन को पकड़ा है। इस गैंग ने 15 दिन में 2 जगह गौकशी की। बता दें कि बीती 16 जनवरी को कावड़ पथ पर गौवंश के अवशेष मिले थे। दूसरी घटना भी ग्राम चेतराम में 28 जनवरी में हुई जहां गौवंश पड़ा हुआ मिला था। पुलिस को दोनों ही घटनाओं की सूचना बजरंग दल कार्यकर्ता द्वारा दी गई थी। गाय काटकर डालने का मकसद शहाबुद्दीन के दुश्मन महमूद को जेल भिजवाने का था। इसलिए गौकशी वाली जगह महमूद का फोटो, नाम सहित एक कागज़ छोड़ा गया, जिससे पुलिस उस जेल भेज दे।

वाहन में नहीं पीयूसी प्रमाणपत्र, दिल्ली में देना होगा 10 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली। अगर आप के वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है, तब अब बच नहीं पाएंगे, परिवहन विभाग ने इन वाहनों का चालान काटने के लिए दिल्ली के 25 पेट्रोप पंपों पर विशेष तरह के कैमरे लगा दिए हैं। कैमरे वाहन की नंबर प्लेट पढ़कर यह पता लगा लेने वाले हैं कि आप के वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र वैध है या नहीं, अगर वैध नहीं है, तब आपके मोबाइल पर तुरंत संदेश आएगा कि आप का पीयूसी प्रमाणपत्र वैध नहीं है, तुरंत इस बनवा लें। अगर आप फिर भी नहीं बनवाते हैं, तब तीन घंटे समय देने के बाद आप का चालान काट दिया जाएगा। ट्रायल के तौर पर यह व्यवस्था पिछले सोमवार से शुरू हो गई है। विभाग ने वाहनों में वैध पीयूसी नहीं होने पर सोमवार से ई-चालान काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। चालान की जानकारी सीधे उन लोगों के मोबाइल पर भेजी जा रही है। वैध पीयूसी नहीं होने पर वाहनों के 10-10 हजार रुपये के चालान काटे जाते हैं। दिल्ली भर में 950 स्थानों पर पीयूसी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर भी यह सुविधा उपलब्ध है। राजधानी के 11 जिलों में से हर जिले में कम से कम दो पेट्रोल पंपों पर विशेष कैमरे लगाए गए हैं। कुछ जिलों में तीन पेट्रोल पंपों पर यह व्यवस्था की गई है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन 25 पेट्रोल पंपों की लोकेशन को उजागर नहीं किया जाएगा। इसका पता लगने से लोग डर के मारे इन पेट्रोल पंपों पर नहीं जाएंगे। जिससे इनके मालिकों को व्यापार में नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि पंप मालिकों को विश्वास में लिया गया है कि उनकी पंप की लोकेशन नहीं जाहिर की गई है।

जिस टनल में 17 दिनों तक फंसे रहे थे 41 मजदूर, वहां शुरु हुआ काम

नई दिल्ली। उत्तरकाशी की जिस सिल्क्यारा टनल में 17 दिनों तक 41 मजदूर फंसे रहे थे, वहां पर फिर से काम शुरु हो गया है। बता दें कि तकरीबन दो महीने पहले इस टनल हादसे में 41 मजदूरों के फंसे होने के बाद इनका रेस्क्यू किया गया था। पिछले साल 12 नवंबर को इसका एक हिस्सा ढह गया था। इसके चलते निर्माण में जुटे 41 मजदूर इसमें फंस कर रह गए थे। मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार 17 दिनों तक राहत एवं बचाव कार्य चला था। देश का यह सबसे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन था। अब इस टनल का काम फिर से शुरू कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एनएचआईडीसीएल और सरकार के निर्देशों के बाद उत्तरकाशी में सिल्क्यारा टनल के निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। सिल्क्यारा टनल में टेल साइड पोल गांव की ओर से निर्माण कार्य शुरू किया गया है। हालांकि नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी ने निर्माण काय्र शुरू होने की जानकारी दी है। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में निर्माण का काम और अधिक गति पकड़ेगा। गौरतलब है कि टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के प्लान लगातार फेल होते रहे। जब 24 नवंबर को मजदूरों की लोकेशन से महज 12 मीटर पहले ऑगर मशीन टूटी तो, रेस्क्यू ऑपरेशन का जिम्मा सेना और रैट माइनर्स को सौंपा गया। रैट माइनर्स ने 800एमएम के पाइप में घुसकर ड्रिलिंग की और आखिरकार मजदूरों को एक एक कर बाहर निकाल लिया गया।

सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में तीन लोगों को आजीवन कारावास

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले की एक त्वरित अदालत ने सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और उसके बाद उसकी हत्या के मामले में एक व्यक्ति, उसकी मां और एक अन्य व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना के समय दुष्कर्म के आरोपी की आयु 17 वर्ष थी। यौन अपराध से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गठित विशेष त्वरित अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत पाराशर ने मामले में सुनवाई करते हुये इस संबंध में 29 जनवरी को आदेश पारित किया और इसकी प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई। सरकारी अधिवक्ता समीर अग्रवाल ने बताया कि न्यायाधीश ने तीनों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), पॉक्सो और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत दोषी ठहराया। उन्होंने बताया कि अभियोजन पक्ष के अनुसार बलौदा बाजार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी पीड़िता 25 मई 2021 को जब अपने पड़ोसी के घर पर खेल रही थी तभी आरोपी उसे अपने साथ ले गया और दुष्कर्म किया।

'केंद्र पर लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद', सोरेन की गिरफ्तारी पर बीजेपी बोली-

आदिवासी समाज की इज्जत करती मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित भूमि घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी की तरफ से गिरफ्तार कर लिया गया है। आज उन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया। फिलहाल उन्हें एक दिन के न्यायिक हिरासत पर भेजा गया है। इन सब के बीच हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर राजनीति भी जबरदस्त तरीके से हो रही है। विपक्षी दलों की ओर से केंद्र सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को आदिवासी समाज से भी जोड़ा जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि आदिवासी समाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में अब भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं, वह पूरी तरीके से बुनियाद है। केंद्र की मोदी सरकार आदिवासी समाज के बहुत इज्जत करती हैं।

पूरे मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि रांची के मोरहाबादी में सेना की जमीन थी। फर्जी मालिक प्रदीप बागची ने इसे जगतबंधु टी एस्टेट को बेच दिया।जब ईडी ने जांच शुरू की तो पता चला कि रांची में एक गिरोह सक्रिय है जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन का मालिकाना हक लेता है। उन्होंने दावा किया कि इसमें आईएएस अधिकारी भी शामिल थे। इन सभी को सीएम का संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों द्वारा केंद्र सरकार पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वो पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि मोदी सरकार देश के आदिवासी समाज की बहुत इज्जत करती है। मोदी सरकार ने पहली बार आदिवासी समुदाय की महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाया। दलित समाज से आने वाले श्री रामनाथ कोविंद जी को भारत का राष्ट्रपति बनाया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा म्यूजियम को स्थापित कर आदिवासी समाज को आगे लाने में मोदी सरकार की बहुत बड़ी भूमिका है। आदिवासी समाज के विकास के लिए विशेष योजनाएं भी चलाई हैं। उन्होंने बाताय कि हेमंत सोरेन के खिलाफ तीन मामले हैं- पहला- जमीन की लूट का, दूसरा- अवैध खनन का, तीसरा- कोयला खदानों में घोटाले का। इन तीनों में सिर्फ एक मामले में अभी पेशी हुई है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई और मुख्यमंत्री पद से उनके इस्तीफे के बाद बुधवार को दावा किया कि केंद्रीय गैस एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी की विपक्ष मिटाओ सेल बन चुकी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग आदि अब सरकारी एजेंसियां नहीं रहीं, अब यह भाजपा की 'विपक्ष मिटाओ सेल' बन चुकी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि जो भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नहीं जाएगा उसे जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने सोरेन की गिरफ्तारी को भाजपा के आदिवासी विरोधी रुख का सबूत करार दिया। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी केंद्र की भाजपा सरकार के राजनीतिक प्रतिशोध का एक स्पष्ट प्रदर्शन है। किसी आदिवासी नेता को परेशान करने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करना निम्न स्तर का कृत्य है।

आज से आम लोगों के लिए खुलेगा राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध अमृत उद्यान

–प्रमुख आकर्षणों में 225 वर्ष पुराना शीशम का पेड़

–50,000 से अधिक लोगों ने बुकिंग करवा ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध अमृत उद्यान शुक्रवार से जनता के लिए खुल जाएगा, इसमें इस वर्ष के प्रमुख आकर्षणों में 225 वर्ष पुराना शीशम का पेड़, एक पुष्प घड़ी और एक 'सेल्फी प्वाइंट शामिल है। राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने बताया, कि राष्ट्रपति भवन देखने के लिए बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। अमृत उद्यान देखने के लिए 50,000 से अधिक लोगों ने बुकिंग करावा ली है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अमृत उद्यान में उद्यान उत्सव 2024 का उद्घाटन करेंगी। गुप्ता ने बताया कि आगंतुकों की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से मुफ्त बस सेवा का भी प्रावधान है।

अधिकारियों ने बताया कि पहली बार, अमृत उद्यान में आने वाले आगंतुकों के लिए ट्यूलिप का एक थीम गार्डन भी विकसित किया गया है। पर्यटक डबल डिलाइट, सेंटीमेंटल और कृष्णा नाम के गुलाबों की विशेष किस्में भी देख सकते हैं। उद्यान के प्रभारी अवनीश बंसवाल ने बताया कि इस साल के मुख्य आकर्षणों में से 225 साल पुराना शीशम का पेड़ और एक अनोखा अमृत उद्यान लोगो' है, जो एक सेल्फी प्वाइंट के रूप में भी काम करेगा। उन्होंने बताया, इसके अलावा, 200 साल से अधिक पुराने पिलखन पेड़ के पास एक पुष्प घड़ी और एक छात्र गतिविधि क्षेत्र भी प्रमुख आकर्षणों में से हैं। अधिकारियों ने कहा कि आगंतुकों के लिए जलपान की सुविधा के लिए एक फूड कोर्ट भी स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि अमृत उद्यान दो फरवरी से 31 मार्च तक सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। शाम चार बजे के बाद आगंतुकों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। आंगतुक नॉर्थ एवेन्यू रोड के पास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से उद्यान में प्रवेश कर सकते हैं। अमृत उद्यान रखरखाव कार्य के लिए सोमवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन खुला रहेगा। इसके लिए बुकिंग राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट से की जा सकती है।

हिंदू भक्तों को व्यास जी के तहखाने में पूजा करने की अनुमति देना, पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन : ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी अदालत ने हिंदू भक्तों को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर व्यास जी के तहखाने क्षेत्र में प्रार्थना करने की अनुमति दी। वाराणसी हाईकोर्ट के फैसले पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नाराजगी जाहिर कर कहा कि यह पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन है। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि सात दिनों के अंदर पूजा शुरू हो जायेगी। ओवैसी ने कहा, जिस जज ने फैसला सुनाया, रिटायरमेंट से पहले उनका आखिरी दिन था। जज ने 17 जनवरी को जिलाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया और आखिरकार उन्होंने सीधे फैसला सुना दिया है। उन्होंने खुद कहा कि 1993 के बाद से कोई नमाज नहीं पढ़ी गई। 30 साल हो गए। उन्हें कैसे पता चला कि अंदर मूर्ति है? यह पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन है। ओवैसी ने कोर्ट के फैसले को गलत बताया है। बता दें कि कोर्ट ने अपने आदेश में केवल 7 दिनों के अंदर ग्रिल खोलने का आदेश दिया है। ओवैसी ने कहा, अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया जाना चाहिए था। ये गलत फैसला है। जब तक मोदी सरकार यह नहीं कहती कि वे पूजा स्थल अधिनियम के साथ खड़े हैं, तब तक यह चलता रहेगा।

ममता ने खुद बयां किया दर्द, पुराने जख्मों ने कर दिया इंडिया से दूर

–सीपीएम को बताया रास्ते का कांटा, कभी माफ नहीं करने की खाई कसम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि वह कांग्रेस के अड़ियल रबैये के कारण इंडिया से दूर नहीं हुई, बल्कि उन्हें पुराने जख्मों ने बेकाबू कर दिया और इंडिया से दूर हो गई। वह सीपीएम को कभी माफ नहीं कर सकती, सीपीएम ने उन्हें बहुत प्रताडित किया है। फिर भी ममता ने इंडिया गठबंधन से अभी इनकार नहीं किया है, बशर्ते कि कांग्रेस कुछ चीजें सही कर लें। बता दें कि राज्य में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई हैं। पार्टी सुप्रीमों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद इसका नेतृत्व कर रही हैं। पार्टी ने राज्य की सभी 42 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बता दें कि ममता ने पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से खुद को अलग कर लिया था। पार्टी का कहना था कि सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस की तरफ से अड़ियल रुख अपनाए जाने की वजह से यह गठबंधन टूटा है। हालांकि, जनता के बीच पहुंचकर मुख्यमंत्री ने इस गठबंधन के टूटने के पीछे की वजह कुछ और ही बताई हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि अगर कांग्रेस पार्टी उनकी शर्तों को मान लेती हैं तो अब भी गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल का राजनीतिक समीकरण थोड़ा पेचीदा है। यहां मुख्य रूप से मैदान में चार पार्टियां हैं। इनमें से तीन पार्टियां वाम दल, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी सैद्धांतिक रूप से भाजपा के खिलाफ हैं। वह किसी भी कीमत पर मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति में भाजपा के साथ नहीं जाएंगी। लेकिन, दूसरी तरफ भाजपा का विरोध करने का यह कतई मतलब नहीं है कि तीनों विरोधी दल एक साथ हैं। राज्य में वाम दलों की सरकार के खिलाफ लंबा संघर्ष कर तृणमूल सत्ता में आई थी। इस संघर्ष में सबसे ज्यादा आहत खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हुई थीं। उन्होंने अकेले दम पर यह पूरा संघर्ष किया था। उन्होंने वाम दलों के करीब तीन दशक के शासन का अंत किया था। मालदा जिले की यात्रा पर पहुंची ममता बनर्जी ने कहा कि वह सीपीएम को कभी माफ नहीं कर सकतीं। सीपीएम ने उन पर हमला किया था। उनको बहुत प्रताड़ित किया गया था। वह इस उत्पीड़न और प्रताड़ना को कभी भूल नहीं सकती हैं।

सीएम ममता ने कहा कि ऐसे में वह वाम दलों के साथ रहने वाले लोगों के साथ कैसे जा सकती हैं।

हालांकि, ममता ने यह भी कहा कि मैंने कांग्रेस से कह दिया था कि आप अपनी दो सीटों पर चुनाव लड़ो, मैं कुछ नहीं बोलूंगी। लेकिन, गठबंधन के लिए आपको वाम दलों से नाता तोड़ना होगा। कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना पर उन्होंने कहा कि पहले उनको सीपीएम का साथ छोड़ना होगा। कांग्रेस को पहले अपने सहयोगियों का सम्मान करना सीखना होगा। सीपीएम ने जो अत्याचार किया था उसको वह कभी नहीं भूलेंगी। गौरतलब है कि 2000 के दशक के आसपास के वर्षों में कई दफा वाम दलों की सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को लेकर ममता बनर्जी पर हमले हुए। उन्हें फिजिकली प्रताड़ित किया तथा पुलिस ने उन पर लाठियां भांजी थी।

शिमला में लंबे इंतजार के बाद हुई मौसम की पहली बर्फबारी, खिल उठे पर्यटकों और किसानों के चेहरे

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की ऊंची पहाड़ियों और जनजातीय इलाकों में बृहस्पतिवार को मध्यम से भारी बर्फबारी जारी रही जबकि राज्य की राजधानी शिमला में इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी से निवासियों, पर्यटकों और किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। शिमला बृहस्पतिवार को बर्फ की पतली चादर में लिपटा दिखा जबकि कुफरी और फागु के बीच पांच किलोमीटर का इलाका पूरी तरह से बर्फ से ढंक गया। ठंड के बावजूद पर्यटक और निवासी बर्फ का आनंद लेने के लिए शहर के मध्य में स्थित माल रोड और रिज पर इकट्ठा हुए।

शिमला में बुधवार रात को भारी ओलावृष्टि हुई और उसके बाद रुक-रुक कर बारिश हुई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, राज्य में छह राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 240 से अधिक सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं और भारी बर्फबारी एवं बारिश के कारण 677 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। केंद्र ने कहा कि किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति के आदिवासी जिलों में165 सड़कें अवरुद्ध हैं। कुफरी, फागु और नारकंडा में भारी बर्फबारी के कारण सड़कें अवरुद्ध होने से ढली से आगे शिमला के ऊपरी क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही रुक गई है। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बृहस्पतिवार को पीटीआई- को बताया कि बर्फबारी और सड़क पर फिसलन की स्थिति के कारण ढली में वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर जल्द ही यातायात बहाल हो जाएगा। राज्य के 12 में से पांच जिलों में मंगलवार रात से रुक-रुक कर बर्फबारी जारी है और स्थानीय मौसम कार्यालय ने एक फरवरी को पांच जिलों शिमला, कुल्लू, चंबा, किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति में अलग-अलग स्थानों पर भारी बर्फबारी और बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, तीन और चार फरवरी को आंधी तथा बिजली गिरने के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बर्फबारी के पूर्वानुमान से किसानों और फल एवं सब्जी उत्पादकों को राहत मिली है जिन्हें लंबे समय तक सूखे के कारण फसल का भारी नुकसान हुआ था। कृषि विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि बारिश का मौसम रबी फसलों के लिए फायदेमंद होने की संभावना है।

शिमला होटल एंड टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एम. के. सेठ ने कहा, भारी बर्फबारी ने पर्यटन और इससे जुड़े उद्योग को खुश कर दिया है और हम फरवरी में अच्छे पर्यटन की उम्मीद कर रहे हैं। शिमला में सप्ताहांत के दौरान बर्फबारी के कारण पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नारकंडा, कुफरी, शिमला, मनाली, रोहतांग, सांगला, डलहौजी और खजियार में भी बर्फबारी हो रही है। शिमला जिले के चिड़गांव में 75 सेंटीमीटर बर्फ पड़ी जबकि शिकारी माता में 60 सेमी, कोठी में 50, चांशेल तथा कामरू नाग में 45, मनाली में 37, केलांग में 32, बड़ा बंगाल तथा पराशर झील में 30, तिंदी, पांगी, जोत तथा नौराधार में 25-25, कुकुमसेरी में 18.4, कोकसर में 16.2, खदराला में 16, शिल्लारू में 15 और सांगलामें 12.2 सेमी बर्फ

पड़ी। राज्य के निचली पहाड़ियों वाले इलाके में शीत लहर की स्थिति बनी रही और सुबह के समय कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा।

कुकुमसेरी में सबसे ठंडी रात दर्ज की गई जिसमें न्यूनतम तापमन शून्य से नीचे 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल्पा में तापमान शून्य से नीचे 2.4 डिग्री, नारकंडा एवं समधो में शून्य से नीचे 2.1 डिग्री, मनाली में शून्य से नीचे 0.1 डिग्री, डलहौजी में 0.9 डिग्री, कुफरी में 0.2 डिग्री और शिमला में तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

THE PHOTON NEWS

मस्क की इस कंपनी ने कर दिया कमाल...व्यक्ति के ब्रेन पर चिप

न्यूयॉर्क । दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क के न्यूरोलिंक ने एक बड़ा कारनामा करके दिखाया है। न्यूरोलिंक ने मानव सिर पर चिप का इंप्लांट कर दिया है। इसकी जानकारी खुद मस्क ने दी है, उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति के ब्रेन पर चिप लगाया है, उसकी हालत में सुधार हो रहा है। इस प्रोडक्ट का नाम टेलीपेथ है। यह उन लोगों के लिए वरदान साबित होगी है, जिनके हाथ पैर काम नहीं करते हैं। दरअसल, बीते लंबे समय से इस पर काम जारी है और सितंबर में कंपनी को यूएस फूड और ड्रग्स विभाग की तरफ से टेस्टिंग को मंजूरी मिली थी। मस्क ने एक्स प्लेटफॉर्म पर बताया कि न्यूरोलिंक की तरफ से पहली बार इंसान के ब्रेन पर चिप इंप्लांट किया और अब उसकी हालत में सुधार हो रहा है। साथ ही मस्क ने न्यूरोलिंक के प्रोडक्ट का नाम और उससे होने वाले फायदों के बारे में बताया है। न्यूरोलिंक के प्रोडक्ट को टेलीपेंथ नाम दिया है। इस लेकर मस्क ने बताया कि यह उन लोगों के लिए बड़ा ही उपयोगी साबित होगा, जिनके हाथ या पैर नहीं है या फिर वह काम नहीं करते हैं। इसकी मदद से यूजर्स दिमाग से ही कंप्यूटर और स्मार्टफोन को कंट्रोल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सोचिए अगर माने-माने वैज्ञानिक स्टीफ़न विलियम हौकिंग सिर्फ इसकी मदद से कम्यूनिकेट कर पाते है। अभी इस ट्रायल का मकसद वायरलेस ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस पर काम करना है। इसमें सर्जिकल रोबोट और इंप्लांट की सेफ्टी पर ध्यान दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टीफ़न विलियम हौकिंग ने इसके लिए कुछ वालंटियर्स का सलेक्शन किया था और उन पर इसका ट्रायल शुरू किया। पहले रिपोर्ट्स में सामने आ चुका है कि कंपनी की लक्ष्य 2030 तक 22 हजार लोगों पर ब्रेन चिप को इंप्लांट करने का था। साल 2016 में न्यूरोलिंक कंपनी की शुरुआत हुई थी। हालांकि कई बार न्यूरोलिंक पर आरोप लग चुके हैं कि वह नियमों को तोड़ रही है।

बलूचिस्तान प्रांत में सेना ने 21 आतंकवादियों को मार गिराया

कराची । पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने आतंकी हमलों के बाद अशांत बलूचिस्तान प्रांत में कार्रवाई कर एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े करीब 21 आतंकवादियों को मार गिराया है। गुरुवार को इसकी जानकारी दी। आतंकियों ने तीन हमलों को अंजाम दिया, जिसमें एक उच्च सुरक्षा वाली जेल को भी निशाना बनाया गया था। सेना के अधिकारी ने कहा, माच और कोलपुर में अभियान के दौरान अब तक 21 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार अभियान के दौरान चार सुरक्षाकर्मी और दो नागरिक भी मारे गए हैं।

नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को बंद करने का आव्हान किया

येरूशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के हमले में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता के आरोपों के बीच एजेंसी को बंद करने का आह्वान किया है। श्री नेतन्याहू ने आठ देशों के संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों से कहा, समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और स्वयं संयुक्त राष्ट्र को समझ लेना चाहिए कि यूएनआरडब्ल्यूए के मिशन को समाप्त किया जाना चाहिए। हमास के हमले में यूएनआरडब्ल्यूए के कई कार्यकर्ताओं के शामिल होने संबंधी इजरायल के आरोप के बाद अमेरिका और कम से कम 10 अन्य देशों ने एजेंसी दी जाने वाली फंडिंग निलंबित कर दी। हमले में इजरायल में लगभग 1,200 लोग मारे गए। यूएनआरडब्ल्यूए फिलिस्तीनी गाजा पट्टी में लगभग 13,000 लोगों को रोजगार देता है। इन लोगों को हमास हमले के जवाब में इजरायल के हवाई हमलों के बाद से मानवीय संकट का सामना करना पड़ा है। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमलों में कम से कम 26,900 फिलिस्तीनी मारे गए और 69,950 अन्य घायल हो गए।

संसद को बिना सूचित किए घाना चले गए पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद

माले। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ''सक्रिय राजनीति'' से विराम की घोषणा के बाद संसद को सूचित किए बिना अस्थायी रूप से रहने के लिए घाना चले गए हैं। विवादित शख्सियत माने जाने वाले नशीद ने कहा कि वह 'क्लाइमेट वल्नरेबल फोरम' (सीवीएफ) के महासचिव के रूप में काम शुरू करने के लिए घाना की राजधानी अक्करा पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, ''घाना कुछ वर्षों के लिए मेरा घर होगा। हमें आवश्यक निवेश लाने की उम्मीद है ताकि सीवीएफ सदस्य स्वच्छ जलवायु वृद्धि और समृद्धि की ओर बढ़ सकें। नशीद (56) वर्ष 2008 से 2012 तक मालदीव के पहले राष्ट्रपति रहे। वहीं, संसद ने बताया कि नशीद ने अस्थायी रूप से घाना में रहने के बारे में उस सूचित नहीं किया।

पुजारी नहीं होने से ब्रिटेन के 50 मंदिरों में पूजा पाठ बंद

– ब्रिटेन सरकार नहीं दे रही, पुजारियों को वीजा

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में लगभग 500 मंदिर हैं। 50 मंदिरों में पिछले कई महीनो से पुजारी नहीं है। इसके कारण मंदिरों में पूजा पाठ नहीं हो पा रहा है। मंदिरों को बंद कर दिया गया है। यदि यही हालत रही, तो जल्द ही सैकड़ो और भी मंदिर पूजा पाठ के अभाव में ब्रिटेन में बंद हो सकते हैं। ब्रिटेन में 20 लाख भारतीय रहते हैं। हर मंदिर में पुजारी के बिना पूजा पाठ संभव नहीं है। यहां भारतीय मूल के प्रवासी, गृह प्रवेश, मुंडन और विवाह समारोह मैं मंत्र उच्चारण के लिए इन्हीं पुजारियों के भरोसे रहते हैं। ब्रिटेन सरकार,2 साल के लिए पुजारियों को वीजा देती है। वीजा खत्म होने के 6 माह पहले वीजा के लिए नए पुजारी को आवेदन करना होता है। पुजारी को वीजा देने में कई किस्म की परेशानी आती हैं। भाषा के कारण पुजारी मिल नहीं पाते हैं। ब्रिटेन सरकार, वीजा के लिएभारतीय मुद्रा में पुजारी से 6 लाख रुपए की फीस वसूलती है। ब्रिटेन में 500 से ज्यादा मंदिर हैं। लेकिन पुजारी नहीं होने के कारण अब मंदिरों में पूजा पाठ बंद हो रही है। यदि यही स्थिति रही, तो आगे और भी तकलीफ होगी। यह स्थिति जब है, जब भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ब्रिटेन में हैं।

पाकिस्तान में नहीं थम रही खूनी हिंसा,इमरान की पार्टी के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या,3 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव हैं। इससे पहले यहां खूनी हिंसा शुरु हुई और थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन कहीं पथराव तो कही खुलेआम गोलियां चलाई जा रहीं हैं,जिसके कारण अब तक करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। बीते रोज पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या कर दी। इस दौरान तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि अगले हफ्ते पाकिस्तान में होने वाले चुनाव में नेशनल असेंबली के एक उम्मीदवार की बुधवार को अफगान सीमा से लगे आदिवासी जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी रशीद खान ने कहा कि 8 फरवरी के चुनाव में एक स्वतंत्र उम्मीदवार रेहान ज़ेब खान, जिन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित होने का दावा किया था, और चार सहयोगियों को बाजूर जिले में गोली मार दी गई थी। उन्होंने कहा कि रेहान ज़ेब खान की एक स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई और उनके सहयोगियों की हालत गंभीर है। वहीं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने बुधवार को कहा कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की जेल हुई है। तकनीकी आधार पर इमरान खान की पार्टी से उसका पारंपरिक चुनाव चिह्न, क्रिकेट का बल्ला छीन लिया गया है और उसके उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पीटीआई के प्रांतीय अध्यक्ष आतिफ खान ने कहा कि रेहान ज़ेब खान पार्टी के सदस्य थे लेकिन पीटीआई के पास आधिकारिक समर्थन वाला निर्वाचन क्षेत्र में एक और उम्मीदवार था। मतपत्र पर पार्टी चिन्ह के अभाव में, कई स्वतंत्र उम्मीदवार इमरान खान की पार्टी का समर्थन होने का दावा कर रहे हैं। पीटीआई ने कहा कि उस पर सैन्य समर्थित कार्रवाई की गई है, जिसमें सैकड़ों समर्थकों, पार्टी सदस्यों और प्रमुख सहयोगियों की गिरफ्तारी शामिल है। दशकों तक पाकिस्तान की राजनीति पर प्रभाव रखने वाली सेना ने आरोपों से इनकार किया है। हाल के दिनों में उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के जनजातीय क्षेत्रों में पीटीआई से जुड़े किसी उम्मीदवार की यह दूसरी हत्या थी। किसी ने उस क्षेत्र में बुधवार के हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

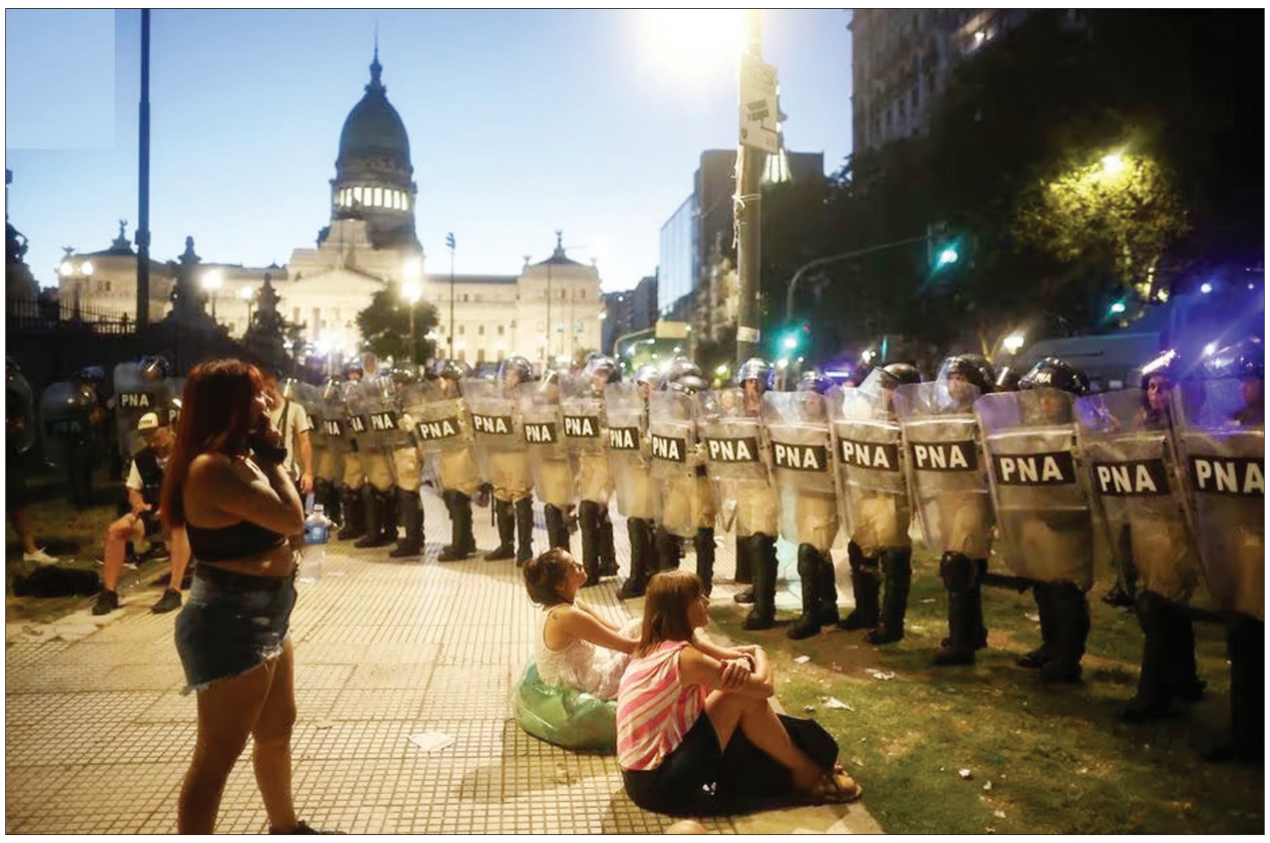

क्वालालंपुर में सुल्तान ऑफ जोहर इब्राहित इस्कंदार मलेशिया के 17 वें किंग की शपथ लेते हुए।

ब्रिटेन के पूर्व जासूस के खिलाफ ट्रंप की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज, झूठे दावे करने का लगाया था आरोप

वाशिंगटन। लंदन में एक न्यायाधीश ने डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा दायर एक मुकदमे को खारिज कर दिया। ट्रम्प ने आरोप लगाया गया था कि एक पूर्व ब्रिटिश एजेंट ने चौंकाने वाले और निंदनीय दावे किए थे जो झूठे थे और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया था। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, न्यायाधीश करेन स्टेन ने गुरुवार को कहा कि ट्रम्प ने ऑर्बिस बिजनेस इंटेलिजेंस के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उस पर मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दावे को सुनवाई के लिए आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए कोई बाध्यकारी कारण नहीं हैं। क्रिस्टोफर

स्टील ने 2016 में एक डोजियर तैयार करने के बाद व्यवसाय की स्थापना की, जिसमें निराधार दावे शामिल थे, जिसने ट्रम्प के उद्घाटन से कुछ समय पहले राजनीतिक हंगामा खड़ा कर दिया था। ट्रम्प ने स्टील द्वारा स्थापित व्यवसाय के खिलाफ मुकदमा दायर किया है जो कभी ब्रिटेन की गुप्त खुफिया सेवा के लिए रूस डेस्क का संचालन करता था, जिसे एमआई 6 के रूप में भी जाना जाता है, ऑर्बिस बिजनेस इंटेलिजेंस कथित तौर पर ब्रिटिश डेटा सुरक्षा नियमों को तोड़ने के लिए ट्रम्प पर हर्जाने के लिए मुकदमा कर रहा है। यह ऐसे समय में आया है जब अटलांटिक के दूसरी ओर कानूनी मुद्दों के बावजूद ट्रम्प 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

इरान ने अमेरिका को धमकाया कहा- हिम्मत है तो हमला करें हम मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार

तेहरान, (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। ईरान तो खुले आम अमेरिका को चुनौती देते हुए कह रहा है कि हिम्मत है तो हमला करके देखे, हम भी मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार हैं। दोनों देशों के बीच उसी वक्त से तनाव बढ़ गया था जब जॉर्डन हमले में तीन अमेरिकी सैनिको की मौत हो गई थी। जिस पर अमेरिका ने सीधे तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था इसका बदला लिया जाएगा। इस पर ईरान ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा कि वह इस्लामिक गणराज्य पर किसी भी अमेरिकी हमले का निर्णायक जवाब देने को तैयार है। ईरान-अमेरिका में तनाव के बाद अब चिंता बनी हुई है

कि किसी भी हमले से जंग तेज हो सकती है। यह क्षेत्र पहले से ही गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल के चल रहे युद्ध और लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों से परेशान है। ईरानी चेतावनियां सबसे पहले न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी की ओर से आईं। सरकारी एजेंसी के अनुसार, उन्होंने देर रात ईरानी पत्रकारों को एक ब्रीफिंग दी। इरावानी ने इस बात से भी इनकार किया कि ईरान और अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में मध्यस्थों के माध्यम से या सीधे किसी भी संदेश का आदान-प्रदान किया था.लेकिन ईरान की सरकार ने जॉर्डन में बेस पर हमले के लिए जवाबी कार्रवाई की अमेरिकी धमकियों पर ध्यान दिया है। रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर जनरल होसैन सलामी ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा, हम कोई भी धमकी बिना जवाब दिये नहीं छोड़ते। खबरों के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमें युद्ध का कोई डर नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि जलमार्ग में अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक ने मंगलवार देर रात हूती विद्रोहियों द्वारा लॉन्च की गई एक एंटी-शिप क्रूज़ मिसाइल को मार गिराया। यह हमला प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग पर गश्त कर रहे अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किया गया था।

इजराइल ने गाजा पर फिर किया हमला,चंद घंटों में ही डेढ सौ से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा। लंबे समय से चल रही इजराइल और इमास के बीच जंग में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। मौत का आंकड़ा देखें तो दोनों देशों से करीब 26 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। ये वो आंकड़ा है जिसका रिकॉर्ड उपलब्ध है। जो लोग लापता हैं या जिनका शव नहीं मिला है,उनका वास्तविक आंकड़ा किसी के पास नहीं है। बीती रात इजराइल ने एक बार फिर बड़ा हमला किया है जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई।गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइल ने गाजा में एक बार फिर हमला किया है. इस हमले में 24 घंटे के अंदर लगभग 150 लोगों की जान चली गई है. वहीं 313 लोग घायल हैं,मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने बुधवार को बताया था कि उन्होंने उत्तरी गाजा में 15 से ज्यादा हमास के आतंकियों को मारा है। साथ ही उन्होंने एक स्कूल में बने आतंकी ठिकाने को भी निशाना बनाया। भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने जारी संघर्ष को यहूदी लोगों के लिए नरसंहार (होलोकॉस्ट) की घटना के बाद सबसे खराब बताया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजी जर्मनी और इसके सहयोगियों के हाथों लाखों की संख्या में यहूदी मारे गए थे, जिसे होलोकॉस्ट के नाम से जाना जाता है। गिलोन ने कहा कि गाजा में अब भी 136 अपहृत लोग हैं जो अमानवीय परिस्थितियों में रह रहे हैं। वहीं इजराइली राजदूत ने गाजा में जारी संघर्ष पर भारत सरकार के रुख की सराहना की। हालांकि इजराइल हमास के बीच जंग थमने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे। क्योंकि पीएम नेतन्याहू ने हमास की दो प्रमुख मांगों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि इजराइल गाजा पट्टी से पीछे नहीं हटेगा या हजारों आतंकवादियों को रिहा नहीं करेगा। संघर्ष विराम पर बातचीत में ये दोनों बातें हमास की प्रमुख शर्त में रही हैं। वहीं हाल ही में जारी अतंरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले की नेतन्याहू ने अलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि हम अपने देश और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए जो भी कदम होंगे हम उठाएंगे। उन्होंने कहा था कि हर देश की तरह इजराइल को भी अपनी अखंडता की रक्षा करने का अधिकार है।

सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के पास हैं प्राइवेट आर्मी, बोइंग, जेट और 300 लग्जरी कार

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। प्राइवेट आर्मी, बोइंग, जेट और 300 लग्जरी कार के मालिक सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर को मलेशिया का नया राजा चुना गया। जानकारी के अनुसार इब्राहिम इस्कंदर मलेशिया के जोहोर राज्य के सुल्तान हैं। इस देश में नौ जातीय मलय राज्य शासक हैं, जिन्हें बारी-बारी से पांच साल के लिए राजा के रूप में कार्यभार संभालने की जिम्मेदारी दी जाती है। उन्होंने जोहोर राज्य के 17वें राजा के तौर पर शपथ लिया है। मलेशिया के संघीय राजधानी कुआलालंपुर में मौजूद राष्ट्रीय महल में उन्होंने राजा के पद की शपथ ली। सुल्ताह इब्राहिम इस्कंदर की संपत्ति को लेकर इस समय काफी चर्चा हो रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजा के पास 5.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। उनकी संपत्ति में रियल एस्टेट, खनन से लेकर दूरसंचार और पाम तेल तक के कई उद्योग शामिल हैं। उनके पास 300 से अधिक लग्जरी कारें हैं, जिसमें एडोल्फ हिटलर द्वारा कथित तौर पर उपहार में दी गई एक कार भी शामिल है। वहीं, उनके पास नीले रंग की बोइंग 737 सहित प्राइवेट जेट भी है।

इतना ही नहीं, इस शाही परिवार के पास एक प्राइवेट आर्मी भी है। जोहोर में मल्टी मिलियन-डॉलर फॉरेस्ट सिटी विकास परियोजना में उनकी बड़ी हिस्सेदारी भी शा?मिल है। वह सिंगापुर के साथ एक हाई-स्पीड रेल लिंक परियोजना में उनकी भागीदारी है। इसके अलावा यू मोबाइल में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उनके पास सिंगापुर में 4 अरब डॉलर की जमीन भी है। उनकी पत्नी की नाम जरीथ सोफिया है। वो भी शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वो एक ऑक्सफोर्ड स्नातक हैं और अच्छी लेखिका भी हैं। मलेशिया के राजा मुस्लिम-बहुल देश में इस्लाम के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। राजा को एक प्रधानमंत्री नियुक्त करने की अनुमति है।

मालदीप के राष्ट्रपति की मुश्किलें बढ़ीं कभी भी गिर सकती है सरकार

माले (एजेंसी)। भारत के खिलाफ अनाश शनाप टिप्पणी करने वाले मालदीव के राष्ट्रपति की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं हैं। उनके खिलाफ पूरे देश में माहौल बन गया है। विरोधी नेता और उन्ही की सरकार में शामिल कई नेता राष्ट्रपति मुइज्जू का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि जैसे ही भारत के खिलाफ टिप्पणी आईं थी तभी चंद घंटों बाद ही मालदीव के पर्यटन को भारी नुकसान होना शुरु हो गया था। इसके बाद मुइज्जू सरकार पर इतना दवाब बना कि उन्हे अपने तीन मंत्रियों पर सख्त कार्रवाई करना पड़ी। अब हालात ये हैं कि कभी भी मुइज्जू सरकार की छुट्टी हो सकती है।

देश के हालात ऐसे हो चुके हैं कि उनकी सरकार कभी भी गिर सकती है। विपक्ष ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वो सही वक्त के इंतजार में है। समय आने पर मोहम्मद मुइज्जू सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। दरअसल, मोहम्मद मुइज्जू सरकार से मतभेदों की वजह से रविवार को सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसदों के बीच संसद में झड़प हुई थी। संसद में हुई झड़प के बाद से विपक्ष लगातार मोहम्मद मुइज्जू सरकार पर हमलावर है। मुख्य विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की योजना पर काम कर रही है। ये योजना संसद में हंगामे के बाद बनाई गई है। खबर है कि मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने डेमोक्रेट के साथ मिलकर प्रस्ताव के लिए जरूरी समर्थन हासिल कर लिया है। इसके बाद अब विपक्ष की एकजुटता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मोहम्मद मुइज्जू सरकार के लिए इस संकट से पार पाना आसान नहीं होगा।

मालदीव के विपक्षी नेता अब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगने की सलाह दी है। मालदीव जम्हूरी पार्टी के नेता कासिम इब्राहिम ने मोहम्मद मुइज्जू से कहा है कि उन्हें भारत के साथ अपने रिश्ते अच्छे करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को अपनी चीन की यात्रा के बाद दिए गए

पाकिस्तान में भीषण आतंकी हमलों में अलकायदा का हाथ : यूएन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा समेत कई राज्यों में भीषण आतंकी हमले के पीछे अलकायदा का हाथ बताया जा रहा है। हालांकि यह खुलासा और किसी ने नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने किया है। दरअसल पाकिस्तान में बीते कुछ सालों में इन हमलों में तेजी से इजाफा हुआ है और यहां तक कि पुलिस चौकियां भी अब सुरक्षित नहीं रही हैं। आतंकवाद से बचे रहने वाले पंजाब में भी हमलों में तेजी आई है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों के पीछे अलकायदा जैसे खूंखार आतंकी संगठन की फंडिंग और उसके आतंकी हैं, जिन्हें दशकों से पाकिस्तान ने ही पाला है और खाद पानी दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को मिली इस्लामिक स्टेट और अलकायदा, तालिबान मॉनिटरिंग टीम ने अपनी 33वीं रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है।

यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हमले करने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को अलकायदा की ओर से न सिर्फ हथियार मिल रहे हैं बल्कि ग्राउंड सपोर्ट भी दिया जा रहा है। अफगानिस्तान तालिबान भी इसमें सक्रिय रोल अदा कर रहा है। वही अफगान तालिबान जिसके अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज होने पर पाकिस्तान ने जश्न मनाया था और इसे अमेरिका एवं भारत जैसे देशों की हार बताया था। अब यही अफगान तालिबान पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा

समेत बलूचिस्तान और सिंध में आतंकी हमले करा रहा है। हालांकि पाकिस्तान लगातार इसे लेकर चिंता भी जताता रहा है। वहीं अफगानिस्तान से अब उसके रिश्ते भी इसके चलते खराब हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगान तालिबान भले ही कह रहा है कि वह अपनी धरती से आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहित नहीं करेगा, लेकिन अब तक इस पर रोक नहीं लगी है। यूएन की रिपोर्ट के अनुसार बड़ी संख्या में अफगान तालिबान के लड़ाके ही अब टीटीपी का हिस्सा बन गए हैं। इन लोगों को अफगान तालिबान से अच्छी खासी फंडिंग मिल रही है और उनके परिवार के लोगों को भी मदद मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक टीटीपी ने 2023 के मध्य में खैबर पख्तूनख्वा में अपना बड़ा बेस तैयार कर लिया है। यहां पर बड़ी संख्या में लड़ाकों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

8 फरवरी से पहले पाकिस्तान से आएगी बड़ी खबर! आर्मी चीफ मुनीर क्यों उगल रहे भारत के खिलाफ जहर

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर कैदी नं 804 की मुश्किल बढ़ गई है। चुनाव से ठीक एक हफ्ते पहले विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 10 साल की सजा सुनाई। उनके करीबी और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को भी 10 साल की सजा मिली है। पहले इमरान खान को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए सरकार ने सारे हथकंडे अपनाए। अब जेल की सलाखों के पीछे 10 सालों तक डालने का इंतजाम कर दिया है। इमरान खान अगले पिछले अगस्त से ही रावलपिंडी की जेल में बंद हैं। इमरान खान पर 100 से ज्यादा केस हैं। वहीं 31 जनवरी को पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना केस में 14 साल जेल की सजा सुनाई है। पाकिस्तान में चुनाव 8 फरवरी को होने हैं जिसके लिए प्रचार भी चरम पर है। सियासी जंग जारी है। वहीं इमरान खान को सजा सुनाए जाने के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया है। ये सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या वाकई पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव हो पाएंगे।

एक तरफ पाकिस्तान में राजनीतिक बदले का दौर चर रहा है तो दूसरी तरफ मुल्क के टुकड़े-टुकड़े होने की कोशिशें जोर पकड़ने लगी हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग लग गई है और दावा किया जा रहा है कि बलूचिस्तान आर्मी ने माच शहर में कई जगहों को अपने कब्जे में ले लिया है और पाक सेना को ढेर कर दिया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी पाकिस्तान के खिलाफ असंतोष है। गिलगित बाल्टिस्तान में तो महंगे आटे को लेकर जनता सड़कों पर है। टुकड़े-टुकड़े होने के कगार पर पहुंचने के बावजूद भी पाकिस्तान की सेना भारत के खिलाफ जहर उगलने से बाज नहीं आ रही है। पाक सेना ने कहा कि भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन किया जा रहा है। इसका असली चेहरा अब दुनिया के सामने आ गया है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल सैयद असीम मुनीर की अध्यक्षता में मंच ने आम चुनाव 2024 का शांतिपूर्ण संचालन के लिए पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) की सहायता के लिए पाकिस्तानी सेना की तैनाती पर चर्चा की। पाकिस्तानी सेना ईसीपी के दिशानिर्देशों के तहत संवैधानिक आदेश के अनुसार सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेगी। किसी को भी राजनीतिक गतिविधि के नाम पर हिंसा में शामिल होने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की सर्वोत्कृष्ट लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पवित्र और अनुल्लंघनीय है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान

सभी राज्यों के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करता है। हालाँकि, देश की संप्रभुता, राष्ट्रीय सम्मान और पाकिस्तानी लोगों की आकांक्षाओं पर कभी कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सम्मेलन में राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देने और पाकिस्तानी नागरिकों को निशाना बनाने, राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देने और गैर-न्यायिक हत्याओं के क्रूर भारतीय अभियान के बारे में जानकारी दी गई। इसमें इस बात पर सहमति हुई कि भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन और उसका असली चेहरा दुनिया के सामने लाया जाए। फोरम ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पहले ही भारत के आपराधिक व्यवहार और दुनिया भर में हत्याओं के लिए राज्य तंत्र के उपयोग पर गंभीर चिंता दिखा चुका है।

ज्योतिका और सूर्या ने तलाक की अटकलों पर लगाया विराम

ज्योतिका और सूर्या को लेकर बुरी खबर सामने आ रही थी। कहा जा रहा था कि दोनों की शादीशुदा जिंदगी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और वे जल्द ही तलाक लेने वाले हैं। हालांकि, अब ज्योतिका ने एक पोस्ट शेयर करके इन अफवाहों को झूठा साबित कर दिया है।

साउथ के फेमस स्टार कपल ज्योतिका और सूर्या की शादीशुदा जिंदगी में सबकुछ ठीक है। उनके रिश्ते में दरार नहीं आई है और वो तलाक नहीं लेने वाले हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि खुद ज्योतिका ने तलाक और सेपरेशन की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने पति संग फिनलैंड वेकेशन का बेहद खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है। ज्योतिका इस समय पति सूर्या के साथ फिनलैंड में वेकेशन इंजॉय कर रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर प्यारी सी फोटो शेयर की है, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही है। इस वीडियो की शुरुआत में लिखा है, जिंदगी रेनबो की तरह है, चलिए उसके रंगों को डिस्कवर करते हैं। मुझे मेरा व्हाइट मिला। इसके साथ उन्होंने स्नो वाला इमोजी भी बनाया है। वीडियो से साफ जाहिर हो रहा है कि ज्योतिका और सूर्या कितने खुश हैं और हॉलिडे को खूब इंजॉय कर रहे हैं।

बर्फीली वादियों में खूब किया इंजॉय

इस वीडियो में फिनलैंड पूरा बर्फ में डूबा नजर आ रहा है। चारों तरफ सिर्फ बर्फीला नजारा दिख रहा है। पेड़ों से लेकर घरों तक के ऊपर बर्फ जमी हुई है। इसी वादियों के बीच सूर्या कॉफी लेकर घूम रहे हैं और ज्योतिका एक टेंट के पास हैं, जिसके अंदर अलाव जल रहा है। सूर्या की एक फोटो भी है, जिसमें उनकी आंखें नजर आ रही हैं और पलों पर भी बर्फ जम गई है। दोनों ने बर्फ पर कई सारी एक्टिविटी भी की।

तलाक की आई थीं खबरें

हाल ही में ऐसी खबरें सामने आईं कि ज्योतिका और सूर्या के बीच सबकुछ ठीक नहीं है और वे जल्द ही अपने रिश्ते को हमेशा के लिए खत्म करने वाले हैं। उनका तलाक होने वाला है।

सामंथा ने जाहिर की सिटाडेल की शूटिंग पूरी होने की खुशी

साउथ सुपर स्टार सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने आने वाले सीरीज सिटाडेल को लेकर काफी व्यस्त चल रही हैं। इस सीरीज में सामंथा वरुण धवन के साथ स्क्रीन साझा करती हुई दिखाई देने वाली हैं। अभिनेत्री ने अपने सोशल मिडिया हैंडल से सिटाडेल की सेट से एक तस्वीर को साझा किया है। सोशल मीडिया पर सामंथा की यह पोस्ट काफी वायरल हो रही है।

जाहिर की खुशी

अमेरिकन सीरीज सिटाडेल के हिंदी रूपांतरण में सामंथा अहम भूमिका निभा रही हैं। इस सीरीज को लेकर वे बेहद उत्साहित हैं। आज अपने सोशल मीडिया हैंडल से सिटाडेल की टीम के साथ अभिनेत्री ने फोटो साझा करते हुए लिखा है, फाइनली हमें कुछ देखने को मिल रहा है और हम सब बेहद उत्साहित हैं। उन तस्वीरों में सामंथा काले रंग के फंकी जैकेट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। सामंथा के साथ फोटो में वरुण धवन के अलावा सीरीज के निर्देशक राज और डीके भी दिखाई दे रहे हैं। क्रीम रंग के टीशर्ट में वरुण कूल लग रहे हैं। सामंथा प्रभु की इस बहुचर्चित सीरीज में उनके साथ वरुण धवन दिखाई देने वाले हैं। इन दोनों के अलावा सिटाडेल में सिकंदर खेर भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। महंगे लागत से बन रही इस सीरीज की शूटिंग भारत के अलावा साइबेरिया में भी हुई है।

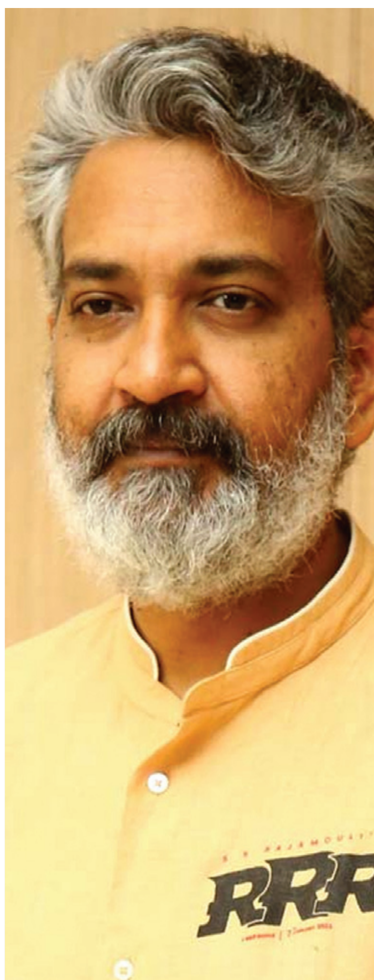

राजामौली की एसएसएमबी 29 को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी

महेश बाबू जल्द ही एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म में अभिनय का जलवा दिखाते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म को इस समय एसएसएमबी 29 कह कर पुकारा जा रहा है। तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू ने हाल ही में फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में बनी यह फिल्म 12 जनवरी को संक्रांति उत्सव के मौके पर दुनियाभर में रिलीज हुई थी। फैंस को उनकी यह फिल्म काफी पसंद आई थी। वहीं, कई समीक्षकों ने फिल्म पर मिली जुली प्रतिक्रिया दी थी। अब अभिनेता जल्द ही एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म में अभिनय का जलवा दिखाते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म को इस समय एसएसएमबी 29 कहकर पुकारा जा रहा है। एलान के बाद से ही लोगों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि यह फिल्म लोकप्रिय हॉलीवुड फिल्म सीरीज इंडियाना जोन्स की तर्ज पर होगी और इसमें हनुमान से संबंधित एक कहानी देखने को मिलेगी। इस बीच फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो आम तौर पर प्रति फिल्म 60 से 80 करोड़ रुपये के बीच शुल्क लेने वाले महेश बाबू ने राजामौली के प्रोजेक्ट के लिए कोई भी पारिश्रमिक नहीं लेने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि फिल्म से होने वाले मुनाफे में वे राजामौली के साथ हिस्सेदारी करेंगे। फिलहाल फिल्म टीम ने अभी तक इन रिपोर्ट्स की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एसएसएमबी 29 का बजट 1000 करोड़ रुपये के आसपास है। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट बनकर तैयार हो गई है और वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए प्री-प्रोडक्शन कार्य चल रहा है। हालांकि, फिल्म को लेकर किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

अभिनेत्री एमी जैक्सन ने एड वेस्टविक से की सगाई

एक दीवाना था, सिंह इज ब्लिंग जैसे फिल्मों के लिए मशहूर एमी जैक्सन ने स्विट्जरलैंड के गस्टाड में अभिनेता-संगीतकार एड वेस्टविक से सगाई कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर मंगेतर के साथ अपनी कई तस्वीरें साझा की हैं। इस फोटोज में दोनों को काफी खुश देखा जा सकता है। एक तस्वीर में वेस्टविक घुटने पर बैठकर अभिनेत्री को प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ एमी ने कैप्शन में अपनी सगाई की पुष्टि कर दी है। कियारा आडवाणी, ओरी, अथिया शेट्टी, श्रुति हासन, सोफी चौधरी जैसे सेलेब्स ने उन्हें बधाई दी है। एमी जैक्सन और एड वेस्टविक ने जून 2022 में किए गए एक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से अपने रिश्ते का आधिकारिक एलान किया था। एड को लोकप्रिय सीडब्ल्यू नेटवर्क सीरीज गॉसिप गर्ल में प्लेबॉय चक बास के रूप में उनकी भूमिका के लिए पहचाना जाता है। 2007 से 2012 तक इसका प्रसारण हुआ था। उन्होंने सिटकॉम व्हाइट गोल्ड में भी अभिनय किया है। एड ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2006 में चिल्ड्रन ऑफ मेन फिल्म से की थी। एमी की पहले होटल व्यवसायी जॉर्ज पानायटियोउ से सगाई हुई थी। उनका एक बेटा भी है, जिसका नाम एंड्रियास है। एमी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत मद्रासपट्टिनम से की थी। उन्होंने 2012 में प्रतीक बब्बर के साथ एक दीवाना था से बॉलीवुड में कदम रखा। बाद में, उन्होंने येवडू, आई, थेरी, 2.0 जैसी सुपरहिट फिल्मों में अभिनय किया। 2024 में वह मिशन- चैप्टर 1 में नजर आई थीं। इसके बाद, वे विद्युत जामवाल अभिनीत क्रैक में भी नजर आने वाली हैं।

बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के अलावा परिवार की राय भी महत्वपूर्ण

अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म फाइटर को लेकर सुर्खियों में हैं। महज पांच दिनों के अंदर फिल्म की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये पार हो गई है, वहीं वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है।

ऋतिक ने फिल्म की सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे इससे खुश हैं। मगर, उनके लिए अपने परिवार और करीबियों की प्रतिक्रिया और भी ज्यादा मायने रखती है।

फिल्म पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन ने इंडियन एयर फोर्स पायलट का रोल अदा किया है। ऋतिक रोशन ने फिल्म की सफलता पर कहा कि दर्शकों को उनका काम पसंद आया, ये बड़ी बात है। साथ ही ऋतिक ने ये भी कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के अलावा उनके लिए उन लोगों की राय भी बहुत मायने रखती है, जिन्हें वे प्यार करते हैं। हालांकि, सबसे बड़ी मान्यता तो बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से मिलती है। बॉक्स ऑफिस आंकड़ों पर रखी ये बात ऋतिक रोशन ने आगे कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे कहने में मुझे पहले थोड़ा संकोच होता रहा है ,लेकिन यह सच है। सबसे बड़ी मान्यता बॉक्स ऑफिस नंबर हैं, खासकर जब आप एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं, जिसका मकसद बड़ी संख्या में दर्शकों का मनोरंजन करना है।

परिवार की राय को बताया महत्वपूर्ण

ऋतिक रोशन ने कहा, जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, मुझे वाकई उम्मीद है कि उन्हें मेरा काम पसंद आया। अगर मैं उन्हें पसंद करता हूं तो एक नजरिया है जिससे वे मेरे काम को देख रहे होंगे और अगर मैं उस नजरिए से संतुष्ट हूं तो मैं अपनी नजरों में थोड़ा ऊंचा हो जाता हूं, क्योंकि मैं खुद को उनके नजरिए से देखता हूं। मेरे लिए मेरे बेटों, परिवार, पार्टनर की प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है। वर्क फ्रंट की बात करें तो फाइटर के बाद ऋतिक रोशन वॉर 2 में नजर आएंगे।

सिटाडेल के बाद रूसो ब्रदर्स ने फिर जताया प्रियंका पर भरोसा, द ब्लफ में दी मुख्य भूमिका

ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा के करियर के सितारे इन दिनों बुलंदियों के शिखर पर हैं। अभिनेत्री बैक-टू-बैक हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स साइन कर रही हैं। देसी गर्ल आखिरी बार एक्शन से लबरेज सीरीज सिटाडेल में नजर आई थीं। वहीं, अभिनेत्री रिचर्ड मैडेन स्टारर इस एक्शन-पैक्ड स्पाई थ्रिलर सीरीज के दूसरे सीजन में भी नजर आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड की द ब्लफ नामक फिल्म साइन की है। अभिनेत्री की यह फिल्म 1800 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है।

जून में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

बताया जा रहा है कि द ब्लफ फिल्म का निर्माण द रुसो ब्रदर्स द्वारा किया जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें, तो इस फिल्म की शूटिंग जून महीने में शुरू होगी। प्रियंका चोपड़ा के फैंस इस खबर के सामने आने के बाद उत्साहित हो गए हैं। हालांकि, अभिनेत्री और निर्माताओं की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

प्रियंका चोपड़ा का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उनके पास हॉलीवुड के दो प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमे एक सिटाडेल 2 और हेड्स ऑफ स्टेट है। इसके अलावा अभिनेत्री के पास एक बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा भी है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ के साथ नजर आने वाली हैं। वहीं, इस फिल्म का निर्माण रीमा कागती के जरिए किया गया है। निर्माता और अभिनेता फरहान अख्तर इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ की रैम्बो पर जल्द शुरू होगा काम, सैफ अली खान के साथ भी धमाल मचाएंगे सिद्धार्थ आनंद

सिद्धार्थ आनंद की आगामी एक्शन फिल्म रैम्बो अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इस एक्शन ड्रामा की आधिकारिक घोषणा 2017 में टाइगर श्रॉफ की मुख्य भूमिका के साथ की गई थी। यह फिल्म सिल्वेस्टर स्टेलोन अभिनीत हॉलीवुड क्लासिक का भारतीय रूपांतरण है। फिल्म पर बीते सात साल से काम चल रहा है। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद इन दिनों अपनी फिल्म फाइटर की रिलीज को लेकर चर्चाओं में हैं। इसी कड़ी में सिद्धार्थ ने आगामी फिल्म रैम्बो पर खुलकर बात की है। साथ ही सैफ अली खान के साथ काम करने पर भी बड़ा अपडेट साझा किया है।

सिद्धार्थ करने जा रहे मार्फ्लिक्स का विस्तार

सिद्धार्थ आनंद ने बताया है कि वह किस तरह मार्फ्लिक्स के विस्तार की योजना बना रहे हैं। उन्होंने अपने बैनर तले आने वाली परियोजनाओं के बारे में भी बात की। इसमें रोहित धवन द्वारा निर्देशित रैम्बो समेत सैफ अली खान और जयदीप अहलावत अभिनीत और रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित फिल्म शामिल है। यह पूछे जाने पर कि वह मार्फ्लिक्स को एक बैनर के रूप में कैसे विस्तारित करना चाहते हैं, सिद्धार्थ आनंद ने हालिया इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि यहां कुछ अच्छी एक्शन फिल्में बनाने का विचार है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी जगह है, जहां मुझे अपना काम मिल गया है। हम शुरुआत कर रहे हैं, और हमारे पास कुछ अच्छी मजेदार फिल्में हैं। इसलिए उम्मीद है कि आप मार्फ्लिक्स से कुछ मजेदार एक्शन फिल्में देखेंगे।

रैम्बो पर दिया बड़ा अपडेट

उन्होंने आगे कहा कि वे अपने बैनर मार्फ्लिक्स के तहत रैम्बो का निर्माण भी कर रहे हैं। रोहित धवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में हैं। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सिद्धार्थ आनंद ने कहा, फिर हम रैम्बो का निर्माण कर रहे हैं। टाइगर श्रॉफ के साथ रोहित धवन निर्देशन कर रहे हैं। उम्मीद है, यह एक ऐसा शीर्षक है जो लोगों के दिमाग में बहुत गहराई से बैठा हुआ है, इसलिए हम इसे एक निश्चित एक्शन फिल्म बनाना चाहते हैं। इसलिए हमारे पास जल्द ही रैम्बो के लिए कुछ रोमांचक योजनाएं हैं। मुझे लगता है कि एक महीने में आप सुनेंगे कि हम रैम्बो के साथ क्या कर रहे हैं। एलान बड़ा होने वाला है।

सैफ अली खान संग शुरू किया काम

यह पूछे जाने पर कि क्या जल्द ही बहुत सारी घोषणाएं होने वाली हैं, सिद्धार्थ आनंद ने कहा, बहुत सारी घोषणाएं नहीं। उनमें से कुछ। मैं मात्रा में विश्वास नहीं करता। हम वास्तव में एक छोटे बुटीक प्रोडक्शन हाउस की तरह हैं, जहां हम जो भी फिल्म कर रहे हैं उसमें मैं अपनी सारी ऊर्जा और प्रयास लगाना चाहता हूं। जैसे अभी, हम सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ एक मजेदार एक्शन फिल्म कर रहे हैं। यह एक अनोखी फिल्म है और मेरी सारी ऊर्जा उसी पर केंद्रित है।